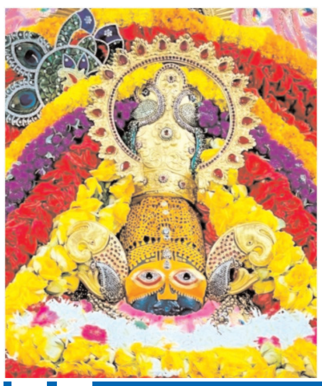

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:305। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 26 जून 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

'कभी माफ न करें, कभी न भूलें'

● आपातकाल की 51वीं बरसी पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली । 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से लगाए गए आपातकाल की 51वीं बरसी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिन को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय बताया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने नागरिकों से कहा कि इस दाग को बार-बार याद करने की जरूरत है, ताकि देश में फिर कोई ऐसा पैदा न हो, जिसको इस पाप के रास्ते पर जाने की इच्छा हो जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर हैशटैग 'संविधान हत्या दिवस' के साथ पोस्ट किया, 'क्या आप जानते हैं कि हमारे लोकतांत्रिक इतिहास में 25 जून इतना महत्वपूर्ण क्यों है?' उन्होंने लिखा, 'आपातकाल लगाने वालों के माथे पर उस गंभीर पाप का कलंक हमेशा के लिए लग गया है। आज हम उन सभी लोगों को सलाम करते हैं, जो डटकर खड़े रहे। उन्हीं की वजह से लोकतंत्र बचा रहा। कभी माफ न करें और कभी न भूलें।' पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में शुरुआत में इंदिरा गांधी के आपातकाल की घोषणा का अंश

शेयर किया, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री को कहते सुना गया, 'राष्ट्रपति जी ने आपातकाल की घोषणा की है।' प्रधानमंत्री ने इसका शीर्षक दिया, 'आपातकाल की 51वीं बरसी- जानिए क्यों इसे भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय माना जाता है। 'पीएम मोदी ने संदेश में कहा, 'आपातकाल लगाने वालों ने न सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की, बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखने का था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया।

इसके अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता है। जॉर्ज फर्नांडिस साहब को जंजीरों में बांधा गया था और अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गईं। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। छात्रों को भी परेशान किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी का भी गला घोंट दिया गया था। साथियों, उस दौर में जो हजारों लोग गिरफ्तार किए गए, उन पर ऐसे ही अमानवीय अत्याचार हुए। '

चुनाव से पहले भाजपा ने उत्तर प्रदेश की नई टीम का किया ऐलान, कई नए चेहरे को मिली एंट्री

चुनाव से पहले भाजपा ने उत्तर प्रदेश की नई टीम का किया ऐलान, कई नए चेहरे को मिली एंट्री

एजेंसी

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपने संगठनात्मक ढांचे का व्यापक विस्तार करते हुए प्रदेश पदाधिकारियों की नई टीम की घोषणा कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से जारी लिस्ट में 19 प्रदेश उपाध्यक्ष, आठ प्रदेश महामंत्री, 19 प्रदेश मंत्री समेत विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की गई हैं। पार्टी ने संगठन में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने के साथ आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए नए चेहरों को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। घोषित टीम में सुरेश राणा, सत्यपाल सैनी, धर्मेंद्र सिंह, प्रियंका रावत, अर्चना मिश्रा, पूजा पाल, राजेश यादव और आलोक गुप्ता समेत कई नेताओं को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, रामप्रताप सिंह चौहान, गीता शाक्य, अभिजात मिश्रा, उपेंद्र रावत और संजय राय को प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश मंत्रियों की सूची में विजय शिवहरे, बसंत त्यागी, शिवभूषण

भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश
7,विधानसभा मार्ग ,लखनऊ

माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी से विचार विमर्श उपरांत भाजपा उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों की घोषणा निम्नवत की जाती है

क्रम	नाम	पद
1	श्री सुरेश राणा	उपाध्यक्ष
2	श्री सत्यपाल सैनी	उपाध्यक्ष
3	श्री ब्रज बहादुर	उपाध्यक्ष
4	डा धर्मेंद्र सिंह	उपाध्यक्ष
5	श्री मोहित बेनीवाल	उपाध्यक्ष

सिंह, सहजानंद राय, अनिल यादव, अवधेश श्रीवास्तव, विजय राजभर, राकेश बिंद, राहुल वाल्मीकि, आकांक्षा सोनकर सहित कई नेताओं को स्थान दिया गया है।

सूची से स्पष्ट संकेत मिलता है कि भाजपा ने संगठन में पिछड़े, दलित, महिला और युवा नेतृत्व को व्यापक प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया है। पार्टी ने छह क्षेत्रों के लिए क्षेत्रीय अध्यक्षों की भी घोषणा की है। पश्चिम क्षेत्र की कमान नबाब सिंह नागर, ब्रज क्षेत्र की पूरन लाल लोधी, कानपुर क्षेत्र की राम किशोर साहू, अवध क्षेत्र की अवधेश द्विवेदी, काशी क्षेत्र की अशोक चौरसिया तथा गोरखपुर क्षेत्र की विनोद राय को सौंपी गई है।

संगठनात्मक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारत दीक्षित को कार्यालय मंत्री, अतुल अवस्थी और लक्ष्मण सिंह को कार्यालय सह-मंत्री नियुक्त किया गया है। वहीं, दिनेश प्रताप सिंह को मुख्य प्रवक्ता, मनीष दीक्षित को प्रदेश मीडिया संयोजक और हिमांशुराज पंडित को प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया है।

भाजपा ने विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों की भी घोषणा की है। रोहित मिश्रा को युवा मोर्चा, प्रकाश पाल को पिछड़ा मोर्चा, देवेंद्र सिंह को किसान मोर्चा, अशोक रावत को अनुसूचित मोर्चा, सरोज कुशवाह को महिला मोर्चा और विद्याभूषण गोंड को अनुसूचित जनजाति मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा की यह नई संगठनात्मक टीम आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने, सामाजिक आधार को और मजबूत बनाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में राजनीतिक पकड़ बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है।

भाजपा इतिहास को तोड़-मरोड़ रही, आज देश में अघोषित इमरजेंसी : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा कक्षा 9 की पाठ्यपुस्तक में आपातकाल पर एक नया सेक्शन शामिल किए जाने को लेकर कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि शिक्षा के माध्यम से छात्रों को एकतरफा जानकारी देने और इतिहास को अपने नजरिए से प्रस्तुत करने की कोशिश की जा रही है। मुंबई में कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इतिहास को गलत तरीके से पेश करने, गलत जानकारी फैलाने और तथ्यों को गुमराह करने वाले तरीके से दिखाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्चों को ऐसी बातें सिखाने का प्रयास हो रहा है, जो सही नहीं हैं। उस समय इमरजेंसी आधिकारिक तौर पर घोषित की गई थी और इसे किसी छिपे हुए एजेंडे के तहत लागू नहीं किया गया था। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों की तुलना करते हुए कहा कि आज देश में एक अघोषित इमरजेंसी जैसी स्थिति है, जहां लोग सरकार के खिलाफ खुलकर बोल नहीं सकते और न ही अपनी असहमति स्वतंत्र रूप से जता सकते हैं। वडेट्टीवार ने कहा कि यह भाजपा सरकार की ओर से युवा पीढ़ी को गलत दिशा में ले जाने की कोशिश है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि आज के बच्चे काफी समझदार हैं और उनके पास एआई समेत जानकारी के कई स्त्रोत उपलब्ध हैं। ऐसे में वे स्वयं तथ्यों की जांच-पड़ताल करेंगे और जो कुछ भी उन्हें पढ़ाया या दिखाया जाएगा, उसे बिना जांचे-परखे स्वीकार नहीं करेंगे।वहीं, लखनऊ में कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि इमरजेंसी देश के इतिहास का हिस्सा है, इसलिए यदि छात्रों को इसके बारे में पढ़ाया जाता है तो इसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों को यह भी बताया जाना चाहिए कि इमरजेंसी क्यों लगाई गई थी। इस विषय को निष्पक्ष तरीके से प्रस्तुत किया जाना चाहिए और इसके दोनों पक्षों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। आजकल केवल एक पक्ष को पढ़ाने का चलन बढ़ता जा रहा है, जो उचित नहीं है। बच्चों को बिना किसी भेदभाव के दोनों नजरियों की जानकारी दी जानी चाहिए ।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में सीएम हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से राहत, 2014 की एफआईआर रद्द

एजेंसी

नई दिल्ली। रांची । झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से गुरुवार को बड़ी कानूनी मिली है। अदालत ने उनके खिलाफ वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव के दौरान दर्ज आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े आपराधिक मामले की एफआईआर रद्द कर दी है। अदालत के इस आदेश के साथ ही इस मामले में उनके खिलाफ चल रही सभी न्यायिक कार्यवाहियां समाप्त हो गई हैं। जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत ने मामले से जुड़े सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुनाया। यह मामला वर्ष 2014 के झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान कथित तौर पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप से जुड़ा था। इसे लेकर सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर थाना में कांड संख्या 418/2014 के तहत हेमंत सोरेन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बाद में उन्होंने एफआईआर को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और इसे कानूनन असंगत बताते हुए रद्द करने की मांग की थी। मामला पिछले कई वर्षों से हाईकोर्ट में लंबित था। सुनवाई के दौरान अदालत ने पहले ही निचली अदालत में चल रही कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इसके बाद मुख्य याचिका पर नियमित सुनवाई जारी रही। मुख्यमंत्री की ओर से दायर आपराधिक रिट याचिका को स्वीकार करते हुए अदालत ने को निरस्त करने का आदेश दिया। अंतिम सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार और याचिकाकर्ता की ओर से प्रस्तुत दस्तावेजों, अभिलेखों और कानूनी पहलुओं का परीक्षण किया। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची कि मामले में मामले को बरकरार रखने का आधार नहीं बनता है।

मुथाठी हादसा: लड़की को बचाने उतरे परिवार के सदस्य एक-एक कर डूबे, पांच लोगों की दर्दनाक मौत

मांड्या के उपायुक्त डॉ. कुमार ने गुरुवार को अस्पताल पहुंचकर मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की।

एजेंसी

मांड्या। कर्नाटक के मांड्या जिले में स्थित लोकप्रिय पर्यटन स्थल मुथाठी में हुए दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के इकलौते जीवित बचे रवि ने गुरुवार को घटना की भयावह कहानी सुनाते हुए बताया कि कैसे कुछ ही मिनटों में उनका पूरा परिवार कावेरी नदी की तेज धारा में समा गया। बुधवार शाम हुए इस हादसे में विजयम्मा (50), श्वेता (38), चैत्रा (20), प्रियंका (28) और परिवार के चालक तथा करीबी मित्र महेश की मौत हो गई। सभी बेंगलुरु के बयादरहल्ली इलाके के निवासी थे। रवि ने मीडिया से बातचीत में

बताया कि परिवार के सदस्य कब्बाला में आयोजित विवाहोपरांत भोज कार्यक्रम (बीगरा ऊटा) में शामिल होने गए थे। वापसी के दौरान उन्होंने मुथाठी स्थित कब्बालम्मा मंदिर और मुथाठीराया मंदिर के दर्शन करने का निर्णय लिया। रवि ने बताया, 'मंदिर दर्शन के बाद हम नदी किनारे गए और पानी में खेल रहे थे। तभी मेरी बहन विजयम्मा का पैर फिसल गया और वह नदी में गिर गई। उन्हें बचाने के लिए मेरी पत्नी श्वेता, बेटी चैत्रा और बहन की बेटी प्रियंका नदी में उतर गई, लेकिन तेज बहाव में वे भी बह गईं। ' उन्होंने कहा कि परिवार के चालक और करीबी मित्र महेश भी तुरंत उन्हें बचाने के लिए नदी में कूद पड़े, लेकिन वह भी तेज धारा की चपेट में आ गए। रवि ने बताया, 'मैं भी उन्हें बचाने के लिए नदी में उतरा, लेकिन मैं भी बहाव में फंस गया। मेरा संतुलन बिगड़ गया और मैं डूबने लगा। सौभाग्य से वहां मौजूद कुछ लोगों ने मुझे बाहर निकाल लिया, लेकिन बाकी सभी लोग कावेरी नदी में बह गए। ' उन्होंने कहा कि पूरा हादसा कुछ ही मिनटों में घटित हो गया। रवि के अनुसार, 'बहन के नदी में गिरते ही पत्नी उन्हें बचाने दौड़ीं। फिर एक-एक कर अन्य लोग भी बचाव के लिए नदी में उतरते गए। मैंने अपना मोबाइल पास खड़े एक बच्चे को दिया और नदी में कूद पड़ा। मैं भी धारा में फंस गया था, लेकिन वहां मौजूद मछुआरों ने मुझे बचा लिया। ' घटना के बाद अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग की टीम ने अभियान चलाकर सभी पांच शवों को नदी से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए मांड्या इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमआईएमएस) अस्पताल भेजा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी में एफआईआर

ट्रस्टी अनिल मिश्रा के दो रिश्तेदार, चंपत के ड्राइवर टिन्नू समेत आठ नामजद

एजेंसी

नई दिल्ली । राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आखिरकार एफआईआर दर्ज कर ली गई। एसआईटी की रिपोर्ट शासन को सौंपे जाने के दो दिन बाद दर्ज हुए मुकदमे में ट्रस्ट के प्रभावशाली पदाधिकारियों से जुड़े लोगों के नाम सामने आने से मामला और गंभीर हो गया है। पुलिस ने आठ नामजद आरोपियों के

खिलाफ धोखाधड़ी, साजिश और चढ़ावा राशि की चोरी के आरोप में केस दर्ज कर जांच तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, छह जून को राम मंदिर के चढ़ावे में अनियमितता और चोरी का मामला उजागर हुआ था। प्रारंभिक स्तर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने खुद संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ की थी। बढ़ते विवाद के बीच 13 जून को एसआईटी गठित की गई, जिसने जांच पूरी कर मंगलवार को शासन को अपनी रिपोर्ट सौंपते हुए एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की थी।

इन आठ लोगों के नाम FIR में शामिल- ट्रस्टी कृष्ण मोहन की तहरीर पर अयोध्या के कोतवाली रामजन्मभूमि में मुकदमा दर्ज किया गया। एफआईआर में ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा के रिश्तेदार अनुकल्प मिश्रा और लवकुश मिश्रा, महासचिव चंपत राय के चालक रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू, गणना कर्मी मनीष यादव, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्र और गणना प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव को नामजद किया गया है। इसके अलावा कई अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से साजिश रचकर चढ़ावा राशि के साथ धोखाधड़ी की और धनराशि का गबन किया। पुलिस ने नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में आगे और लोगों की भूमिका सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाना इतिहास के साथ न्याय : नितिन नवीन

लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवाज उठाने वाले कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया था।

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को कहा कि दशकों तक आपातकाल के काले अध्याय को देश की सामूहिक स्मृति से मिटाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का फैसला करके इतिहास के साथ न्याय किया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नितिन नवीन ने लिखा, 'यह दिवस आपातकाल के दौरान हुई घटनाओं की याद दिलाता है और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के प्रति देश की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।' उन्होंने कहा, '12 जून 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित कर दिया था। इसके बाद राष्ट्रीय हित के बजाय सत्ता बचाने को प्राथमिकता दी गई। एक व्यक्ति की कुर्सी बचाने के लिए पूरे देश की आजादी को बंधक बना लिया गया और बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा स्थापित संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कुचलने की कोशिश की गई। '

नितिन नवीन ने दावा किया कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवाज उठाने वाले कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया था।

उन्होंने कहा, 'लोकतंत्र के समर्थन में आवाज उठाने वाले बड़ी संख्या में नेताओं और कार्यकर्ताओं को जेल में डाल दिया गया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी सहित हजारों लोकतंत्र सेनानियों को जेल भेज दिया गया। ' उन्होंने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर भारी दबाव डाला गया। प्रेस पर सेंसरशिप लगाई

गई, जबरन नसबंदी अभियान चलाए गए, मौलिक अधिकार छीन लिए गए और मीसा जैसे कानूनों के जरिए नागरिक स्वतंत्रताओं को दबाया गया। यह सिर्फ राजनीतिक संकट नहीं था, बल्कि लोकतंत्र पर सीधा हमला था। ' नितिन नवीन ने कहा कि सत्ता को पूरी तरह केंद्रित करने के उद्देश्य से संविधान में कई बदलाव किए गए। सत्ता को निरंकुश बनाने के लिए संविधान में कई संशोधन किए गए। न्यायपालिका की शक्तियों को सीमित करने की कोशिश हुई, लेकिन भारत की लोकतांत्रिक भावना को दबाया नहीं जा सका। उन्होंने आरोप लगाया, 'कश्मीर से कन्याकुमारी तक युवाओं और आम नागरिकों ने एकजुट होकर इस तानाशाही के खिलाफ संघर्ष किया और लोकतंत्र की बहाली का रास्ता तैयार किया। ' उन्होंने कहा, 'संघर्ष के उस दौर में युवा प्रचारक नरेंद्र मोदी गिरफ्तारी से बचते हुए भेष बदलकर आंदोलन का संदेश घर-घर पहुंचा रहे थे। राष्ट्रीय हित और लोकतंत्र की रक्षा को सर्वोपरि रखते हुए भारतीय जनसंघ ने अपने संगठन का जनता पार्टी में विलय कर दिया था। ' उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हजारों स्वयंसेवकों ने भूमिगत रहकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए काम किया, जबकि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने छात्र शक्ति को संगठित कर जनजागरण अभियान चलाया। त्याग, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की यह भावना भारतीय राजनीति का स्वर्णिम अध्याय है। ' नितिन नवीन ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि आपातकाल लगाने वाली पार्टी आज खुद को लोकतंत्र की सबसे बड़ी रक्षक बताने की कोशिश कर रही है। आज देश एक अजीब विडंबना देख रहा है। जिन्होंने लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला किया, वही आज खुद को उसका सबसे बड़ा रक्षक बताने की कोशिश कर रहे हैं।

मंदसौर में ट्रक के पीछे जा घुसी कार, चार की मौत, दो घायल

मंदसौर । मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां पर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर एक कार ट्रक के पीछे जा घुसी। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है, वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मिली जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के औरंगाबाद निवासी कार से दिल्ली की ओर जा रहे थे। कार में छह लोग सवार थे। इसी दौरान मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग वाहन के अंदर ही फंस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद करीब एक घंटे तक सभी लोग कार में फंसे रहे। आसपास से गुजर रहे राहगीरों और अन्य वाहन चालकों ने रुककर राहत कार्य शुरू किया तथा काफी मशक्कत के बाद घायलों और मृतकों को बाहर निकाला।सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से सभी को सीतामऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

'किसी का घर बम से नहीं उड़ने देंगे', संजय राउत के पत्र पर बोले मुख्यमंत्री फडणवीस

एजेंसी

नागपुर । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत द्वारा मुंबई पुलिस आयुक्त को लिखे गए पत्र पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राज्य में किसी को भी बम से घर उड़ाने या धमकियों के जरिए भय का माहौल बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'हम किसी का घर बम से उड़ने नहीं देंगे और किसी को भी ऐसी खोखली धमकियों से डरने की जरूरत नहीं है। यदि कोई धमकी दे रहा है तो पुलिस पूरी तरह सक्षम है और उसे करारा जवाब देगी।' उन्होंने कहा कि पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह सतर्क है और मामले में उचित एवं सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, शिवसेना (यूबीटी) के

सांसद संजय राउत ने मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती को पत्र लिखकर हाल ही में शिंदे गुट में शामिल हुए सांसद संजय दीना पाटिल के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज करने और उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है।राउत ने अपने पत्र में कहा कि नागरिकों को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से सवाल पूछने और विरोध दर्ज कराने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी छोड़कर गए छह सांसदों को राज्यभर में जनता के विरोध का सामना करना पड़ रहा है और इसी क्रम में संजय दीना पाटिल ने कथित तौर पर प्रदर्शनकारियों को धमकियां दी हैं।

नासिरनगर डिमोलिशन विवाद गहराया, कांग्रेस नेता ने मनपा प्रशासन को दी खुली चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। नासिरनगर क्षेत्र में हुए डिमोलिशन को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। इस मामले में कांग्रेस नेता एवं पूर्व पार्षद असलम साइकिलवाला ने नगर निगम प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कई सवाल खड़े किए हैं।
असलम साइकिलवाला का दावा है कि जिस जमीन पर नगर निगम ने कार्रवाई की, वह निगम की नहीं बल्कि पारसी समाज की संपत्ति है। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि संबंधित भूमि वास्तव में निगम की है और वहां सड़क प्रस्तावित है, तो प्रशासन को पूरा 40 फीट चौड़ा सड़क मार्ग बनाकर दिखाना चाहिए।
विवाद के बीच मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। मीडिया द्वारा पूछे गए सवालों पर SIT प्रमुख ने कोई विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं दी, जिससे जांच को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।
कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया है कि डिमोलिशन की कार्रवाई में कई प्रक्रियागत सवाल सामने आ रहे हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। वहीं दूसरी ओर प्रशासन की ओर से अब तक इन आरोपों पर कोई विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।
नासिरनगर डिमोलिशन प्रकरण अब राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। स्थानीय लोगों और विपक्षी दलों की मांग है कि भूमि स्वामित्व, कार्रवाई की वैधता और पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति जनता के सामने लाई जाए।

NEET विवाद पर सियासत तेज, शिक्षा मंत्री और विपक्ष आमने-सामने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर देशभर में राजनीतिक माहौल गर्माया हुआ है। इस मुद्दे पर विपक्षी दल केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय को घेर रहे हैं, जबकि सरकार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।विपक्षी दलों और छात्र संगठनों ने विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शन कर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई है। इस बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री Dharmendra Pradhan ने एक साक्षात्कार में कहा कि सरकार मामले को गंभीरता से ले रही है, लेकिन कुछ राजनीतिक दल इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास कर रहे हैं। मंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष Mallikarjun Kharge ने सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि परीक्षा से जुड़े विवादों ने लाखों छात्रों और उनके परिवारों की चिंताएं बढ़ाई हैं तथा युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई होनी चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और कथित पेपर लीक मामलों पर समयबद्ध कार्रवाई करने में सरकार विफल रही है। वहीं सरकार का दावा है कि जांच एजेंसियां पूरे मामले की जांच कर रही हैं और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। NEET विवाद को लेकर राजनीतिक बयानबाजी लगातार जारी है। अब सभी की निगाहें जांच प्रक्रिया और न्यायिक कार्यवाही पर टिकी हैं, जिससे छात्रों और अभिभावकों की चिंताओं का समाधान हो सके।

ऑनलाइन शॉपिंग फ्रॉडः 35 हजार के फोन की जगह निकला साबुन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक ग्राहक ने करीब 35,000 रुपये का स्मार्टफोन ऑर्डर किया, लेकिन डिलीवरी मिलने पर बॉक्स से मोबाइल की जगह कपड़े धोने का साबुन निकला। यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के जरिए सामने आई है। जानकारी के अनुसार, ग्राहक ने एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से महंगा स्मार्टफोन ऑर्डर किया था और डिलीवरी का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। जब डिलीवरी बॉक्स खोला गया तो उसमें मोबाइल फोन की जगह साबुन के टुकड़े मिलने से वह हैरान रह गया। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। यूजर्स ने ऑनलाइन कंपनियों की डिलीवरी प्रक्रिया और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। कई लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं ग्राहकों के भरोसे को कमजोर करती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे मामलों से बचने के लिए महंगे सामान पर 'ओपन बॉक्स डिलीवरी' का विकल्प चुनना चाहिए और पार्सल खोलते समय अनबॉक्सिंग वीडियो जरूर रिकॉर्ड करना चाहिए, ताकि किसी भी विवाद की स्थिति में सबूत उपलब्ध हो सके। फिलहाल यह मामला चर्चा में है और लोग ई-कॉमर्स कंपनियों से बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं।

एसजी हाईवे ट्रैफिक जाम पर बड़ा एक्शन प्लान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के सबसे व्यस्त मार्ग एसजी हाईवे पर बढ़ते ट्रैफिक जाम को लेकर अब प्रशासन एक्शन मोड में नजर आ रहा है। पल्लाडियम मॉल, कारगिल चौराहा और वैष्णोदेवी सर्कल जैसे हॉटस्पॉट्स पर रोजाना लगने वाले जाम से आम जनता परेशान है। इसी समस्या के समाधान के लिए राज्य के पुलिस प्रमुख G. S. Malik और अहमदाबाद म्युनिसिपल कमिश्नर Banchhanidhi Pani ने देर रात खुद एसजी हाईवे के विभिन्न ट्रैफिक प्वाइंट्स का दौरा किया। दोनों अधिकारियों ने मौके पर जाकर ट्रैफिक की स्थिति का निरीक्षण किया और समस्या को समझा। निरीक्षण के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन, सड़क डिजाइन सुधार और कुछ कट्स को बंद करने जैसे विकल्पों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि वाहनों के बढ़ते दबाव को देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार जरूरी है, ताकि लोगों का समय और ईंधन दोनों बच सके। प्रशासन का मानना है कि पुलिस, नगर निगम और अन्य एजेंसियों के संयुक्त प्रयास से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है।

करजण बना 'बिहार': विधायक अक्षय पटेल और 'चांडाल चौकड़ी' की अरबों की समानांतर सरकार

महानगर मेट्रो के एडिटर पवन माकन का गांधीनगर तक धमाका!

नर्मदा का सीना चीरकर रेत-मिट्टी का महाघोटाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गांधीनगर/बड़ोदरा/करजण। गुजरात मॉडल के कानून और व्यवस्था की धज्जियां उड़ाता एक ऐसा गंभीर मामला सामने आया है, जिसे सुनकर सत्ता के गलियारे दहल उठेंगे। बड़ोदरा जिले का करजण तालुका का पिंगरवाडा गांव आज अवैध खनन माफियाओं का सबसे बड़ा गढ़ बन चुका है। चौंकाने वाली और शर्मनाक बात यह है कि जनता के रक्षक कहे जाने वाले करजण के विधायक अक्षय पटेल और करजण नगरपालिका के सदस्य घुघा भरवाड़ उर्फ गोकुल भरवाड़ की मिलीभगत से मां नर्मदा नदी के सीने को चीरकर अरबों रुपये का अवैध रेत और मिट्टी खनन का काला खेल चल रहा है। मुख्यमंत्री के सीधे नियंत्रण में आने वाले खान एवं खनिज विभाग की नाक के नीचे चल रहे इस करोड़ों के भ्रष्टाचार के खिलाफ महानगर मेट्रो न्यूज पेपर के ग्रुप एडिटर पवन माकन ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। एडिटर पवन माकन ने गांधीनगर में खान एवं खनिज विभाग के कमिश्नर धवल पटेल और फ्लाइंग स्क्वाड के सामने खुद हाजिर होकर पुख्ता सबूतों के साथ पूरी लिखित शिकायत सौंप दी है। इस भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गांधीनगर में इस घोटाले की भनक लगते ही बड़ोदरा खान-खनिज विभाग के अधिकारी चावड़ा साहब बिना किसी को बताए 'बड़ोदरा के काम से' कहकर ऑफिस छोड़कर रफूचक्कर हो गए! अधिकारियों की यह भगदड़ ही साबित करती है कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है।

ED, ACB और PMO तक पहुंची शिकायतः बड़ोदरा कलेक्टर भी रडार पर!

यह सिर्फ कोई मामूली रेत चोरी नहीं है, बल्कि सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का चूना लगाने वाला एक संगठित आर्थिक महाघोटाला है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अब शिकायत की गूंज केवल खनिज विभाग तक सीमित नहीं रही हैः

1. एंटी करप्शन ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय में इस महाघोटाले के खिलाफ आधिकारिक लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है।

घुघो भरवाड़ करजन
नगर पालिका सदस्य

अक्षय पटेल
विधायक करजन

2. देश के प्रधानमंत्री कार्यालय को भी इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के लिए आधिकारिक दस्तावेज भेजे गए हैं।

3. बड़ोदरा कलेक्टर के समक्ष भी आमने-सामने की प्रस्तुति देकर पिंगरवाडा में तुरंत पैमाइश करने और करोड़ों की रॉयल्टी चोरी पकड़ने की मांग की गई है।

इस पूरे काले धंधे में 'भापजी ट्रांसपोर्ट' और 'राधे कृष्णा ट्रांसपोर्ट' नामक गाड़ियों का इस्तेमाल करके रॉयल्टी चोरी का एक बड़ा नेटवर्क चलाया जा रहा है, जिसकी सघन जांच की मांग आवेदन पत्र में की गई है।

विधायक की अरबों की बेनामी संपत्ति और घुघा भरवाड़ बना करजण का 'डॉन'!

करजण की जनता आज इस जुल्म से त्रस्त हो चुकी है। सीधा आरोप है कि अवैध खनन के काले पैसे को खा-खाकर करजण के विधायक अक्षय पटेल ने अरबों रुपये की बेनामी संपत्तियां खड़ी कर ली हैं। दूसरी तरफ, उनका खास गुर्गा घुघा भरवाड़ करजण का 'डॉन' बनकर घूम रहा है। पिंगरवाडा या करजण में यदि कोई भी इस अवैध खनन के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत करता है, तो ये गुंडा तत्व उसे बेरहमी से पीटते हैं। हैरत की बात तो यह है कि इन रसूखदार गुंडों के डर और राजनीतिक दबाव के कारण स्थानीय पुलिस भी पीड़ितों की शिकायत दर्ज नहीं करती!

अधिकारी एसी केबिनों में बंद, फोन उठाने से भी कतरा रहे हैं!

सरकारी तंत्र किस कदर इस भ्रष्टाचार के अंधे पैसे के आगे अंधा और बहरा बना हुआ है, इसका जीता-जागता सबूत यह है कि करजण के तहसीलदार और करजण तालुका के एसडीएम शिवम बारिया के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। आम जनता या मीडिया जब इस महाघोटाले पर सवाल पूछने के लिए फोन करती है, तो एसडीएम शिवम बारिया फोन उठाने की जहमत तक नहीं उठाते। पैसे के जोर ने इस पूरी प्रशासनिक मशीनरी को पंगु बना दिया है।

'चांडाल चौकड़ी' की गुंडागर्दीः शराब, जुआ और पंचायत में 1% कमीशन फिक्स!

अक्षय पटेल, घुघा भरवाड़ उर्फ गोकुल भरवाड़, ऋषि पटेल और पार्थ शाह... इन चार नामों की 'चांडाल चौकड़ी' ने पूरे करजण तालुका को बंधक बना रखा है। करजण में सिर्फ रेत-मिट्टी की चोरी ही नहीं होती, बल्कि अवैध शराब के अड्डे और जुआघर भी बेधड़क चलते हैं। पीडब्ल्यूडी और तालुका पंचायत के छोटे से छोटे विकास कार्यों में भी इस चौकड़ी द्वारा '1' का फिक्स कमीशन' वसूला जाता है। हद तो तब हो गई जब बेजुबान मवेशियों के चरने के लिए छोड़ी गई सरकारी 'गौचर भूमि' को भी इन माफियाओं ने नहीं बख्शा, वहां भी रातभर जेसीबी चलाकर मिट्टी खोद डाली गई। सरकारी नियमों के मुताबिक शाम 6 बजे के बाद किसी भी तरह के खनन की अनुमति नहीं होती, फिर भी ये माफिया पूरी रात हिताची और भारी 'बाज़ मशीनों' के जरिए नर्मदा का पेट चीर रहे हैं। वर्तमान में अवैध रूप से करीब 50 लाख टन रेत का स्टॉक जमा कर लिया गया है।

मरणशैया पर मां नर्मदाः अब हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा 'महानगर मेट्रो'

नदी के तल से अवैध रूप से रेत खींचने वाली इन भारी 'बाज़ मशीनों' (सक्शन मशीनों) को चलाने की अनुमति बड़ोदरा खान-खनिज विभाग ने किस नियम के तहत दी? इसके कारण आज क्षेत्र की जीवनदायिनी मां नर्मदा का जलस्तर खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है और पर्यावरण का पूरी तरह से कत्लेआम हो चुका है। जिले की पुलिस और स्थानीय ट्रैफिक पुलिस भी इस हफ्ताखोरी के खेल में पूरी तरह संलिप्त है।

सरकार को खुला अल्टीमेटम

अगर गांधीनगर में बैठी सरकार इस अरबों रुपये के खेल पर तुरंत कड़ा संज्ञान नहीं लेती और भ्रष्ट विधायक तथा अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं करती, तो 'महानगर मेट्रो न्यूज' इस पूरे मामले को गुजरात हाई कोर्ट में लेकर जाएगा। हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर कर इस पूरे महाघोटाले की निष्पक्ष जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के गठन की मांग की जाएगी। सरकारी खजाने और प्रकृति को लूटने वाले चाहे कितने भी रसूखदार क्यों न हों, उन्हें बेनकाब करके ही दम लिया जाएगा!

इडर की श्री के.एम. पटेल विद्यामंदिर में शाला प्रवेशोत्सव एवं कन्या केलवणी महोत्सव का आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। इडर की श्री के.एम. पटेल विद्यामंदिर में 23 तारीख को धोरन 9 और धोरन 11 के शाला प्रवेशोत्सव तथा कन्या केलवणी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धोरन 9 में प्रवेश लेने वाले 193 विद्यार्थी तथा धोरन 11 (विज्ञान और सामान्य प्रवाह) के 343 विद्यार्थी सहित कुल 536 विद्यार्थियों का शाला प्रवेशोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सचिवालय, गांधीनगर के ट्राइबल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के अंडर सेक्रेटरी दिग्विजयसिंह कुपावात उपस्थित रहे। इसके अलावा दशभाई सुतरिया (लाइजनिंग ऑफिसर), जयेशभाई प्रजापति (टी.पी.ओ), राकेशभाई पटेल (सी.आर.सी), आरिफभाई (बी.आर.सी), ईडर, तथा मंडल के मंत्री अनिलभाई पटेल और प्रकाशभाई पटेल भी मौजूद रहे। इस अवसर पर ज्ञान साधना, एनएमएमएस परीक्षा एवं अन्य सार्वजनिक परीक्षाओं में मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शैक्षणिक किट देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की सफलता में

शाला परिवार, शिक्षकों हेमेन्द्रभाई पटेल, कल्पेशभाई पटेल, सी.एम. सोलंकी, आचार्य पी.के. पटेल और सुपरवाइजर ए.जी. मोमी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन कक्षा 11 के विद्यार्थियों हेतल पटेल और थुड़ी क्रिश द्वारा किया गया।

भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरी भरूच की पारखेठ ग्राम पंचायत, गौचर भूमि से लेकर पंचायत के नए भवन तक गड़बड़ियों की जांच की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। तालुका की पारखेठ ग्राम पंचायत एक बार फिर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के घेरे में आ गई है। गांव के एक जागरूक नागरिक ने जिला कलेक्टर सहित कई सरकारी विभागों में लिखित आवेदन देकर पंचायत की सभी कार्यवाहियों की उच्चस्तरीय जांच कराने और जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि पंचायत द्वारा गौचर भूमि पर आरसीसी रोड का निर्माण किया गया है, साथ ही वहां कथित अवैध अतिक्रमण भी मौजूद होने के बावजूद कार्य किया गया। शिकायतकर्ता ने पंचायत द्वारा किए गए सभी प्रस्तावों, एस्टीमेट, वर्क

ऑर्डर और संबंधित अधिकारियों की मंजूरी जैसे दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की है। इसके अलावा एनए किए गए प्लॉटों में पंचायत द्वारा सड़क, पानी की लाइन और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के भी आरोप लगाए गए हैं, जिससे इन कार्यों की लागत और अनुमति प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप यह भी है कि ग्राम पंचायत के नए भवन के निर्माण में भी गंभीर अनियमितताएं की जा रही हैं। निर्माण में घटिया गुणवत्ता की सामग्री के उपयोग, तकनीकी मानकों की अनदेखी, पानी का उचित छिड़काव न करने और जल्दबाजी में काम पूरा करने जैसी शिकायतें की गई हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका है। इससे पहले भी इस

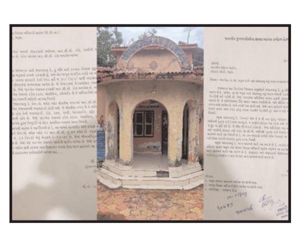

मामले में विभिन्न स्तरों पर शिकायतें की गई थीं, जिनके बाद जिला विकास अधिकारी को जांच के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अब तक संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई है। अब एक बार फिर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई गई है। हालांकि, अभी तक किसी भी सरकारी विभाग द्वारा इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है और मामला जांच के अधीन है।

जांजगीर-चांपा में वायरल वीडियो पर हंगामा, शिक्षक-शिक्षिका पर जांच के आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव/जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ ब्लॉक से एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। वीडियो में एक शिक्षक और एक महिला शिक्षिका को स्कूल परिसर में संदिग्ध और आपत्तिजनक स्थिति में दिखाए जाने का दावा किया जा रहा है, जिसके बाद मामला गंभीर हो गया है। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों और शिक्षा जगत में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। लोग इसे शिक्षकों की गरिमा और स्कूल अनुशासन से जोड़कर देख रहे हैं। वहीं, शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। जांजगीर-चांपा जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से बताया गया है कि वायरल वीडियो की सत्यता की जांच के लिए एक जांच समिति गठित कर दी गई है। समिति को निर्देश दिए गए हैं कि वह पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट सौंपे, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संबंधित शिक्षक और शिक्षिका पर लगे आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही की जाएगी। फिलहाल विभाग ने किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है।

पीटीसी कॉलेज रोड पर रात के अंधेरे में अवैध मिट्टी खनन का बड़ा खेल उजागर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इडर। खनन माफियाओं के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और प्रशासन की कथित ढिलाई के बीच बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खनन का मामला सामने आया है। पीटीसी कॉलेज रोड, लालोडा क्षेत्र और कुमारी छात्रालय के पास रात के समय अवैध रूप से मिट्टी खनन का खेल खुलेआम चल रहा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रात होते ही जेसीबी मशीनें सक्रिय हो जाती हैं और बिना किसी रॉयल्टी या अनुमति के हजारों टन मिट्टी की खुदाई की जा रही है। इस अवैध मिट्टी को ओवरलोड डंपरों में भरकर इडर-हिम्मतनगर रोड पर स्थित शीत केंद्र के पास एक कॉलोनी में पहुंचाया जा रहा है। यह ओवरलोड डंपर न केवल सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि रात के समय सड़क से गुजरने वाले आम लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन गए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह पूरा अवैध कारोबार खनन विभाग और प्रशासन की जानकारी के बिना संभव है, या फिर किसी मिलीभगत के कारण इस पर कार्रवाई नहीं हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे माफियाओं के हौसले और ज्यादा बुलंद हो गए हैं।

संक्षिप्त न्यूज

बगदाणा मंदिर चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। बगदाणा मेलाड़ी माता मंदिर में एक चोर श्रद्धालु बनकर घुसा और दर्शन के बाद गर्भगृह से चांदी के 7 छत्र चोरी कर फरार हो गया। पूरी वारदात CCTV में कैद हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं, सिर्फ यात्रा दस्तावेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, बल्कि यह सिर्फ विदेश यात्रा के लिए जारी किया जाने वाला दस्तावेज होता है। भारतीय नागरिकता का वास्तविक प्रमाण नागरिकता प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र या नैचुरलाइजेशन सर्टिफिकेट माना जाता है। आधार कार्ड और पासपोर्ट केवल पहचान और सेवाओं से जुड़े दस्तावेज हैं।

एमपी सीएम मोहन यादव पर जमीन खरीद को लेकर विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री उनके परिवार पर उज्जैन के आसपास जमीन खरीद को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके परिवार ने करीब 168 एकड़ जमीन के कई प्लॉट खरीदे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह जमीन खरीद उज्जैन और आसपास उन क्षेत्रों में हुई है.

राजकोट मनपा में 27 लाख की मिठाई बिल पर हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट नगर निगम के जनरल बोर्ड से पहले 27.20 लाख रुपये की काजू कतरी और खजूर रोल के बिल को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष ने इसे भ्रष्टाचार का आरोप बताते हुए हंगामा किया। आरोप है कि बैठकों और कार्यक्रमों में मंगाई गई मिठाई पर जनता के टैक्स का पैसा खर्च हुआ है। विपक्ष ने जांच की मांग की है, जबकि सत्तापक्ष ने इसे प्रोटोकॉल खर्च बताया है।

वडोदरा में चोरों का आतंक, 5 घरों में चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। मकरपुरा स्थित ग्रीन पार्क सोसाइटी में देर रात चोरों ने धावा बोलते हुए एक ही रात में 5 घरों के ताले तोड़ दिए और नकदी-कीमती सामान चोरी कर लिया। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि चोर एसआरपी ग्रुप-9 की दीवार कूदकर सोसाइटी में घुसे। पूरी वारदात CCTV में कैद हो गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महेसाणा मनपा की पहली बैठक में हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महेसाणा। महेसाणा नगर निगम की पहली सामान्य सभा में बड़ा विवाद खड़ा हो गया, जब भाजपा के एक पदाधिकारी ने कथित तौर पर निगम कमिश्नर को बैठक से बाहर जाने को कह दिया। आरोप है कि चालू बैठक के दौरान पार्टी का आंतरिक काम करने के लिए यह कदम उठाया गया। इस घटना पर विपक्ष ने लोकतांत्रिक मर्यादा के उल्लंघन का आरोप लगाया है। मामले से प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है।मामले से प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है।

दहेज GIDC में Continental Carbon कंपनी के कर्मचारियों के समर्थन में 100 से अधिक लोग पहुंचे कलेक्टर कार्यालय

भेदभाव के आरोपों की जांच की मांग, 15 दिन में कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वागरा। दहेज GIDC स्थित Continental Carbon Eco Technology Pvt. Ltd. कंपनी के स्थानीय कर्मचारियों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर 100 से अधिक स्थानीय लोग, कर्मचारी और सरपंच जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित शिकायतों, कार्यस्थल पर मानसिक प्रताड़ना, भेदभाव और शिकायतों के निपटारे में देरी के बावजूद कंपनी प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। ज्ञापन में बताया गया कि ॥क्र विभाग को पहले भी कई बार लिखित शिकायतें और सबूत दिए गए, लेकिन उनका समाधान नहीं हुआ। कर्मचारियों ने इंस्ट्रूमेंट विभाग के मैनेजर विनोद उपाध्याय पर मानसिक प्रताड़ना और भेदभाव के आरोप लगाए हैं। वहीं इंस्ट्रूमेंट एंड इलेक्ट्रिकल HOD दीपकभाई पटेल पर भी दबाव और धमकी जैसे व्यवहार के आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा ॥क्र अधिकारी ललितभाई परमार पर शिकायतों के निपटारे में लापरवाही का आरोप लगाया गया है, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों में असंतोष और तनाव का माहौल है। स्थानीय लोगों और सरपंचों ने कहा कि उनका कंपनी के विकास से कोई विरोध नहीं है, लेकिन कर्मचारियों को न्याय और उनके अधिकार मिलना जरूरी है। उन्होंने जिला कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि 15 दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो गांधीवादी तरीके से शांतिपूर्ण आंदोलन किया जाएगा।

वडोदरा के फुटपाथ पुस्तक विक्रेता 'प्रदीपभाई' का निधन, साहित्य प्रेमियों में शोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। संस्कारी नगरी वडोदरा के सेफ्रॉन सर्कल के पास फुटपाथ पर किताबें बेचकर जीवन जीने वाले 'प्रदीपभाई' अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके निधन की खबर से शहर के पुस्तक प्रेमियों और नियमित पाठकों में गहरा शोक फैल गया है। वे सिर्फ एक पुस्तक विक्रेता नहीं, बल्कि ज्ञान और सकारात्मक सोच फैलाने वाले एक प्रेरक व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते थे। राजस्थान के एक गरीब परिवार से आने वाले प्रदीपभाई बचपन में शारीरिक रूप से विकलांगता का शिकार हो गए थे, लेकिन उन्होंने कभी इसे अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। संघर्षपूर्ण जीवन के बावजूद उन्होंने किताबों को अपना साथी बनाया और वडोदरा की फुटपाथ को ही अपना संसार बना लिया। उनके पास मौजूद किताबों का संग्रह सिर्फ बिक्री के लिए नहीं था, बल्कि वे स्वयं उन सभी पुस्तकों को पढ़ चुके थे। मुराकामी, पाउलो कोएलो और सिडनी शेल्डन जैसे विश्व प्रसिद्ध लेखकों की किताबों पर उनकी गहरी पकड़ थी। वे ग्राहकों को किताबें बेचने से पहले उनके बारे में विस्तार से बताते थे, जिससे कई युवा उनके विचारों से प्रेरित होकर नियमित पाठक बन गए। उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा। वडोदरा में आई बाढ़ के दौरान उनकी किताबों का बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। कोविड लॉकडाउन के दौरान आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने किताबों से अपना जुड़ाव बनाए रखा और बेहद कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन किया। प्रदीपभाई की सबसे बड़ी विशेषता उनकी निस्वार्थ भावना थी। कहा जाता है कि उन्होंने अपने भतीजे को गोद लेकर उसकी पढ़ाई के लिए बैंक से लोन लिया, उसे दिल्ली पढ़ने भेजा और खुद फुटपाथ पर रहकर उसकी पढ़ाई का खर्च उठाया। बाद में वही भतीजा एक सरकारी अधिकारी बन गया। आज प्रदीपभाई भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वडोदरा की साहित्यिक दुनिया में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। सेफ्रॉन सर्कल की वह फुटपाथ, जहां वे किताबों का संसार सजाते थे, अब खाली जरूर है, लेकिन उनकी प्रेरक कहानी हमेशा लोगों को प्रेरित करती रहेगी।

कच्छ में नकली विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, बड़े नेटवर्क की जांच शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भुज। कच्छ जिले में पुलिस ने एक बड़ी और चौंकाने वाली कार्रवाई करते हुए नकली विदेशी शराब बनाने वाली अवैध फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में लाखों रुपये का सामान जब्त किया गया है और मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह मामला सामने आने के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है, क्योंकि ड्राय स्टेट गुजरात में इस तरह का संगठित अवैध कारोबार लंबे समय से पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। पुलिस को इस अवैध गतिविधि की जानकारी एक गुप्त सूचना के जरिए मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की। जैसे ही टीम मौके पर पहुंची, वहां का दृश्य देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। फैक्ट्री के अंदर बड़े पैमाने पर नकली विदेशी शराब बनाने का पूरा सेटअप तैयार किया गया था। यहां ब्रांडेड कंपनियों की तरह दिखने वाली शराब की बोतलें तैयार की जा रही थीं, जिनमें सस्ते केमिकल और अल्कोहल का मिश्रण भरकर उन्हें असली शराब जैसा रूप दिया जाता था। छापेमारी के दौरान पुलिस को भारी मात्रा में खाली बोतलें, अलग-अलग ब्रांड्स के नकली लेबल, ढक्कन लगाने की मशीनें, सीलिंग उपकरण और पैकिंग सामग्री बरामद हुई। इसके अलावा बड़ी मात्रा में केमिकल ड्रम, फ्लेवर एसेंस और अन्य कच्चा माल भी जब्त किया गया। प्रारंभिक जांच में यह साफ हुआ कि आरोपी लंबे समय से इस अवैध धंधे को बेहद सुनियोजित तरीके से चला रहे थे। पुलिस के अनुसार यह गिरोह नकली शराब तैयार कर उसे असली ब्रांड के नाम पर बाजार में सप्लाई करता था। इस धंधे में उन्हें भारी मुनाफा होता था, क्योंकि सस्ती सामग्री से बनी शराब को महंगे दामों में बेचा जाता था। इससे न केवल सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा था, बल्कि आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ भी गंभीर खिलवाड़ किया जा रहा था। नकली शराब के सेवन से गंभीर बीमारी और जान का खतरा भी बना रहता है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से तैयार नकली विदेशी शराब की कई बोतलें भी जब्त की हैं। साथ ही एक वाहन को भी कब्जे में लिया गया है, जिसका उपयोग सप्लाई के लिए किया जाता था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ एक छोटी कड़ी हो सकती है और इसके पीछे एक बड़ा नेटवर्क सक्रिय होने की आशंका है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों से लगातार पूछताछ की जा रही है। उनसे यह जानने की कोशिश की जा रही है कि इस फैक्ट्री को चलाने में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

अवैध कबाड़ कारोबारियों के विरुद्ध थाना बागनदी की प्रभावी कार्यवाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर तथा अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगढ़ केशरीनंदन नायक के मार्गदर्शन में थाना बागनदी द्वारा जिले में अवैध कबाड़ कारोबारियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 24.06.2026 को थाना बागनदी पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि एक लीलैंड 16 चक्का ट्रक वाहन क्रमांक ष्ट्त 04 JD 6297 में बड़ी मात्रा में कबाड़ सामग्री परिवहन की जा रही है। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा वाहन को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान ट्रक में साइकिल कटिंग, लोहे की चादरें, विभिन्न आकार के सरिया एवं नट-बोल्ट सहित अन्य कबाड़ सामग्री पाई गई। उक्त सामग्री के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर ट्रक एवं कबाड़ सामग्री को जप्त किया गया। जप्त संपत्ति की कुल अनुमानित कीमत ?11,50,000 (ग्यारह लाख पचास हजार रुपये) है।वाहन चालक अतुल मिश्रा, पिता ललन प्रसाद मिश्रा, उम्र 55 वर्ष, निवासी दमोह नाका, इमली पेड़ के पास, थाना एवं जिला जबलपुर (मध्यप्रदेश) को पूछताछ किया गया जो राजनांदगांव छ0ग0 से कबाडी सामान भरकर नागपुर महाराष्ट्र ले जाना बताया जिसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई है।

बागनदी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध कबाड़ से भरा ट्रक जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। जिले की बागनदी पुलिस ने अवैध कबाड़ कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक 16 चक्का ट्रक सहित करीब 11.50 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ट्रक में भारी मात्रा में कबाड़ सामग्री अवैध रूप से परिवहन की जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने वाहन को रोककर जांच की। जांच के दौरान ट्रक में साइकिल कटिंग, लोहे की चादरें, सरिया, नट-बोल्ट सहित विभिन्न प्रकार का कबाड़ पाया गया। पुलिस के अनुसार, चालक से जब इन सामग्रियों से जुड़े वैध दस्तावेज मांगे गए तो वह प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने ट्रक और कबाड़ सामग्री को जब्त कर लिया। जब्त संपत्ति की कुल अनुमानित कीमत 11 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। वाहन चालक की पहचान अतुल मिश्रा, निवासी जबलपुर (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि वह कबाड़ सामग्री राजनांदगांव से नागपुर (महाराष्ट्र) ले जा रहा था। इस कार्रवाई में थाना बागनदी पुलिस टीम का विशेष योगदान रहा। पुलिस ने बताया कि अवैध कबाड़ कारोबार के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

महिला एवं बाल सुरक्षा कानूनों को लेकर राजनांदगांव रेंज में एक दिवसीय वृहद कार्यशाला, 85 महिला पुलिसकर्मियों को मिला विशेष प्रशिक्षण,

राजनांदगांव रेंज पुलिस द्वारा आयोजित कार्यशाला में महिला विवेचकों को संवेदनशील जांच, वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन, साइबर अपराध से बचाव और कानूनी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की विवेचना मे गुणवत्ता सुधार तथा प्रकरणों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव श्री बालाजी राव द्वारा रेंज के महिला विवेचकों एवं कर्मचारियों हेतु एक कार्यशाला का आयोजन कराया गया। कार्यशाला में जिले के विभिन्न थाना एवं इकाइयों में पदस्थ महिला विवेचकों को महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध घटित अपराधों से संबंधित प्रकरणों की विवेचना में अपनाई जाने वाली विधिक प्रक्रियाओं, साक्ष्य संकलन, पीड़िता के प्रति संवेदनशील व्यवहार, चिकित्सकीय एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के महत्व तथा न्यायालयीन प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए विवेचना में होने वाली सामान्य त्रुटियों एवं उनके निराकरण के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही विवेचकों को प्रकरणों की गुणवत्तापूर्ण विवेचना कर दोषियों के विरुद्ध प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न प्रकरणों से संबंधित जिज्ञासाओं एवं व्यावहारिक समस्याओं पर चर्चा की गई, जिनका विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा समाधान किया गया। पुलिस महानिरीक्षक महोदय ने महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऐसे प्रकरणों में संवेदनशील, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित करने पर बल दिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी विवेचकों ने कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए प्राप्त मार्गदर्शन को अपने दैनिक कार्य में लागू करने का संकल्प लिया। प्रशिक्षण में श्री परवेज अख्तर अधिवक्ता राजनांदगांव, श्रीमती गौरी चक्रवर्ती अधिवक्ता दुर्ग, द्वारा महिला व और बच्चों से संबंधित अपराध एवं पोक्सो एक्ट की विवेचना के संबध में बताया, उपनिरीक्षक डॉक्टर संकल्प राय दुर्ग द्वारा महिला व बच्चो पर घटित साइबर अपराध के बारे में जानकारी देते हुए बचाव के उपाय बताए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्री बालाजी राव पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज द्वारा ह्युमन ट्रैफिकिंग एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित जानकारी प्रदान दी गई। कार्यक्रम में कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज से उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती नवी मोनिका पांडे, एसडीओपी डोंगरगाँव श्रीमती मंजूलता बाज, एसडीओपी खैरागढ़ श्रीमति आशारानी, उप पुलिस अधीक्षक मोहला श्रीमती नेहा पवार सहित राजनांदगांव रेंज के चारों जिलों से 04 उपनिरीक्षक, 06 सहायक उप निरीक्षक, 12 प्रधान आरक्षक और 60 महिला आरक्षक कुल 85 महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों ने कार्यशाला में अपनी सहभागिता दी।

अंकलेश्वर में कथित सीजरों की दबंगई का आरोप, वाहन चालक से अभद्रता की शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। औद्योगिक शहर अंकलेश्वर में फाइनेंस कंपनियों से जुड़े कथित सीजरों की कार्यशैली को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 जून 2026 को राजपीपला चौकड़ी के पास से गुजर रहे एक वाहन चालक को कुछ अज्ञात लोगों ने रोक लिया और उसका पीछा करते हुए अमरतपरा पाटिया क्षेत्र तक ले गए। पीड़ित का आरोप है कि संबंधित लोगों ने खुद को वाहन जब्ती एजेंट बताते हुए दबाव बनाया और बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया का पालन किए कार्रवाई की। मामले को लेकर यह भी आरोप लगाया गया है कि वाहन चालक को न तो कोई लिखित नोटिस दिया गया और न ही संबंधित व्यक्तियों ने अपनी अधिकृत पहचान या आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए।

प्रकृति फाउंडेशन ने झालोद उप जिला अस्पताल को भेंट की डेंटल एक्स-रे मशीन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। जिले के झालोद स्थित उप जिला अस्पताल को प्रकृति फाउंडेशन द्वारा आधुनिक डेंटल एक्स-रे मशीन भेंट की गई है। इस नई सुविधा से क्षेत्र के मरीजों को दंत रोगों के बेहतर और त्वरित उपचार का लाभ मिलेगा। झालोद उप जिला अस्पताल आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। अस्पताल में सामान्य चिकित्सा, आपातकालीन सेवाएं, प्रसूति, सर्जरी, दंत चिकित्सा तथा विभिन्न स्वास्थ्य जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। ऐसे में डेंटल विभाग को मिली यह नई मशीन स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाएगी। अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार आधुनिक तकनीक से लैस यह मशीन दांतों से संबंधित रोगों के निदान में अधिक सटीकता और तेजी प्रदान करेगी। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पुराने एक्स-रे उपकरणों की तुलना में बहुत कम रेडिएशन उत्सर्जित करती है, जिससे मरीजों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। अस्पताल में लगातार आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार से झालोद और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो रही हैं।

राम मंदिर भूमि मामले में संजय सिंह ने SIT को सौंपे 11 दस्तावेज, जांच की रफ्तार पर उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए खरीदी गई भूमि से जुड़े कथित अनियमितताओं के मामले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने विशेष जांच दल के समक्ष अपने पक्ष के दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने दावा किया कि SIT प्रमुख से हुई संक्षिप्त मुलाकात के दौरान उन्होंने मामले से जुड़े 11 महत्वपूर्ण दस्तावेज सौंपे। मीडिया से बातचीत में संजय सिंह ने जांच प्रक्रिया की गति पर सवाल उठाते हुए कहा कि मामले से संबंधित कई तथ्य और दस्तावेज सार्वजनिक रूप से सामने आने के बावजूद अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। उन्होंने जांच एजेंसियों से पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की। संजय सिंह का आरोप है कि भूमि खरीद-बिक्री प्रक्रिया में कीमतों में असामान्य वृद्धि हुई और इससे जुड़े कुछ पहलुओं की गहन जांच आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर निर्माण के लिए श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए चंदे के उपयोग को लेकर उठे सवालों का स्पष्ट जवाब मिलना चाहिए। हालांकि, मामले में संबंधित पक्षों द्वारा पूर्व में इन आरोपों को खारिज किया जाता रहा है। फिलहाल यह मामला जांच के दायरे में है और सभी पक्षों के दावों की पुष्टि जांच एजेंसियों की रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। अब निगाहें SIT की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं कि प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है।

राशिफल

26 जून 2026, शुक्रवार

आज का दिन चंद्रमा के प्रभाव से कई राशियों के लिए नए अवसर, तो कुछ के लिए धैर्य और संयम की परीक्षा लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र, धन, प्रेम और स्वास्थ्य के मामलों में मिला-जुला प्रभाव रहेगा। आइए जानते हैं सभी 12 राशियों का दैनिक राशिफल—

मेष राशि
आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन जल्दबाजी से बचें।

वृषभ राशि
धन लाभ के योग बन रहे हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात संभव है।

मिथुन राशि
कार्य में व्यस्तता बढ़ सकती है। नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। सेहत का ध्यान रखें और तनाव से बचें।

कर्क राशि
आज का दिन शुभ रहेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी।

सिंह राशि
आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के संकेत हैं। खर्चों पर नियंत्रण जरूरी है।

कन्या राशि
परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। यात्रा के योग बन सकते हैं।

तुला राशि
व्यापार में लाभ के संकेत हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। किसी बड़े निर्णय से पहले सोच-विचार करें।

वृश्चिक राशि
आज मिश्रित परिणाम मिलेंगे। काम में रुकावट आ सकती है, लेकिन धैर्य से सफलता मिलेगी।

धनु राशि
भाग्य आपका साथ देगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

मकर राशि
कार्यस्थल पर जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। मेहनत का फल मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ राशि
नए विचार और योजनाएं बनेंगी। आर्थिक लाभ संभव है। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मीन राशि
आज का दिन सामान्य रहेगा। भावनात्मक निर्णय लेने से बचें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

मादक पदार्थों का बढ़ता साम्राज्य और सिमटते सपने

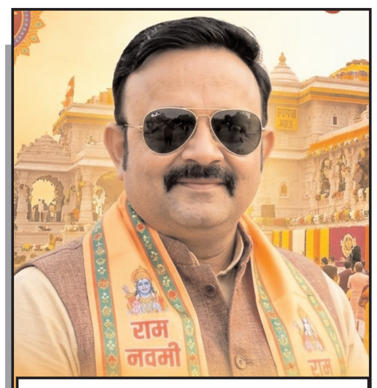
पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस हमें यही संदेश देता है कि नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक दिन का अभियान नहीं बल्कि सतत सामाजिक आंदोलन है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो सबसे पहले उसकी युवा शक्ति को नशे के अंधकार से मुक्त करना होगा। देश की युवा सोच पर लगा यह ग्रहण तभी हटेगा, जब सरकार, समाज, परिवार और स्वयं युवा मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे।

ड्रग्स के दलदल में धंसती युवा पीढ़ी...

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के सपनों, ऊर्जा और सृजनशीलता पर निर्भर करता है लेकिन जब यही युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आने लगे तो यह केवल एक सामाजिक समस्या नहीं रह जाती बल्कि राष्ट्रीय संकट का रूप धारण कर लेती है। आज भारत सहित दुनिया के अनेक देशों के सामने यही चुनौती खड़ी है। युवाओं की प्रतिभा, उनकी सोच, उनकी रचनात्मकता और उनके भविष्य पर नशे का ऐसा ग्रहण लग रहा है, जो न केवल परिवारों को बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भीतर से खोखला कर रहा है। इसी गंभीर चुनौती के प्रति वैश्विक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि पूरी मानवता को चेताने का अवसर है कि यदि नशे के बढ़ते दुष्चक्र को समय रहते नहीं रोका गया तो इसके परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतने पड़ेंगे।

भारत में नशे की समस्या अब महानगरों तक सीमित नहीं रही। यह गांवों, कस्बों, छोटे शहरों और यहां तक कि स्कूलों तथा कॉलेजों तक पहुंच चुकी है। कभी माना जाता था कि नशीले पदार्थों का सेवन केवल संपन्न वर्ग या शहरी संस्कृति की समस्या है लेकिन आज वास्तविकता इससे कहीं अधिक भयावह है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन, सिंथेटिक ड्रग्स और इंजेक्शन के माध्यम से लिए जाने वाले नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। यह स्थिति बताती है कि नशे का नेटवर्क अब समाज की हर परत तक पहुंच चुका है। आज का युवा अनेक प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी, सामाजिक अपेक्षाएं, पारिवारिक तनाव, मानसिक अवसाद, अकेलापन और त्वरित सफलता की चाह उसे भीतर से कमजोर बना रही है। ऐसे में नशे के सौदागर युवाओं की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाकर उन्हें अपने जाल में फंसा लेते हैं। कई बार मित्रों का दबाव, आधुनिक दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या क्षणिक सुख का आकर्षण युवाओं को नशे की ओर धकेल देता है। शुरूआत अक्सर जिज्ञासा से होती है लेकिन धीरे-धीरे यही जिज्ञासा लत और फिर विनाश का कारण बन जाती है।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने जहां ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, वहीं नशे के कारोबार को भी नए साधन उपलब्ध कराए हैं। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्स और डार्क वेब के माध्यम से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पहले से कहीं अधिक आसान हो गई है। अब नशे का सौदा किसी सुनसान गली तक सीमित नहीं बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन तक पहुंच चुका है। यही कारण है कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में नशे की पहुंच चिंताजनक रूप से बढ़ती जा रही है। आज देश के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों की उपलब्धता को लेकर समय-समय पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। यह विडंबना ही है कि जिन परिसरों में देश के भविष्य का निर्माण होना चाहिए, वहां कुछ युवा अपने भविष्य को स्वयं नष्ट करने की राह पर बढ़ रहे हैं। आधुनिकता और स्वतंत्रता की गलत व्याख्या ने भी इस समस्या को बढ़ाया है। कई युवाओं को यह भ्रम होता है कि नशा उन्हें अधिक आत्मविश्वासी, रचनात्मक और आधुनिक बनाता है, जबकि वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। नशा व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को धीरे-धीरे समाप्त कर देता है। उसकी निर्णय लेने की शक्ति कमजोर हो जाती है, स्मरणशक्ति प्रभावित होती है, एकाग्रता घटती है और मानसिक संतुलन बिगड़ने लगता है। जो युवा अपने जीवन में बड़े सपने लेकर आगे बढ़ता है, वही नशे की गिरफ्त में आकर अपनी प्रतिभा और संभावनाओं को स्वयं नष्ट कर देता है। यही कारण है कि नशे को केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि मानव संसाधन के विनाश की समस्या माना जाता है।

नशीले पदार्थों का सबसे घातक प्रभाव यह है कि वे व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों से गुलाम बना देते हैं। एक बार लत लग जाने पर व्यक्ति उसी प्रभाव को बनाए रखने के लिए लगातार अधिक मात्रा में नशा लेने लगता है। परिणामस्वरूप उसका शरीर कमजोर होने लगता है, भूख कम हो जाती है, वजन घटता है, आंखें लाल रहने लगती हैं, नींद प्रभावित होती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। कई मामलों में व्यक्ति आत्मघाती प्रवृत्तियों का शिकार भी हो जाता है। इंजेक्शन के माध्यम से नशा करने वालों के सामने खतरा और भी गंभीर होता है। एक ही सुई के बार-बार उपयोग से एचआईवी, हेपेटाइटिस और अन्य संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन जाता है।

नशे का अवैध व्यापार दुनिया के सबसे लाभकारी अपराधों में शामिल है। अरबों-खरबों रुपये का यह कारोबार अंतर्राष्ट्रीय तस्करी, आतंकवाद, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। भारत की भौगोलिक स्थिति इसे गोल्डन क्रेसेंट और गोल्डन ट्रायंगल जैसे नशीले पदार्थों के प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों के बीच महत्वपूर्ण मार्ग बनाती है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और अन्य पड़ोसी क्षेत्रों से आने वाली तस्करी की खेपें भारत के लिए लगातार चुनौती बनी हुई हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ड्रग्स का यह अवैध कारोबार अब अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रहा है। ड्रोन, एन्क्रिप्टेड संचार माध्यम, फर्जी पहचान और डिजिटल भुगतान प्रणालियां तस्करों को नई ताकत प्रदान कर रही हैं। ऐसे में केवल पारंपरिक पुलिसिंग से इस समस्या पर नियंत्रण संभव नहीं है। इसके लिए तकनीकी, सामाजिक और कानूनी स्तर पर व्यापक रणनीति की आवश्यकता है।

भारत में हालांकि मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन को रोकने के लिए कड़े कानून मौजूद हैं लेकिन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की चुनौती अभी भी बनी हुई है। नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस, प्रशासन या सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती, यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों को अपने बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा। शिक्षण संस्थानों को नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाने होंगे। धार्मिक और सामाजिक संगठनों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। दरअसल नशे के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार जागरूकता, शिक्षा और सकारात्मक वातावरण है। यदि युवाओं को बेहतर शिक्षा, रोजगार, खेल, कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए तो वे नशे जैसे विनाशकारी रास्तों से दूर रह सकते हैं। हमें युवाओं को केवल नशे के दुष्परिणाम बताने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उन्हें जीवन का सकारात्मक उद्देश्य भी देना होगा।

अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस हमें यही संदेश देता है कि नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक दिन का अभियान नहीं बल्कि सतत सामाजिक आंदोलन है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो सबसे पहले उसकी युवा शक्ति को नशे के अंधकार से मुक्त करना होगा। देश की युवा सोच पर लगा यह ग्रहण तभी हटेगा, जब सरकार, समाज, परिवार और स्वयं युवा मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के हाथों में नशे की पुड़िया नहीं, ज्ञान की पुस्तक हो; उनकी आंखों में नशे का धुंधलापन नहीं, सपनों की चमक हो; और उनकी सोच पर नशे का ग्रहण नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का उज्ज्वल प्रकाश हो। यही नशा-मुक्त भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव भी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा नशे के दुष्प्रभावों पर 1993 में पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिख चुके हैं)

संपादकीय

सूखे की आहट

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के कमजोर रहने की चिंताओं के बीच देश के कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती पैदा होने की आशंका बलवती हुई है। हाल-फिलहाल बारिश में चालीस से छियालीस प्रतिशत की कमी मापी गई है। देश के मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दो जुलाई तक मानसून की सक्रियता कम रहने के अनुमान के कारण खरीफ की फसल को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार ने कम बारिश वाले 315 जिलों में से 111 ऐसे जिलों की पहचान की है, जो सूखे की दृष्टि से ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं। जो आसन्न संकट की गंभीरता को भी दशार्ता है। यह विडंबना है कि तमाम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के बावजूद आज देश में खेती की मॉनसून की बारिश पर निर्भरता बनी हुई है। यही वजह है कि मॉनसून में देरी या कम बारिश होने का सीधा असर फसल की बुवाई, खाद्यान्न की पैदावार, ग्रामीणों की आय और खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई के रूप में पड़ता है। ऐसे में यदि जुलाई व अगस्त माह के महत्वपूर्ण समय में बारिश सामान्य से कम होती है तो इसके परिणाम चिंता बढ़ाने वाले हो सकते हैं। केंद्र सरकार राज्य और जिले स्तर पर आपातकालीन योजनाएं तैयार कर रही है। सरकार सूखे में भी बेहतर उत्पादन कर सकने वाली फसलों को बढ़ावा देने के साथ ही जल संरक्षण पर जोर दे रही है। साथ ही कोशिश है कि किसानों के लिये बीज-उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। देश में दालों, तिलहन और मोटे अनाजों की खेती को प्राथमिकता देना जरूरी है, क्योंकि ये फसलें कम पानी में भी सामान्य उत्पादन दे सकती हैं। सुखद ही है कि अल नीनो मॉनिटरिंग सेल को सक्रिय किया गया ताकि कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिये रियल-टाइम सलाह किसानों को देकर सूखे के प्रभावों को कम किया जा सके। निश्चित रूप से पूरी तैयारी के साथ सूखे से मुकाबले का मतलब है कि हमने आधी लड़ाई जीत ली है। आज जरूरत इस बात की है कि सूखे की आशंका के बीच जल संकट से मुकाबले के लिये एक प्रभावी समग्र नीति बने। समय-समय पर इन नीतियों में सुधार किया जाए। जरूरी है कि जलवायु परिवर्तन संकट के दौर में मानसून के व्यवहार में अनिश्चितता के बीच खेती की बारिश पर निर्भरता को कम करने के लिये व्यापक रणनीति तैयार की जाए। इसके लिये जरूरी है कि सूक्ष्म-सिंचाई सुविधा का विस्तार, जल निकायों के पुनरुद्धार, भूजल प्रबंधन को बेहतर बनाने और जलवायु के अनुरूप खेती को बढ़ावा देने के प्रयास हों। हम मौसम के बदलते मिजाज पर हर बार प्रतिक्रिया देने के बजाय दीर्घकालिक राष्ट्रीय प्राथमिकताएं सुनिश्चित करें। हमें किसानों को आर्थिक संकट से उबारने को अपनी वरीयता सूची में शामिल करना चाहिए। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं से फसलों की रक्षा के लिये बीमा कवरेज अभी भी ज्यादा प्रभावी नहीं है। किसानों को फसलों को क्षति पहुंचने पर मुआवजा लेने के बारे में व्यावहारिक जानकारी अक्सर कम ही होती है। वैसे तो देश में अनाज का पर्याप्त भंडारण है और आपातकालीन व्यवस्था के चलते देश की खाद्य सुरक्षा को तुरंत कोई बड़ा खतरा नहीं है।

चिंतन-मनन

बदला हुआ आदमी

स्कॉटलैंड के एक राजा को शत्रुओं ने पराजित कर दिया। उसे धन-जन की बड़ी हानि हुई और संगी-साथी भी छूट गए। अब बस उसका जीवन बचा था, पर शत्रु उसकी टोह में थे। प्राण बचाने के लिए वह भागा-भागा फिर रहा था। स्थिति यह थी कि राजा अब मरा कि तब मरा। राजा एक खोह में छिपा अपनी मौत की प्रतीक्षा करते हुए सोच रहा था- शत्रु की तलवार पल भर में मेरा काम तमाम कर देगी।

तभी राजा ने देखा- एक मकड़ी खोह के दरवाजे पर जाला बनाने में व्यस्त थी। वह कई बार कोशिश करती, नाकाम रहती, लेकिन फिर से उठकर जाला बनाने लगती। राजा ने सोचा- यह व्यर्थ प्रयत्न कर रही है। बिना आधार के जाला भला कैसे बना पाएगी। किंतु आश्चर्य, मकड़ी का एक झीना-सा सूत्र खोह के मुंह पर अटक ही गया। बस फिर एक के बाद एक सूत्र अटकते चले गए और देखते-देखते जाला तेजी से बुना जाने लगा। थोड़ी देर में पूरी खोह के मुंह पर जाला तैयार था।

तभी शत्रु के सिपाही वहां आ पहुंचे। लेकिन खोह के मुंह पर मकड़ी का जाला बना देख वापस लौट गए। करीब आई हुई मौत तो वापस चली गई पर राजा को एक गहरे विचार में छोड़ गई। उसने सोचा- मकड़ी बार-बार गिरकर भी निराश और परास्त नहीं हुई तो मैं इंसान होकर भी क्यों डर रहा हूं? मैं भी अवश्य अपने शत्रुओं को परास्त करूंगा। इस मकड़ी ने मेरा संकल्प मजबूत कर दिया है। यह सोचते ही वह खोह से बाहर निकल गया।

भारत विश्व का सबसे बड़ा प्रतिभा केंद्र और उज्ज्वल भविष्य की नई शक्ति

कांतिलाल मांडोत

इक्कीसवीं सदी में यदि किसी देश ने अपनी प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को प्रभावित किया है तो वह भारत है। कभी ऐसा समय था जब देश के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक इंजीनियर शोधकर्ता और तकनीकी विशेषज्ञ बेहतर अवसरों की तलाश में विदेशों की ओर जाते थे। उस दौर में इसे ब्रेन ड्रेन कहा जाता था और चिंता जताई जाती थी कि देश की सबसे मूल्यवान संपत्ति विदेशों की प्रगति में योगदान दे रही है। लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। भारत अब केवल प्रतिभा देने वाला देश नहीं रहा बल्कि प्रतिभाओं को वापस आकर्षित करने वाला विश्व का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है।

आज दुनिया के विकसित देशों में भारतीय प्रतिभा की धाक है। अमेरिका ब्रिटेन कनाडा ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी देशों की बड़ी कंपनियों में भारतीय पेशेवर नेतृत्वकारी भूमिकाओं में कार्य कर रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता विज्ञान इंजीनियरिंग चिकित्सा और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट हब कहा जा रहा है।

हाल के वर्षों में एक नई और उत्साहजनक प्रवृत्ति देखने को मिली है। बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर विदेशों से वापस अपने देश लौट रहे हैं। वे केवल नौकरी करने नहीं आ रहे बल्कि भारत में अवसरों का नया संसार खड़ा कर रहे हैं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में एक लाख बत्तीस हजार से अधिक उच्च कौशल वाले भारतीय पेशेवर अपने देश लौटे। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल सपनों का देश नहीं बल्कि सपनों को साकार करने का सबसे उपयुक्त स्थान बनता जा रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लौटने वाले भारतीय युवा उन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जो भविष्य की दिशा तय करेंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता डीप टेक सेमीकंडक्टर एयरोस्पेस क्लाइमेट टेक और उन्नत अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञ नई कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। वे रिसर्च लैब बना रहे हैं नई तकनीक विकसित कर रहे हैं और दुनिया की चुनौतियों के समाधान खोज रहे हैं। यह केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी पुनर्जागरण का संकेत है।

दुनिया भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विशेषज्ञों की संख्या सीमित है लेकिन उनमें भारतीयों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत एआई प्रतिभा उपलब्ध कराने वाले देशों में सबसे आगे है। भारतीय इंजीनियर और वैज्ञानिक वैश्विक तकनीकी विकास की रीढ़ बन चुके हैं। आज दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनियां भारतीय प्रतिभा के बिना अपनी कल्पना भी नहीं कर सकतीं। यह स्थिति भारत की शिक्षा व्यवस्था मेहनतकश युवाओं और ज्ञान आधारित संस्कृति की सफलता को दशार्ती है।

भारत की बढ़ती ताकत का एक कारण उसका विशाल युवा वर्ग भी है। देश की बड़ी आबादी युवा है और यह युवा वर्ग नई तकनीकों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है। भारतीय युवा केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहते बल्कि वे रोजगार देने वाले बनना चाहते हैं। स्टार्टअप संस्कृति ने इस सोच को नई दिशा दी है। देश में दो लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप सक्रिय हैं और इनमें से अनेक वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। यह उपलब्धि दशार्ती है कि भारत में नवाचार और उद्यमिता का वातावरण तेजी से मजबूत हो रहा है।

विदेशों से लौट रहे पेशेवरों के पीछे केवल भावनात्मक कारण ही नहीं हैं बल्कि भारत में उपलब्ध अवसर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विकसित देशों में आर्थिक मंदी और बदलती आव्रजन नीतियों ने भी लोगों को सोचने पर मजबूर किया है। दूसरी ओर भारत में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था मजबूत डिजिटल ढांचा और नवाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियां प्रतिभाओं को आकर्षित कर रही हैं। अब भारतीय विशेषज्ञों को लगता है कि वे अपने देश में रहकर भी विश्व स्तरीय उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

भारत सरकार ने भी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू की गई हैं। विदेशों से लौटने वाले शीर्ष वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को आकर्षक शोध अनुदान और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सस्ती सुपरकंप्यूटिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं जिससे युवा शोधकताओं और स्टार्टअप्स को अत्यधिक लाभ मिल रहा है। सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास के लिए विशेष मिशन चलाए जा रहे हैं ताकि भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके।

भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां प्रतिभा और अवसर का संगम तेजी से मजबूत हो रहा है। पहले प्रतिभा थी लेकिन अवसर सीमित थे। अब अवसर भी बढ़ रहे हैं और संसाधन भी उपलब्ध हो रहे हैं। यही कारण है कि दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली भारतीय अब यह नहीं पूछते कि भारत क्यों लौटें बल्कि वे यह सोचते हैं कि अपने भविष्य का निर्माण किसी दूसरे देश में क्यों करें। यह सोच भारत के प्रति बढ़ते विश्वास और गर्व का प्रतीक है।

भारतीय प्रतिभा केवल आर्थिक विकास में योगदान नहीं दे रही बल्कि देश की वैश्विक प्रतिष्ठा भी बढ़ा रही है। जब कोई भारतीय वैज्ञानिक नई खोज करता है जब कोई भारतीय उद्यमी वैश्विक कंपनी खड़ी करता है या जब कोई भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ दुनिया की जटिल समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है तब पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ता है। आज भारत ज्ञान विज्ञान और नवाचार की शक्ति के रूप में पहचाना जा रहा है। आने वाले वर्षों में भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता हरित ऊर्जा अंतरिक्ष विज्ञान जैव प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत के पास अपार संभावनाएं हैं। यदि देश इसी गति से आगे बढ़ता रहा तो वह केवल प्रतिभा उपलब्ध कराने वाला राष्ट्र नहीं रहेगा बल्कि विश्व के वैज्ञानिक और तकनीकी नेतृत्व का केंद्र बन जाएगा। आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है। यह ऐसा भारत है जो अपने युवाओं की क्षमता पर भरोसा करता है। यह ऐसा भारत है जो दुनिया को केवल मानव संसाधन नहीं बल्कि विचार नेतृत्व नवाचार और समाधान प्रदान कर रहा है।

क्या भारतीय महिलाओं की पहचान सोनम मुस्कान और सिया बनेंगी?

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब दो साल पहले हनीमून ट्रिप पर अपने पति राजा रघुवंशी को अपने प्रेमी के साथ मिल कर मौत के घाट उतारने वाली सोनम की तर्ज पर ही अब पुणे की एक युवती ने अपने आशिक के साथ मिलकर अपने अरबपति बिजनेसमैन मंगेतर को पहाड़ी से धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने घटना के पांच दिन बाद मामले की सघन जांच कर युवती सिया गोयल और उसके आशिक प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

यह वारदात समाज में पनप रहे लव अफेयर्स और प्रेमी को पाने के लिए हिंसा की ओर प्रवृत होती युवा पीढ़ी का अनावरण करती है वहीं दूसरी ओर इश्क के जुनून में बेगुनाह मंगेतर और पति के कत्ल से भी गुरेज नहीं करने वाली कथित एलीट एजुकेटेड बिंदास लड़कियों के व्यवहार में हो रहे बर्बरता भरे हिंसक व्यवहार का भी खुलासा करती है।

सावधान यदि आप किसी लड़की के रंगरूप आकर्षक शरीर सौष्ठव भोले चेहरे को देख कर अपना जीवन साथी बना रहे हैं तो पहले उसके बीते और वर्तमान दिनचर्या की ढंग से पड़ताल कर लें अन्यथा इंदौर के राजा रघुवंशी और पुणे के केतन अग्रवाल की तरह अपनी मंगेतर सिया या सोनम के हाथों जान गंवा सकते हैं।

पहले ये सब फिल्मी परदे या ओटीटी चैनल पर देखने को मिलता था लेकिन अब आए दिन कथित माडर्न लिबरल गर्ल्स से लेकर अनपढ़ गंवार समझी जाने वाली ग्रामीण युवतियां भी अपने प्रेमियों के हाथों पति का नृशंस कत्ल करा कर फर्जी कहानियां गढ़ कर मगरमच्छी आंसू बहा देती है। बाद में पुलिस इन वारदातों का अनावरण कर ऐसा सच सामने लाती है कि कलेजा कांप जाता है।

महाराष्ट्र के पुणे से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। पुणे के एक नामी रियल एस्टेट कंपनी के डायरेक्टर केतन विशाल अग्रवाल के हत्या के मामले में अब जैसे-जैसे खुलासे सामने आ रहे हैं, वैसे-वैसे ये मामला और बड़ा और भयावह बनता जा रहा हैशुरूआत से बात करें तो केतन की मौत लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से हुई और इसे पहले महज एक हादसा समझा जा रहा था, लेकिन अब जब सच सामने आया तब यह हत्या का मामला बन गया है। मामले में पुलिस ने केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही दोनों आरोपियों को सात दिन की पुलिस हिरासत भेजा गया है।

बता दें कि केतन और सिया की सगाई इसी साल फरवरी में हुई थी और नवंबर में राजस्थान के एक महल में उनकी शाही शादी होने वाली थी। दोनों 6 जून को प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए इंडोनेशिया के बाली जाने वाले थे।खबरों के मुताबिक दोनों परिवारों ने राजस्थान में शादी के लिए 17 करोड़ रुपये में एक महल बुक किया था और मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए दो प्राइवेट प्लेन का भी इंतजाम किया गया था। बाली जाने के लिए जब वे मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे, तो बाकी सबके पासपोर्ट सुरक्षित थे, लेकिन सिर्फ केतन का पासपोर्ट गायब था। यह सिया गोयल की जानबूझकर साजिश थी ताकि पासपोर्ट न होने के कारण केतन बाली नहीं जा सका और उसे एयरपोर्ट से वापस लौटना पड़ा। पिता का आरोप है कि यह पूरी तरह सोची-समझी साजिश थी ताकि ट्रिप कैंसिल हो जाए।जानकारी के अनुसार बाली ट्रिप कैंसिल होने के बाद सिया ने एक नया प्लान बनाया। 19 जून को सिया का जन्मदिन था। केतन के पिता के मुताबिक, सिया ने जिद की और झगड़ा करके केतन को 18 जून को ही प्री-बर्थडे सेलिब्रेशन के लिए पुणे के पास लोहगढ़ किले चलने के लिए राजी कर लिया।

इसके बाद केतन 18 जून की सुबह 8:20 बजे घर से निकला। करीब ढाई घंटे बाद, सुबह 10:45 बजे सिया की मां का फोन केतन के परिवार के पास आया कि केतन लोहगढ़ किले की घाटी में गिर गया है। सिया ने पुलिस को बताया कि तेज हवाओं के कारण पैर फिसलने से केतन 400 फीट गहरी खाई में गिर गया। पुलिस ने भी शुरूआत में इसे एक दर्दनाक हादसा मानकर केस दर्ज किया था।

केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने बताया कि जब पुलिस केतन का शव लेकर आई, तो सिया के बर्ताव ने सबको चौंका दिया। उन्होंने बताया कि जब किसी महिला के मंगेतर या पति की मौत होती है, तो वह टूट जाती है। लेकिन सिया के चेहरे या व्यवहार में दुख का कोई नामोनिशान नहीं था। वह बिल्कुल सामान्य दिख रही थी। यही पहली बात थी जिसने हमें झकझोर दिया, लेकिन उस वक्त अस्पताल भागने की जल्दी में हमने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ में एक बड़े कारोबारी के बेटे केतन अग्रवाल की लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से मौत हो गई, जिसे पहले हादसा समझा गया था लेकिन बाद में हत्या निकली। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने मिलकर उसे मारकर खाई में धकेला था, दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

आपको बता दें इसी तर्ज पर एक साल पहले इंदौर के 29 वर्षीय ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की उसकी नवविवाहिता पत्नी सोनम ने अपने दोस्तों की मदद से हत्या की थी राजा रघुवंशी की शादी 11 मई 2025 को 25 वर्षीय सोनम रघुवंशी से हुई थी। शादी के बाद दोनों 20 मई 2025 को हनीमून के लिए मेघालय के शिलांग गए थे। 23 मई 2025 को चेरापुंजी (सोहरा) के पास एक होमस्टे से निकलने के बाद राजा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। शुरूआत में इसे सामान्य गुमशुदगी या लूटपाट का मामला दिखाने की कोशिश की गई।बाद में सोनम और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह

मेरठ का सबसे चर्चित और रूह कंपा देने वाला मामला है। इसमें मुख्य आरोपी मुस्कान रस्तोगी नाम की महिला है।मार्च 2025 में मुस्कान रस्तोगी ने अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की बेरहमी से हत्या कर दी। सौरभ को पहले नशीली दवा दी गई, फिर चाकू और उस्तरे से उसका गला रेता गया। शव को कई टुकड़ों में काटकर एक नीले ड्रम में डाला गया और बदबू छिपाने के लिए उसे सीमेंट और रेत के मिक्सर से जमा दिया गया। सौरभ अपनी बेटी को अपने साथ लंदन ले जाना चाहता था, लेकिन मुस्कान मेरठ में अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती थी।

सवाल उठता है कि भारतीय समाज किधर जा रहा है। भारतीय समाज में एक आदर्श महिला का चरित्र पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक प्रगति का एक अनूठा संगम है। इसे मुख्य रूप से त्याग, सहनशीलता, संस्कार, पारिवारिक एकजुटता, और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों के आधार पर परिभाषित किया जाता है। क्या भारतीय महिलाओं की पहचान अब सीता गार्गी कुन्ती तारा शबरी मंदोदरी द्रोपदी मैत्रेयी मदालसा देवहूति अरूंधती से न होकर सोनम मुस्कान और सिया गोयल जैसी पथभ्रष्ट युवतियों से होगी?

प्रतापगढ़ : मोहर्रम को लेकर राजा उदय प्रताप समेत 13 लोग हाउस अरेस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रतापगढ़। राजा उदय प्रताप सिंह सहित 13 लोगों को प्रतापगढ़ पुलिस ने हाउस अरेस्ट किया है। सभी गुरुवार सुबह 5 बजे से शुक्रवार रात 9 बजे तक भदरी महल में हाउस अरेस्ट रहेंगे। कुंडा कोतवाल ने भदरी महल में हाउस अरेस्ट का नोटिस चस्पा किया है। बता दें कि मुहर्रम और ताजिया जुलूस के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने व कानून-व्यवस्था के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा उदय प्रताप सिंह और उनके समर्थकों को पिछले कई सालों से हाउस अरेस्ट किया जाता है। दरअसल, मोहर्रम जुलूस के दिन राजा भैया के पिता द्वारा हनुमान मंदिर पर भंडारे का ऐलान किया जाता है। हालांकि, पुलिस प्रशासन भंडारे की अनुमति नहीं देता है, क्योंकि मंदिर के रास्ते से ही मुहर्रम का जुलूस निकलता है। ऐसे में जुलूस को सकुशल संपन्न करवाने के लिए पुलिस प्रशासन पिछले कई सालों से राजा भैया के पिता को हाउस अरेस्ट करती है। प्रशासन ने इस साल भी हाउस अरेस्ट की कार्रवाई की है। गौरतलब है कि पूरा विवाद वर्ष 2012 में शुरू हुआ था। कुंडा के शेखपुर गांव में एक बंदर की मौत के बाद हनुमान मंदिर के निर्माण और मुहर्रम के दिन भंडारे के आयोजन को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद से शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीएम और पुलिस प्रशासन उनके घर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर उन्हें और उनके समर्थकों को नजरबंद कर देता है। अपर पुलिस अधीक्षक बृजनन्दन राय ने कहा कि मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा एहतियाती कदम उठाए गए हैं। राजा उदय प्रताप सिंह सहित 13 व्यक्तियों के मूवमेंट पर 25 जून प्रातः 05 बजे से 26 जून रात्रि 09 बजे तक अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है।

लखनऊ हादसे के बाद जागी बीएमसी, एमपी नगर और न्यू मार्केट सहित कई इलाकों में ताबड़तोड़ छापेमारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में लगी आग के बाद भोपाल नगर निगम पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। नगर निगम के फायर विभाग ने पूरे शहर में एक व्यापक फायर सेफ्टी ऑडिट अभियान चलाया है। इस कड़े निरीक्षण के बाद बीएमसी ने नियमों का उल्लंघन करने पर गांधी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध हमीदिया अस्पताल, तुलसी टावर और कान्हा टावर जैसी 10 हाई-राइज इमारतों और 39 कोचिंग संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई एमपी नगर, पिपलानी, न्यू मार्केट और बैरागढ़ जैसे व्यस्त इलाकों में की गई।

जांच में सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

नगर निगम के फायर विभाग की इस जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, वे बेहद डरावने हैं। पूरे शहर में अब तक करीब 80 कोचिंग संस्थानों और कई बहुमंजिला इमारतों का बारीकी से निरीक्षण किया गया है। इनमें से 90 प्रतिशत से ज्यादा जगहों पर या तो आग से निपटने के इंतजाम पूरी तरह नदारद मिले या फिर जो सिस्टम लगे थे, वे काम नहीं कर रहे थे। गौरतलब है कि भोपाल में करीब 300 कोचिंग संस्थान चल रहे हैं, जिनमें लगभग ढाई लाख छात्र अपनी पढ़ाई के लिए रोज़ आते हैं। लगभग 39 कोचिंग सेंटरों में फायर सेफ्टी उपकरण चालू हालत में नहीं पाए गए। कई कोचिंग संस्थानों में वेंटिलेशन यानी हवा आने-जाने की कोई उचित व्यवस्था नहीं थी। छात्रों के आने-जाने के लिए सिर्फ एक ही रास्ता मिला, जो नियमों के खिलाफ है। कई नामी बहुमंजिला इमारतों के पास अनिवार्य 'फायर नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' तक नहीं था। हमीदिया अस्पताल के सिर्फ दो ब्लॉकों में ही अग्निशमन यंत्र चालू हालत में मिले। मरीजों और छात्रों की सुरक्षा भगवान भरोसे बीएमसी के फायर सेफ्टी इन-चार्ज सौरभ पटेल के मुताबिक, हमीदिया अस्पताल के बाकी हिस्सों में सुरक्षा इंतजाम बेहद खराब पाए गए हैं। ऐसी स्थिति में अगर अस्पताल में कभी आग लगती हैं।

'मोहनजी के सम्मान में, अखिलेश भैया मैदान में' उज्जैन जमीन विवाद पर ओवैसी का तंज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश। मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़े कथित जमीन विवाद को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है. इस विवाद में तब नया मोड़ आ गया जब समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मोहन यादव का बचाव करते हुए इसे भाजपा की अंदरूनी राजनीति का हिस्सा बताया. अखिलेश के इस बयान पर अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने तीखा हमला बोला है. ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर अखिलेश यादव की आलोचना की. उन्होंने लिखा, 'मोहन जी के सम्मान में अखिलेश भैया मैदान में. एक भाई बस अपना कर्तव्य निभा रहे हैं. उत्तर प्रदेश में आए दिन मुसलमानों को निशाना बनाया जाता है, उन पर झूठे इल्जाम लगाकर उन्हें जेल भेजा जाता है. अखिलेश उनके लिए कभी कुछ नहीं कहते. लेकिन भाजपा के एक मुख्यमंत्री के लिए देखिए कितनी हमदर्दी है. सपा का समाजवाद असल में यादव समाजवाद है.' ओवैसी का यह बयान ऐसे समय आया है जब अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश में जमीन खरीद से जुड़े विवाद को भाजपा के भीतर की राजनीति से जोड़ दिया था. अखिलेश ने कहा था कि मुख्यमंत्री मोहन यादव को हटाने के लिए उनके खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है और यह पूरा मामला जमीन सौदों से ज्यादा भाजपा की आंतरिक खींचतान का हिस्सा दिखाई देता है. अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में करते हुए कहा कि यह मोहन यादव को पद से हटाने का एक बहाना ढूंढा जा रहा है. उन्होंने दावा किया कि अगर ऐसे ही आरोप लगाने हैं, तो उत्तर प्रदेश के मौजूदा मुख्यमंत्री ने भी 300 से 600 एकड़ जमीन ली है. यह कोई नई बात नहीं है. मोहन यादव पहले से रियल एस्टेट के कारोबार में रहे हैं. सपा प्रमुख ने दावा किया कि ये आरोप इसलिए लगाए जा रहे हैं, क्योंकि भाजपा कुछ मुख्यमंत्रियों को बदलने का रास्ता तलाश रही है. मोहन यादव को हटाने के लिए उनके खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है. यह मामला जमीन सौदों से ज्यादा भाजपा की अंदरूनी राजनीति से जुड़ा दिखाई देता है. दरअसल, विवाद की शुरुआत एक मीडिया रिपोर्ट से हुई, जिसमें दावा किया गया कि मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके परिवार और उनसे जुड़ी कंपनियों ने उज्जैन में 137 भूखंड खरीदे, जिनका क्षेत्रफल लगभा 168 एकड़ बताया गया है. रिपोर्ट में दावा किया गया कि ये जमीनें उन इलाकों में खरीदी गईं जहां भविष्य में सड़क परियोजनाएं, मास्टर प्लान और सिंहस्थ 2028 से जुड़े विकास कार्य प्रस्तावित हैं. हालांकि मुख्यमंत्री कार्यालय ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है. सरकार की ओर से जारी स्पष्टीकरण में कहा गया कि दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद न तो मोहन यादव और न ही उनके परिवार के किसी सदस्य ने कोई नई जमीन खरीदी हैन ने भदरी महल पर चिपकाया नोटिस

ग्वालियर: कम कीमत पर पेट्रोल देने से किया मना, बदमाशों ने युवक पर पेट्रोल डालकर लगा दी आग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश ग्वालियर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां कम कीमत पर पेट्रोल नहीं देने पर बाइक सवार तीन बदमाशों ने एक युवक पर पेट्रोल डालकर उसे आग लगा दी। युवक 40 परसेंट झुलस गया है। आसपास के लोगों ने बड़ी मुश्किल से युवक की शरीर में लगी आग को बुझाया। युवक को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जहां उसका उपचार चल रहा है।

तीन में से दो बदमाशों को किया गिरफ्तार

ग्वालियर पुलिस ने तीन में से दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा घटनाक्रम थाटीपुर इलाके का है और घटना का समय मंगलवार की रात का है। जानकारी के अनुसार थाटीपुर इलाके में आकाश सेंगर नाम का युवक रात के वक्त जरूरतमंद लोगों को पेट्रोल बेचने का काम करता है। मंगलवार की रात को बाइक पर सवार होकर तीन बदमाश थाटीपुर इलाके में पहुंचे थे। इन बदमाशों के नाम सचिन गुर्जर, अनुज गुर्जर और अरविंद बताए गए हैं।

बदमाशों ने पेट्रोल की मांग की

बदमाशों ने आकाश सेंगर से पेट्रोल मांगा। पेट्रोल की कीमत को लेकर आकाश और इन तीनों बदमाशों के बीच विवाद होने लगा। बदमाश आकाश से कम कीमत में पेट्रोल मांग रहे थे। इसके अलावा बदमाशों पर आकाश के पहले से ही पेट्रोल के ढाई सौ रुपए आ रहे थे। इसी पैसे के लेनदेन को लेकर बात बढ़ गई। विवाद इतना बढ़ गया कि बदमाशों ने आकाश पर बोतल से निकलकर पेट्रोल छिड़क कर उसे आग लगा दी। आग लगते ही आकाश बुरी तरह तड़पने लगा। इसके बाद बदमाश वहां से भाग गए। आसपास मौजूद लोगों ने भाग कर आकाश के शरीर में लगी आग को पानी डालकर बड़ी मुश्किल से बुझाया।

अकेले दुकान तक नहीं जाती थी मेरी बेटी, बड़वाह कैसे पहुंच गई; NEET छात्रा के पिता बोले- नहीं कर सकती आत्महत्या

मध्यप्रदेश के इंदौर की नीट छात्रा निक्की यादव का शव खरगोन में नर्मदा नदी से बरामद हुआ है। पुलिस जहां इसे परीक्षा के तनाव में की गई खुदकुशी मान रही है, वहीं परिजनों ने अपहरण और हत्या की आशंका जताई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। इंदौर की 20 वर्षीय नीट अभ्यर्थी निक्की यादव का शव खरगोन जिले में नर्मदा नदी से मिलने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मंगलवार को छात्रा के परिजनों ने उसे आत्महत्या नहीं बल्कि अपहरण कर हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। उसका मंगलवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया।

मां को आया था आखिरी कॉल

खरगोन पुलिस अधीक्षक रवींद्र वर्मा ने बताया कि लसूड़िया क्षेत्र निवासी निक्की यादव रविवार को महू स्थित परीक्षा केंद्र पर नीट परीक्षा देने गई थी। रात में उसने किसी अन्य व्यक्ति के मोबाइल फोन से अपनी मां को कॉल कर बताया था कि उसका मोबाइल डिस्चार्ज हो गया है और वह घर लौट रही है। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। जांच में उसकी अंतिम लोकेशन खरगोन जिले के बड़वाह क्षेत्र में मिली। एसपी ने बताया कि सोमवार दोपहर करही थाना क्षेत्र के पितामली गांव के समीप नर्मदा नदी में एक युवती का शव मिलने की सूचना स्थानीय नाविकों और ग्राम चौकीदार ने पुलिस को दी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव बरामद किया और मर्ग कायम कर जांच शुरू की। पहचान नहीं होने पर शव के फोटो सोशल मीडिया और आसपास के जिलों के थानों में प्रसारित किए गए। प्रारंभिक जांच में यह प्रतीत हुआ कि शव नदी में बहकर कुछ दूरी से यहां पहुंचा था। सोमवार देर रात इंदौर के भंवरकुआं थाने की मदद से मृतका की पहचान निक्की यादव के रूप में हुई। मंगलवार को उसके परिजन खरगोन पहुंचे और शव की शिनाख्त की। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर किसी प्रकार की चोट या संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं तथा प्रारंभिक रूप से मृत्यु डूबने से होना प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि संभवतः परीक्षा परिणाम को लेकर निराशा के कारण छात्रा ने आत्मघाती कदम उठाया हो, लेकिन जांच के बाद पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। हालांकि निक्की के पिता रामचरण यादव ने इस संभावना को सिरे से खारिज किया। मूल रूप से उत्तर प्रदेश निवासी रामचरण यादव पिछले 25 वर्षों से इंदौर में अकाउंटेंसी का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी ने फोन पर परीक्षा खराब होने जैसी कोई बात नहीं कही थी। परीक्षा को लेकर उनकी कोई चर्चा ही नहीं हुई थी। उन्होंने बताया कि निक्की पढ़ाई में बेहद मेधावी थी। वह मेधावी छात्र योजना की टॉपर रही थी और दो बार नीट परीक्षा दे चुकी थी। इसके अलावा उसने वैकल्पिक रूप से एम्स की परीक्षा के लिए भी आवेदन किया था। रामचरण यादव ने कहा कि निक्की ने केवल इतना बताया था कि वह घर लौट रही है। बाद में उसका मोबाइल बंद हो गया। रात करीब साढ़े आठ बजे फोन दोबारा चालू हुआ, लेकिन उसने किसी कॉल का जवाब नहीं दिया। 'उन्होंने कहा, 'मेरी बेटी आसपास की दुकानों तक अकेले नहीं जाती थी। वह अचानक बड़वाह कैसे पहुंच सकती है? वह आत्महत्या जैसा कदम नहीं उठा सकती। मुझे लगता है कि उसका अपहरण कर यहां लाया गया और उसकी हत्या की गई है।' उन्होंने निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की। निक्की की बड़ी बहन रूबी यादव ने भी पुलिस की आत्महत्या संबंधी आशंका पर सवाल उठाए।

घर पर चल रहा था तेरहवीं का भोज, अचानक जिंदा लौट आया गिरधर, गाजियाबाद के वैशाली इलाके का हैरान करने वाला मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। वैशाली इलाके में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान हो गया। गाजियाबाद के वैशाली इलाके के कल्पना अपार्टमेंट में बुधवार को गिरधर सिंह बिष्ट (38) की तेरहवीं का खाना चल रहा था। लेकिन इस दौरान गिरधर सिंह सकुशल घर लौट आया। उसे देख मेहमानों और परिजनों के होश उड़ गए। इस घटना ने गाजियाबाद पुलिस की शिनाख्त प्रणाली और खुद परिवार की नीयत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

परिवार ने अंतिम संस्कार कर दिया

दरअसल बीते महीने 16 मई को स्थानीय दुकानदारों से किसी बात पर विवाद होने के बाद कौशाम्बी थाना पुलिस ने गिरधर को धारा 151 के तहत शांति भंग में डासना जेल भेज दिया था। इसके बाद 21 मई को वह जेल से रिहा तो हुआ, लेकिन अपने घर नहीं पहुंचा। परिजन उसकी तलाश में जुटे थे। इसी बीच 13 जून को मसूरी थाना क्षेत्र में पुलिस को एक अज्ञात शख्स का शव मिला। सूचना मिलने पर गिरधर के परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस के सामने शव की पहचान गिरधर के रूप में कर दी। जिसके बाद पुलिस ने पंचनामा भरकर और पोस्टमार्टम कराकर उस शव को गिरधर के परिवार को सौंप दिया। जिसके बाद परिवार ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया। इसके अगले दिन गिरधर के परिजनों ने कौशाम्बी थाने पर जमकर हंगामा काटा था और स्थानीय दुकानदारों पर गिरधर की हत्या का आरोप लगाते हुए मसूरी थाने में मुकदमा भी दर्ज करा दिया था। अब सबसे बड़ा सवाल ये खड़ा हो रहा है कि कोई भी परिवार अपने सगे सदस्य के शव को पहचानने में इतनी बड़ी चूक कैसे कर सकता है? क्या यह सिर्फ जल्दबाजी थी या फिर पुलिस और विरोधी पक्ष पर दबाव बनाने की कोई सोची-समझी साजिश इस पूरे घटनाक्रम ने गाजियाबाद पुलिस की कार्यप्रणाली की भी पोल खोलकर रख दी है। मसूरी पुलिस ने बिना किसी डीएनए टेस्ट या जांच के सिर्फ परिजनों के शिनाख्त करने पर शव उन्हें सौंप दिया। जिससे पुलिस पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस प्रकरण में अब उसके सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं। पहली यह पता लगाना कि गिरधर इतने दिन कहां और क्यों गायब था और दूसरी सबसे गंभीर बात कि वो अज्ञात शव किसका था जिसका पुलिस ने अंतिम संस्कार करवा दिया इस संबंध में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी गिरधर कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। नॉर्मल होने पर उससे और परिवार से पूछताछ की जाएगी। जो भी तथ्य निकलकर सामने आएगा उसके आधार पर इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेरठ में रेप के आरोपी ने खुद को गोली मारकर किया सुसाइड, परिजनों ने लगाए ब्लैकमेलिंग के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। सरधना में बुधवार की देर शाम अटेरना-सरधना मार्ग पर एक युवक को गोली लगने की सूचना मिली. युवक पर रेप का केस चल रहा था. परिजनों का आरोप है कि युवती के परिजनों द्वारा ब्लैकमेल किए जाने से परेशान होकर युवक ने आत्महत्या की है. इस मामले की सूचना पर पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे और युवक को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. दरअसल, मेरठ के सरधना थाना क्षेत्र के मोहल्ला जोगियान का रहने वाला 23 वर्षीय साकिब बुधवार शाम घर से बाहर गया था. रात करीब 9 बजे साकिब अटेरना मार्ग पर पड़ा मिला. उसके सीने में गोली लगी थी. राहगीरों ने परिजनों को जानकारी दी. इसके बाद उसे सीएससी सरधना लाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी. इस मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया. पुलिस की जांच में सामने आया कि युवक ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है. मरने से पहले उसने अपने दोस्त को फोन भी किया था और आत्महत्या की बात कही थी. साकिब कपड़े बेचने का काम करता था. परिजनों का आरोप है कि साकिब पर एक युवती ने रेप का केस दर्ज कराया था, जिससे वह तनाव में था. आरोप है कि लगातार युवती और उसके परिजनों द्वारा साकिब को ब्लैकमेल किया जा रहा था. साकिब और युवती दोनों मिलते-जुलते थे. युवती साकिब से पैसे लेती रहती थी. साकिब ने अब पैसे देने से मना कर दिया तो उस पर रेप का केस दर्ज करा दिया.

राम मंदिर चंदा चोरी पर क्या एक्शन होने जा रहा? यूपी के मंत्री ने दे दिए 2 बड़े संकेत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। श्रीराम मंदिर में चढ़ावा और चंदा चोरी को लेकर सियासत तेज हो गई है. राम मंदिर में चढ़ावे में हुई हेर-फेर की जांच कर स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट योगी सरकार को सौंप दी है. अब अयोध्या में जमीन खरीद-फरोख्त में हुए हेराफेरी की जांच एसआईटी ने शुरू कर दी है. यूपी सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बता दिया है कि मंदिर में दान और चढ़ावा चोरी मामले में क्या एक्शन लिया जाएगा? उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने भरोसा दिलाया है कि मंदिर में चढ़ावे और अनियमितताओं की जांच का परिणाम पूरी पारदर्शिता के साथ सामने आएंगे और 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो जाएगा. राम मंदिर मामले पर मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मंदिर की आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं होगा. जिन लोगों ने भी गलत किया है, उन्हें सजा मिलकर रहेगी. वो कोई भी हो, चाहे ट्रस्ट का पदाधिकारी ही क्यों न हो? अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी के मामले में योगी सरकार सख्त तेवर अपना रखे हैं. मामला सामने आते ही सरकार ने एसआईटी का गठन किया, जो अयोध्या में छह दिनों तक रहकर जांच की और मामले में पांच दर्जन से अधिक लोगों से पूछताछ की गई. एसआईटी ने प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है. सरकार अब सख्त एक्शल लेने के मूड में है, जिसके संकेत योगी सरकार के पर्यटन मंत्री ने दे दिया हैय यूपी सरकार के पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने साफ कहा कि राम मंदिर मामले में हेर फेर करने वाले एक भी व्यक्ति नहीं बचेगा. उन्होंने कहा कि अगर ट्रस्ट के पदाधिकारी दोषी पाए जाते हैं तो उन पर कार्यवाही होगी. कोई नहीं छोड़ा जाएगा, सब पर कार्यवाही होगी. देखिए गया बड़ी कार्यवाही होगी. कोई भी हो, वो छूटेगा नहीं. एक तरह से साफ कर दिया है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा. जयवीर सिंह ने कहा कि श्रीराम मंदिर की व्यवस्था भी चेंज करने कि प्रक्रिया पर विचार चल रहा है. उन्होंने साफ कहा कि अब केंद्र सरकार और यूपी की सरकार बड़ा एक्शन लेने की तैयारी कर रही है. मंत्री ने कहा कि जिनका दान गायब है, जांच अभी जारी है, सब सामने आएगा. इसलिए श्रद्धालु बिल्कुल परेशान न हो.

अतीक से अदावत, सपा से बगावत और अब बीजेपी की लिस्ट में आ गईं पूजा पाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपने संगठनात्मक ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए नई प्रदेश कार्यकारिणी का ऐलान कर दिया है. इस लिस्ट में एक चर्चित नाम समाजवादी पार्टी की बागी नेता पूजा पाल का है. पूजा पाल को यूपी बीजेपी का उपाध्यक्ष बनाया गया है. पूजा पाल को पिछले साल समाजवादी पार्टी से निकाल दिया गया था क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री की तारीफ की थी. पार्टी से निकाले जाने के कुछ वक्त बाद उन्होंने सीएम योगी से मुलाकात भी की थी. प्रयागराज का प्रतिनिधित्व करने वाली पाल को पार्टी विरोधी गतिविधियों और गंभीर अनुशासनहीनता के आरोप में समाजवादी पार्टी से निकाल दिया गया था. पूजा पाल को समाजवादी पार्टी से तब निकाला गया, जब उन्होंने पूर्व सांसद और विधायक अतीक अहमद के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार की सख्त कार्रवाई की सार्वजनिक रूप से तारीफ की थी. पूजा ने अतीक अहमद पर ही अपने पति राजू पाल की हत्या का आरोप लगाया था. यह हत्या उनकी शादी के महज नौ दिन बाद ही कर दी गई थी. यूपी विधानसभा में पूजा पाल ने योगी की 'जीरो-टॉलरेंस' नीतियों की तारीफ करते हुए कहा था, 'मैं मुख्यमंत्री का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं कि उन्होंने मुझे इंसाफ दिलाया, जबकि किसी और ने मेरी बात नहीं सुनी.' इसके बाद, कुछ ही घंटों के अंदर समाजवादी पार्टी ने अखिलेश यादव के हस्ताक्षर वाला निष्कासन पत्र जारी किया, जिसमें पार्टी के निर्देशों को लगातार न मानने और संगठन के लिए नुकसानदेह गतिविधियों में शामिल होने का हवाला दिया गया था.पूजा पाल, बीएसपी के पूर्व विधायक राजू पाल की पत्नी हैं. राजू पाल की हत्या उनकी शादी के सिर्फ 10 दिन बाद ही कर दी गई थी. राजू पाल की हत्या का आरोप माफिया डॉन अतीक अहमद के भाई अशरफ पर लगा था. बीएसपी ने पूजा पाल को इलाहाबाद शहर की पश्चिमी सीट पर हुए उपचुनाव में अतीक अहमद के भाई अशरफ के खिलाफ मैदान में उतारा था, लेकिन वह हार गईं थीं. साल 2007 के चुनावों में पूजा पाल को फिर से BSP ने टिकट दिया. 2012 में वे दोबारा उसी सीट से चुनी गईं. फरवरी 2018 में बीजेपी नेता और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से मुलाकात के बाद मायावती ने उन्हें बीएसपी से निकाल दिया था. पूजा 2019 में समाजवादी पार्टी में शामिल हो गईं और 2022 के विधानसभा चुनाव में कौशाम्बी जिले की चैल सीट से जीत हासिल की.

दिल्ली में 923 कोचिंग सेंटरों का होगा फायर ऑडिट, नियमों का पालन नहीं करने वालों पर होगा एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। रेखा सरकार ने दिल्ली के कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा कदम उठाने जा रही है। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने बताया कि शहर में करीब 923 से 924 कोचिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं और इन सभी का अगले एक महीने के भीतर फायर ऑडिट और सुरक्षा निरीक्षण कराया जाएगा। आशीष सूद ने मीडिया से कहा कि कोचिंग सेंटरों के लिए नियम और कानून तैयार करने के उद्देश्य से गठित समिति की बैठक बुलाई जा चुकी है। यह समिति गौबा कमेटी की सिफारिशों के आधार पर बनाई गई है। उन्होंने बताया कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को इस पूरी प्रक्रिया के लिए नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया है।

1 महीने के भीतर करना होगा फायर ऑडिट

दिल्ली सरकार के मंत्री ने कहा कि नगर निगम के साथ सभी संबंधित एजेंसियों को मिलकर एक महीने के भीतर सभी 923-924 कोचिंग सेंटरों की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान फायर सेफ्टी, सुरक्षा मानकों और अन्य जरूरी दस्तावेजों की भी जांच की जाएगी।

दस्तावेज नहीं होने पर कोचिंग संस्थान होंगे सील

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन कोचिंग संस्थानों के दस्तावेज पूरे नहीं होंगे या जो सुरक्षा ऑडिट में तय मानकों पर खरे नहीं उतरेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर उन्हें सील भी किया जा सकता है। आशीष सूद ने यह भी बताया कि उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत गठित समिति की सिफारिशों के आधार पर जल्द ही एक नया कानून लाया जाएगा।

'मैंने कभी काला जादू नहीं किया, बेटी का ख्याल रखना',वीडियो बनाकर युवती ने दी जान

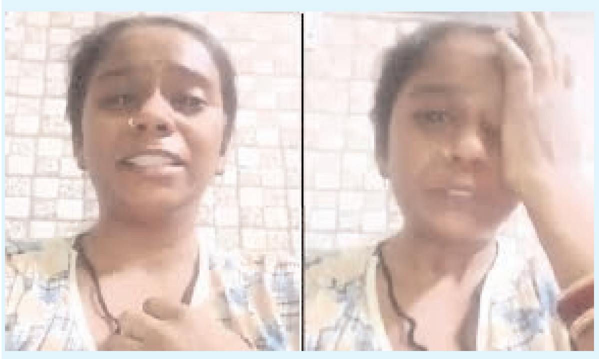

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। नांगलोई इलाके में 24 साल की एक महिला ने अपने ससुराल में फांसी लगाकर जान दे दी. पुलिस के मुताबिक, महिला मंगलवार दोपहर अपने घर में पंखे से लटकी मिली. मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, लेकिन पुलिस को महिला के मोबाइल फोन में तीन मिनट से ज्यादा का एक वीडियो मिला. इस वीडियो में महिला ने अपने माता-पिता, पति और परिवार के अन्य लोगों से बात की है. वीडियो में महिला ने अपने पिता से कहा कि वह जा रही है. उसने अपने माता-पिता से उसकी मौत के बाद किसी कानूनी पचड़े में न पड़ने की बात कही. साथ ही उसने माता पिता से अपनी डेढ़ साल की बेटी का ध्यान रखने की अपील की. महिला ने यह भी कहा कि वह नहीं चाहती कि उसकी बेटी किसी और को दी जाए, यहां तक कि उसके पति को भी नहीं. पुलिस के अनुसार,महिला की शादी करीब ढाई साल पहले हुई थी. वह अपने पति के साथ नांगलोई में रहती थी. दोनों की एक डेढ़ साल की बेटी है. वीडियो में महिला ने कहा कि वह सिर्फ एक छोटा परिवार चाहती थी. उसने यह भी कहा कि उसने कभी किसी तरह का काला जादू नहीं किया. महिला ने अपने ससुराल वालों पर बुरा व्यवहार करने का आरोप लगाया. उसने अपने पति को मानसिक रूप से अस्थिर बताया और कहा कि अब वह उसके साथ नहीं रह सकती. पुलिस को मंगलवार को इस घटना की सूचना मिली थी. इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. पुलिस ने बताया कि शादी के सात साल के भीतर महिला की मौत होने के कारण एसडीएम और तहसीलदार को जांच की जानकारी दी गई. तहसीलदार ने महिला की मां का बयान दर्ज किया.

दिल्ली सरकार का अब तक का सबसे बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने अपने गठन के बाद अब तक का सबसे बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। सरकार ने 17 द्धस् अधिकारियों के कामकाज में बदलाव करते हुए कुल 50 से ज्यादा अफसरों का तबादला और नई तैनाती की है। इस बदलाव के तहत कई विभागों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं और चार मंत्रियों के सचिव भी बदले गए हैं। सरकार का कहना है कि यह कदम प्रशासनिक कामकाज को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए उठाया गया है। अधिकारियों के इस बड़े फेरबदल को दिल्ली सरकार की कार्यशैली में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग में बड़ा बदलाव

हाल ही में स्वास्थ्य विभाग और दवा खरीद से जुड़े मामलों को लेकर उठे सवालों के बाद सरकार ने स्वास्थ्य प्रशासन में भी बदलाव किए हैं। विभाग में दो नए स्पेशल सेक्रेटरी तैनात किए गए हैं ताकि निगरानी और प्रशासनिक नियंत्रण को मजबूत किया जा सके। फेरबदल के दौरान चार मंत्रियों के सचिवों की जिम्मेदारियां भी बदली गई हैं। सरकार का मानना है कि इससे विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा और फैसलों के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। लोक निर्माण विभाग सामान्य प्रशासन विभाग सतर्कता विभाग सूचना एवं प्रचार विभाग योजना और अन्य प्रमुख प्रशासनिक इकाइयां सरकार का क्या कहना है? सरकार के अनुसार यह फेरबदल बेहतर प्रशासन, जवाबदेही और कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है। अधिकारियों की नई तैनाती से विभागों के कामकाज में तेजी आने और निगरानी व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है।

बीजेपी और शिंदे से ही नहीं, क्या कांग्रेस और शरद पवार से भी नाराज हैं उद्धव ठाकरे?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। सियासत में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की नाराजगी सिर्फ बीजेपी और एकनाथ शिंदे से ही नहीं है बल्कि महाविकास अघाड़ी के अपने साथियों से भी है. उद्धव ने अपने 6 सांसदों की बगावत के बाद महाविकास अघाड़ी के विधायकों की बैठक बुलाई थी, जिसमें कांग्रेस और शरद पवार के न पूरे विधायक पहुंचे और न ही बड़े नेता. महाविकास अघाड़ी के विधायकों की बैठक उद्धव ठाकरे ने पूछा कि हम कहते तो हैं कि साथ हैं, लेकिन क्या हम वकायी में साथ हैं. महाविकास अघाड़ी की एकता सिर्फ बैठकों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि अगर गठबंधन सच में साथ है तो यह बात सड़क और सदन के भीतर भी दिखनी चाहिए. उद्धव ठाकर ने जिस तरह महाविकास अघाड़ी की एकजुटता पर संदेह जाहिर किया है, उससे साफ है कि कांग्रेस और शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) के रवैए से खुश नहीं है. उद्धव ठाकरे को लगता है कि उनके संकट के दौर में महाविकास अघाड़ी का कोई साथी उनके साथ खड़ा नजर नहीं आया. शिवसेना (यूबीटी) के 6 लोकसभा सांसदों की बगावत के बाद उद्धव ठाकरे ने बुधवार देर शाम महाविकास अघाड़ी के विधायकों की बैठक बुलाई थी. उद्धव ने मीटिंग में महाविकास अघाड़ी के साथियों के बड़े नेताओं को बुलाया गया था. इस बैठक में महाविकास अघाड़ी के 60 में से 37 विधायक ही पहुंचे थे और 23 विधायक शामिल नहीं हुए. महाराष्ट्र विधानसभा के मॉनसून सत्र के बीच उद्धव ठाकरे ने विधायकों की बैठक बुलाई थी, जिसके बाद भी पूरे विधायक नहीं पहुंचे. इसके अलावा गठबंधन के बड़े नेताओं में से भी कोई शरीक नहीं हुआ. एनसीपी (एसपी) के नेता जयंत पाटिल भी नहीं पहुंचे और न ही शरद पवार शामिल हुए.. इसे लेकर उद्धव ठाकरे का अब दर्द छलक गया है और उन्होंने महाविकास अघाड़ी की एकता पर ही सवाल उठा दिया. उद्धव ठाकरे अब जोर दे रहे हैं कि महाविकास अघाड़ी की एकजुटता सिर्फ बैठकों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए . अगर हमारा गठबंधन सच में साथ है, तो यह बात सदन के भीतर भी दिखनी चाहिए और राज्यभर में भी. उन्होंने कहा कि महाविकास अघाड़ी के रूप में हम राज्य में एक बड़ी ताकत हैं. हमें आपस में समन्वय बनाए रखना होगा और भविष्य में तीनों पार्टियां मिलकर संयुक्त सभाएं, रैलियां करेंगी. शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम कहते हैं कि हम एक साथ हैं, लेकिन क्या हम वास्तव में एक साथ हैं? क्या हम सदन में महाविकास अघाड़ी के रूप में एकजुट हैं? क्या हम एक साथ मिलकर मुद्दे उठाते हैं. एकजुट विपक्ष के रूप में काम करना चाहिए. इसके अलावा पूरे राज्य में होने वाली सभाएं, बैठकें और आंदोलन तीनों पार्टियों को मिलकर करने चाहिए, ताकि पूरे महाराष्ट्र में हमारी एकजुटता का संदेश जाए. उद्धव ठाकरे की नाराजगी अपने दोनों ही सहयोगी दलों से है, क्योंकि उन्होंने यह सवाल ऐसे वक्त पर उठा है, जब उनके गुट के 6 सांसद अलग हो चुके हैं. विधानसभा सत्र के बीच बैठक में महाविकास अघाड़ी के 23 विधायक नहीं पहुंचे. इसलिए उन्हें लगता है कि महाविकास अघाड़ी सिर्फ एकजुटता की बात करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर एकता नहीं है. उनके छलका दर्द ने शरद पवार की एनसीपी (एसपी) के मतभेदों को सतह पर ला दिया है. महाराष्ट्र की राजनीति में उद्धव ठाकरे बीजेपी और एकनाथ शिंदे से नाराज है. यह नाराजगी समझ में आती है कि एकनाथ शिंदे ने उनसे सत्ता छीनने के साथ शिवसेना भी छीन ली. उद्धव ठाकरे के 40 विधायकों को शिंदे ने 2022 में अपने साथ मिला लिया था, उसके बाद अब दोबारा से शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सांसदों ने बगावत कर शिंदे का दामन थाम लिया है. इस तरह शिंदे ने दो बार उद्धव ठाकरे को सियासी झटका ही नहीं दिया बल्कि उनकी राजनीति को हिलाकर रख दिया है. उद्धव ठाकरे को लगता है कि उनकी पार्टी में हुई बगावत के पीछ बीजेपी का हाथ है. बीजेपी के मदद से ही एकनाथ शिंदे ने उनकी सत्ता छीनी और पार्टी तोड़ने का काम किया. इसी वजह से उद्धव की नाराजगी बीजेपी और शिंदे से है, जो साफ जाहिर होती है, लेकिन अब जिस तरह से उन्होंने महाविकास अघाड़ी को लेकर सवाल खड़े किए हैं, उसकी वजह क्या है? शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी के साथ अपना 25 साल पुराना गठबंधन तोड़कर कांग्रेस और एनसीपी के साथ हाथ मिलाया था. उद्धव ने वैचारिक मतभेद के बाद भी कांग्रेस और एनसीपी से मिलकर सरकार बनाई, लेकिन जब उनकी पार्टी में बगावत हुई तो महाविकास अघाड़ी साथ नहीं खड़ी हुई. एकनाथ शिंदे के बागवत के समय उद्धव ठाकरे अकेले पड़ गए थे, कांग्रेस और शरद पवार नहीं दिखे. शवसेना (यूबीटी) के भीतर यह भावना ह कि उनकी पार्टी के राजनीतिक हितों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है.

शादी कार्ड पर अब लिखनी होगी दूल्हे-दुल्हन की जन्म तिथि, बाल विवाह रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार का बड़ा कदम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। बाल विवाह जैसी अवैध प्रथा को जड़ से खत्म करने के लिए राज्य सरकार एक अनोखा नियम लागू करने पर विचार कर रही है. इसके तहत अब शादी के निमंत्रण पत्रों (कार्ड) पर दूल्हे और दुल्हन की जन्म तिथि लिखना जरूरी होगा. साथ ही बाल विवाद में मदद करने वालों के खिलाफ में FIR दर्ज की जाएगी. महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने बुधवार को विधानसभा में बीजेपी सदस्य अतुल भातखलकर द्वारा उठाए गए एक सवाल के जवाब में बताया कि राज्य सरकार बाल विवाह की अवैध प्रथा को रोकने के उद्देश्य से शादी के निमंत्रण पत्रों पर दूल्हा और दुल्हन दोनों की जन्म तिथि लिखना अनिवार्य करने के नियम पर गंभीरता से विचार कर रही है. उन्होंने कहा कि राज्य का टारगेट अगले पांच सालों में इस गैर-कानूनी प्रथा की घटनाओं को 10 प्रतिशत से नीचे लाना है. महाराष्ट्र ने राजस्थान सरकार को पत्र लिखकर शादी के निमंत्रण कार्ड पर दूल्हा और दुल्हन दोनों की जन्मतिथि लिखने की उनकी प्रक्रिया का अध्ययन करने को कहा है. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ग्रामीण विकास और कानून एवं न्याय विभागों के साथ बातचीत करके इसी तरह की व्यवस्था को अपनाने की संभावना की जांच करेगी. महिला एवं बाल विकास मंत्री ने सदन को सूचित किया कि महाराष्ट्र में बाल विवाह की दरों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है. साल 2019-21 के सर्वे में राज्य में बाल विवाह का आंकड़ा 21.9 प्रतिशत था जो नवीनतम 2023-24 के सर्वे में घटकर 19.6 प्रतिशत पर आ गया है. ये स्थिति देश के मौजूदा राष्ट्रीय औसत (लगभग 20.1 प्रतिशत) के मुकाबले काफी बेहतर है. प्रशासनिक आंकड़ों को साझा करते हुए मंत्री ने बताया कि साल 2025-26 में अब तक सरकारी तंत्र ने मुस्तैदी दिखाते हुए 1,434 बाल विवाह रुकवाए हैं और इस संबंध में 136 FIR भी दर्ज की हैं. अदिति तटकरे ने बताया कि साल 2024-25 में 1,495 बाल विवाह रोके गए थे, जबकि 2023-24 में 1,253 शादियां रुकवाई गई और 108 एफआईआर दर्ज हुईं. इससे पहले 2022-23 में 930 मामले रोके गए और 81 FIR हुईं. वहीं, 2021-22 में 831, 2020-21 में 519, 2019-20 में 240 और 2018-19 में 147 बाल विवाह रोके गए थे और 10 FIR दर्ज की गई थीं. उन्होंने स्पष्ट किया कि रोके जाने वाले बाल विवाहों की बढ़ती संख्या का मतलब ये नहीं है कि ये मामले बढ़ रहे हैं, बल्कि ये सरकारी मशीनरी द्वारा बेहतर पहचान, रिपोर्टिंग और तुरंत हस्तक्षेप को दिखाता है.

शादी कराने वाले मददगारों पर भी होगी FIR

सरकार ने इस सामाजिक बुराई में शामिल लोगों के खिलाफ अपनी कार्रवाई का दायरा काफी बढ़ा दिया है. मंत्री ने साफ किया कि अब केवल बाल विवाह कराने वाले परिवार के सदस्यों पर ही कार्रवाई नहीं हो रही, बल्कि जानबूझकर ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देने वाले पंडितों (पुजारियों), संगीतकारों और विवाह समारोह में शामिल होने वाले अन्य सहयोगियों के खिलाफ भी सख्त कानूनी कदम उठाए जा रहे हैं.

दिल्ली की सड़कों का कायाकल्पः 658 करोड़ से चमकेगी 270 किमी सड़क

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सड़कों को लेकर एक बड़ा फैसला लिया गया है. रेखा गुप्ता सरकार ने शहर की 270 किलोमीटर से ज्यादा लंबी सड़कों को नया बनाने का प्लान मंजूर किया है. इसके लिए सरकार करीब 658 करोड़ रुपये खर्च करेगी. दिल्ली की सड़कों को बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. बुधवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में व्यय वित्त समिति यानी EFC की बैठक हुई. इस बैठक में 270.63 किलोमीटर लंबी सड़कों को नया बनाने और मजबूत करने के लिए 657.99 करोड़ रुपये की योजना को हरी झंडी दी गई. सरकार का कहना है कि इस काम से दिल्ली की सड़कें आधुनिक तरीके से बनेंगी. इससे सड़कों की क्वालिटी अच्छी होगी और लोगों को सफर करने में आसानी होगी. इस पूरे काम को तीन हिस्सों में बांटा गया है. पूर्वी दिल्ली में 58.29 किलोमीटर सड़कें बनेंगी, जिसके लिए 147.08 करोड़ रुपये खर्च होंगे. उत्तरी दिल्ली में 104.42 किलोमीटर सड़कें बनेंगी, जिसकी लागत 247.31 करोड़ रुपये होगी. दक्षिणी दिल्ली में सबसे ज्यादा 107.92 किलोमीटर सड़कें बनेंगी, जिसके लिए 263.61 करोड़ रुपये तय किए गए हैं. तीन जोन में बंटे इस काम को अक्टूबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे सड़कें ज्यादा मजबूत बनेंगी. सड़कें बनाने के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल होगा. पहले पुरानी और खराब सड़क की ऊपरी परत को मशीन से हटाया जाएगा. इसके बाद नई और मजबूत परत बिछाई जाएगी, जिससे सड़कें ज्यादा टिकाऊ बनेंगी. इसके साथ ही सड़कों पर नई लाइन बनाई जाएगी, साइन बोर्ड लगाए जाएंगे और बारिश का पानी निकालने का भी इंतजाम किया जाएगा. इस बार सरकार ने टेंडर देने का तरीका भी बदला है. पहले हर सड़क का अलग टेंडर होता था, लेकिन अब पूरे जोन का एक साथ टेंडर दिया जाएगा. इससे काम की निगरानी बेहतर होगी. साथ ही ठेकेदार को 5 साल तक सड़क की जिम्मेदारी लेनी होगी, यानी इस दौरान कोई खराबी आई तो उसे ठीक करना ठेकेदार का काम होगा. सरकार ने यह भी कहा है कि धूल कम करने के लिए हवा से जुड़े नियमों का भी पालन किया जाएगा.

मॉनसून सत्र शुरू होने से पहले शिवसेना BT और TMC के बागियों पर फैसला लेंगे ओम बिड़ला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला मॉनसून सत्र शुरू होने से पहले तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना के बागी सांसदों के मामले पर कोई फैसला लेंगे। स्पीकर तृणमूल और शिवसेना नेताओं से दो बार मिल चुके हैं और दोनों पक्षों की बात सुन चुके हैं। DMK और तृणमूल सांसदों के INDIA ब्लॉक से अलग बैठने के मुद्दे पर भी फ़ैसला लिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा सचिवालय में कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञों के साथ इस पर चर्चा चल रही है। अध्यक्ष पहले ही मूल पार्टियों और अलग हुए गुटों, दोनों का पक्ष सुन चुके हैं। ञरूष्ट के मामले में, बिरला ने पार्टी के लोकसभा नेता अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल और बागी गुट के सदस्यों से मुलाकात की। शिवसेनों विभाजन के मामले में भी ऐसी ही प्रक्रिया अपनाई गई थी। सूत्रों के अनुसार, संसद से जुड़े कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञ अभी इस मामले की जांच कर रहे हैं और अंतिम फैसला लेने से पहले अपनी सिफारिशें देने की उम्मीद है। इसी तरह की स्थितियों में पीठासीन अधिकारियों के पिछले फैसलों का भी अध्ययन किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी फैसला कानूनी और संवैधानिक रूप से सही हो। इस बीच, लोकसभा सचिवालय मॉनसून सत्र से पहले बैठने की संभावित व्यवस्था पर काम कर रहा है; यह सत्र आमतौर पर जुलाई के तीसरे सप्ताह में बुलाया जाता है। TMC और शिवसेना के बागी गुटों के अलावा, DMK ने भी कांग्रेस के साथ अपना लंबे समय से चला आ रहा गठबंधन टूटने के बाद बैठने की अलग व्यवस्था की मांग की है। कांग्रेस ने हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की पार्टी TVK के साथ हाथ मिलाया है। अध्यक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती तृणमूल कांग्रेस से जुड़ी है। 2024 के लोकसभा चुनावों में TMC के टिकट पर चुने गए 29 सांसदों में से 20 अलग हो गए हैं और उन्होंने खुद को नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया के साथ जोड़ लिया है। यह हावड़ा स्थित एक पंजीकृत लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टी है। इस समूह ने लोकसभा में बैठने की अलग व्यवस्था की मांग की है और नरेंद्र मोदी सरकार के प्रति समर्थन और NDA में शामिल होने की इच्छा भी जताई है तब से एक TMC सांसद का निधन हो गया है, जिससे सदन में पार्टी के सदस्यों की संख्या 28 रह गई है। महाराष्ट्र में, शिवसेना के टिकट पर चुने गए नौ सांसदों में से छह ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का दामन थाम लिया है।

उद्धव ठाकरे की मीटिंग से 23 विधायक नदारद, मॉनसून सत्र के बीच महाराष्ट्र में MVA को लगा तगड़ा झटका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के मॉनसून सत्र के बीच महा विकास अघाड़ी ने बुधवार को मुंबई में अपने विधायकों की एक खास बैठक बुलाई। गठबंधन की तीनों पार्टियों के कुल 60 विधायकों में से सिर्फ 37 के शामिल होने से राज्य की राजनीति में नई अटकलें शुरू हो गई हैं। खबरों के मुताबिक, बैठक में गठबंधन के भीतर तालमेल और उसकी संगठनात्मक ताकत पर चर्चा हुई। मुंबई में हुई इस बैठक में शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के साथ-साथ संजय राउत, शशिकांत शिंदे और सतेज पाटिल मौजूद थे। यह बैठक मॉनसून सत्र के दौरान बुलाई गई थी। इसमें विधानसभा में जनता से जुड़े मुद्दों को ज़ोर-शोर से उठाने, सदन के अंदर और बाहर एकजुट रुख अपनाने और सभी सहयोगी पार्टियों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने पर ज़ोर दिया गया। राज्य के मौजूदा राजनीतिक हालात की भी समीक्षा की गई। हाल ही में पार्टी छोड़कर जाने वालों के बीच नेतृत्व ने यह संदेश दिया कि जो लोग चले गए हैं, उन पर ध्यान न दें। आगे की लड़ाई पर ध्यान दें। हालांकि बैठक को उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया नहीं मिली। जहां एमवीए के लगभग 60 विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के शामिल होने की उम्मीद थी, वहीं सिर्फ 37 सदस्य ही पहुंचे। नतीजतन एकजुटता दिखाने के मकसद से बुलाई गई बैठक से लगभग आधे सदस्यों की गैर-मौजूदगी ने कई तरह की अटकलों को जन्म दिया है। उद्धव ठाकरे की मीटिंग से गायब रहने वाले विधायकों में 6 कांग्रेस, 5 शिवसेना (यूबीटी) और पांच एनसीपी (शरद चंद्र पवार) के हैं। माना जा रहा है कि कमजोर हो रहे उद्धव गुट की अनदेखी के लिए कांग्रेस के बड़े नेताओं ने मीटिंग से दूरी बना ली। बताया जा रहा है कि एमवीए की बैठक के दौरान उद्धव ठाकरे ने गठबंधन के भीतर तालमेल को लेकर खुलकर चिंता जताई। उन्होंने पूछा कि हम महा विकास अघाड़ी के तौर पर एकजुट होने का दावा तो करते हैं, लेकिन क्या हम सच में एकजुट हैं? उन्होंने सवाल उठाया कि क्या विपक्ष सदन में एकजुट रुख अपनाता है और क्या वे उन्हीं मुद्दों पर जोर-शोर से लड़ते हैं।

IPL टीमों का फिजियोथेरेपिस्ट रह चुका शख्स दिल्ली में गिरफ्तार, सट्रीट डॉग के साथ की थी 'हैवानियत'

स्ट्रीट डॉग पर बार-बार गाड़ी चढ़ाकर मारने के मामले में पुलिस ने आरोपी सैफी हसन नकवी को गिरफ्तार किया पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई थी जमानती धारा होने के कारण आरोपी को थाने से ही जमानत मिल गई।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के जगतपुरी स्थित जितार नगर में बीते गुरुवार को एक थार ड्राइवर के एक स्ट्रीट डॉग को जानबूझकर कुचलने का मामला सामने आया। आरोप है कि चालक ने एक बार नहीं, बल्कि तड़प रहे डॉगी के ऊपर तीन-चार बार गाड़ी बैक कर चढ़ाई, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हो गई। सोशल मीडिया पर घटना का विडियो भी जमकर वायरल हुआ था। हादसे के बाद आरोपी फरार हो गया था, लेकिन जगतपुरी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी कार चालक डॉ. सैफी हसन नकवी को 22 जून को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि गिरफ्तार आरोपी आईपीएल टीमों के साथ सीनियर फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में काम कर चुका है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एनजीओ चलाने वाले खजूरी खास निवासी पराग महेश्वरी ने 19 जून को शिकायत दी थी। आरोप लगाया गया कि जितार नगर में रहने वाले एक कार चालक ने जानबूझकर एक आवारा डॉगी पर गाड़ी चढ़ा दी। आरोप है कि ड्राइवर ने गाड़ी को कई बार बैक कर डॉगी के ऊपर चढ़ाया, जिससे उसकी मौत हो गई। उनके बयान पर बीएनएस की धारा 323 (पशुओं को मारकर या अपंग करके नुकसान पहुंचाने का अपराध) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। फिर सीसीटीवी फुटेज की मदद और लोगों से पूछताछ की गई तो पता चला कि यह कार डॉ. सैफी हसन नकवी की है और वह जितार नगर में ही रहता है। बाद उसकी गाड़ी भी घर के अंदर खड़ी मिली। हालांकि घटना के बाद से वह फरार चल रहा था। आखिरकार उसकी पहचान करने के बाद 22 जून को गिरफ्तार कर लिया। लेकिन जमानती धारा होने के कारण उसे थाने से ही जमानत मिल गई।

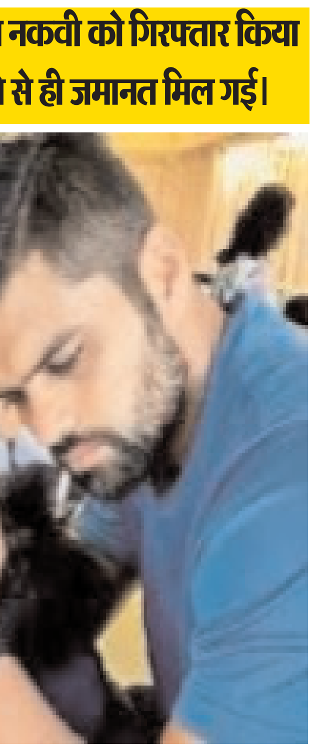

डोंगरगढ़-बोरतलाव मार्ग बना पशु तस्करों का सुरक्षित कॉरिडोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव, हेमंत वर्मा। जिले के डोंगरगढ़ एवं बोरतलाव थाना क्षेत्र से बड़े पैमाने पर पशु तस्करी किए जाने के आरोपों को लेकर हिंदू जागरण मंच जिला राजनांदगांव ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। संगठन का आरोप है कि क्षेत्र से प्रतिदिन दिन और रात के समय वाहनों के माध्यम से गाय, भैंस सहित अन्य मवेशियों की अवैध तस्करी की जा रही है। तस्कर इन पशुओं को महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश के विभिन्न कट्टीखानों तक पहुंचा रहे हैं जबकि कुछ स्थानीय लोग भी इस पूरे नेटवर्क को संचालित करने में संलिप्त बताए जा रहे हैं। हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में बताया कि डोंगरगढ़ एवं बोरतलाव थाना क्षेत्र की सड़कों का उपयोग पशु तस्करों द्वारा खुलेआम किया जा रहा है। संगठन के अनुसार, यह मार्ग तस्करों के लिए बेहद सुगम और सुरक्षित बन गया है, जिसके चलते रोजाना बड़ी संख्या में मवेशियों का अवैध परिवहन किया जा रहा है। मंच का दावा है कि विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बाहर के क्षेत्रों से मवेशियों को पहले डोंगरगढ़ लाया जाता है, जिसके बाद उन्हें स्थानीय वाहनों में भरकर महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश की सीमा तक पहुंचाया जाता है। सूत्रों ने यह भी जानकारी दी है कि कुछ स्थानों पर डेयरी व्यवसाय की आड़ में पशुओं को रखा जाता है और बाद में उन्हें वाहनों के माध्यम से अवैध रूप से परिवहन कर तस्करी की जाती है। ज्ञापन के माध्यम से हिंदू जागरण मंच ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि डोंगरगढ़ और बोरतलाव थाना क्षेत्र से गुजरने वाले सभी मवेशी वाहनों की नियमित एवं सघन जांच की जाए। साथ ही अवैध परिवहन और पशु तस्करी में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों तथा वाहनों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

विकास, विश्वास एवं जनकल्याण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। शहीद भगत सिंह शक्ति केंद्र, भाजपा नगर मंडल द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सफल 12 वर्षों के कार्यकाल पर आधारित 'विकास के, विश्वास के, जनकल्याण के' विषय पर गुरुवार को शेषशायी महाविद्यालय, नागदा में भव्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कलात्मक प्रतिभा के माध्यम से मोदी सरकार के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा नए भारत की परिकल्पना को रंगों में साकार किया। दो घंटे तक चली इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने वर्ष 2014 से पूर्व के भारत और वर्तमान भारत के विकास की तस्वीर को अपनी कल्पनाशीलता एवं अद्भुत चित्रकला शैली के माध्यम से कैनवास पर उकेरा।

मेनका गांधी को एक करोड़ रुपए का मानहानि का नोटिस दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती मेनका गाँधी द्वारा जैन संस्कृति एवं संतों के परम पवित्र धार्मिक उपकरण पिच्छी (मोरपंख से निर्मित) को लेकर दिए गए एक अत्यंत गैर-जिम्मेदार, भ्रामक, असत्य , मनगढ़ंत और अमर्यादित बयान ने भारत वर्षीय देश-विदेश में निवास करने वाले करोड़ों जैन धर्मावलंबियों की भावनाओं को गहरे रूप से आहत किया है। विश्व जैन संगठन एवं राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ के प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि जैन समाज धार्मिक , संस्कृति की मान्यताओं और अहिंसा के मूल सिद्धांतों के प्रति मेनका गांधी की घोर अज्ञानता को उजागर करने वाले इस बयान के विरोध में भारत वर्षीय जैन समाज ने कानूनी मोर्चा खोल दिया है। दद्दू ने बताया कि 23 जून को मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) के जैन समाज के प्रतिष्ठित विधिक अधिवक्ता निपुण जैन के माध्यम से भारत वर्षीय सकल दिगंबर जैन समाज, जैन युवा संगठन, विश्व जैन संगठन, राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ और श्री णमोकार महामंत्र समिति सहित समाज के या था मेनका गाँधी का बयान और क्यों है यह उनकी अज्ञानता का प्रमाण- प्रस्तुत विधिक नोटिस के अनुसार, हाल ही में दिगंबर जैन संत आचार्य श्री सौरभ सागर महाराज सार्वजनिक रूप से यह निंदनीय आरोप लगाया था कि जैन समाज द्वारा लाखों मोरों की हत्या करके उनके पंख प्राप्त किए जाते है।

अखिल भारत हिंदू क्रांति सेना में संगठन विस्तार

गणपत सिंह दुलावत बने प्रदेश अध्यक्ष, सौरभ सिंह शेखावत को मिली राष्ट्रीय मंत्री की जिम्मेदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ब्यावर। अखिल भारत हिंदू क्रांति सेना के संगठन विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक भंवर सिंह पलाड़ा ने गणपत सिंह दुलावत को राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी प्रदान की। इस अवसर पर भंवर सिंह पलाड़ा ने गणपत सिंह दुलावत को साफा पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके सफल नेतृत्व की कामना की।

कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद सोनी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेश पालीवाल ने गणपत सिंह दुलावत को भगवा दुपट्टा पहनाकर नई जिम्मेदारी की शुभकामनाएं दीं।

उपस्थित पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में संगठन प्रदेशभर में और अधिक मजबूत होगा तथा राष्ट्र, धर्म एवं समाजहित के कार्यों को नई गति मिलेगी। इसी क्रम में संगठन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सौरभ सिंह शेखावत की संगठन के प्रति दीर्घकालीन सेवाओं, सक्रिय भूमिका एवं समर्पण को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय मंत्री पद पर नियुक्त किया गया।

पदोन्नति की घोषणा पर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उनका अभिनंदन करते हुए

उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी मनीष पालीवाल,सुरेन्द्र सिंह,ऋषभ सिंह खरवा, डूंगर सिंह देवड़ा, पवन टांक, पवन राणा, धनपत सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभी ने संगठन को मजबूत बनाने, हिंदू समाज के हितों की रक्षा करने तथा राष्ट्रवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया। राष्ट्रीय संरक्षक भंवर सिंह पलाड़ा ने कहा कि संगठन में कार्यकर्ताओं की मेहनत, निष्ठा और समर्पण के आधार पर जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं।

उन्होंने विश्वास जताया कि गणपत सिंह दुलावत प्रदेश अध्यक्ष एवं सौरभ सिंह शेखावत राष्ट्रीय मंत्री के रूप में संगठन की विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों ने नव नियुक्त पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा संगठन के विस्तार और आगामी गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की। उपस्थित कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा और सभी ने संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

वेनेजुएला भूकंप : पीएम मोदी ने दुख जताया, कहा- हर संभव मदद करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेनेजुएला के उत्तरी तट पर गुरुवार को आए भीषण भूकंप ने व्यापक तबाही मचाई, जिसके बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए भारत की ओर से हरसंभव मदद का ऐलान किया है। 7.5 तीव्रता के इस शक्तिशाली भूकंप ने राजधानी कराकास में दहशत फैला दी, जहां कई इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और कुछ ढह गईं। भूकंप के झटके इतने तीव्र थे कि लोग अपने घरों और दफ्तरों से निकलकर सड़कों पर आ गए, अपने परिवारों और पालतू जानवरों को बचाने का प्रयास करते हुए देखा गया। घटना के बाद सामने आए वीडियो में इमारतों को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त दिखाया गया, जिनमें से कई झुक गईं, जिससे उनके भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी वेनेजुएला के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करते हुए मदद का ऐलान किया है, और देश को नया दोस्त बताया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, मुख्य भूकंप की तीव्रता 7.5 मापी गई, जबकि इससे ठीक 40 सेकंड पहले 7.2 तीव्रता का एक फोरशॉक भी महसूस किया गया था। भूकंप का केंद्र मोंटालबान से लगभग 28 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था, जो वेनेजुएला की कई महत्वपूर्ण तेल रिफाइनरियों के निकट है। शुरुआत में अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने प्यूर्टो रिको और वर्जिन आइलैंड्स सहित आसपास के इलाकों के लिए सुनामी अलर्ट जारी किया था, लेकिन बाद में स्थिति की समीक्षा के बाद इस चेतावनी को वापस ले लिया गया, जिससे सुनामी का खतरा टल गया। सोशल मीडिया पर कराकास की इमारतों के ढहने और दीवारों के टूटने के दृश्य सामने आए, जिससे कई इलाकों में धूल का गुबार छा गया। हालांकि अभी तक हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं हुई है, बड़े पैमाने पर जान-माल के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

सूरत ज़िले में किसानों की ज़मीन से गुज़र रही हाई-टेंशन बिजली लाइनों के विरोध में किसानों के साथ ओलपाड में रैली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ओलपाड। गुजरात के अलग-अलग ज़िलों में किसानों की उपजाऊ ज़मीन से गुज़र रही हाई-टेंशन बिजली ट्रांसमिशन टावर लाइन के विरोध में किसानों ने सरकार के खिलाफ़ हाथ उठा लिए हैं। इसी के तहत, गुरुवार को गुजरात खेडुत समाज के बैनर और नारों के साथ किसान ओलपाड शहर में इकट्ठा हुए और ज़बरदस्त विरोध और सरकार विरोधी बैनर और नारों के साथ एक रैली निकाली। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री को संबोधित किया और ओलपाड ममलतदार को कई बातें बताईं और अपनी मांगों के साथ एक अर्ज़ी दी। गुरुवार, 25 तारीख को ओलपाड, कामरेज, मांगरोल, मांडवी, बारडोली, पलसाना, महुवा तालुका के प्रभावित किसानों ने एक पिटीशन दी है और सरकार की किसान विरोधी नीतियों का विरोध किया है। इस रैली के दौरान, गुजरात खेडुत समाज संघर्ष समिति और गु.प्र. कांग्रेस खेडुत मोर्चा के प्रेसिडेंट जयेश पटेल (पाल), गु.प्र. कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी और किसान नेता दर्शन नायक के साथ-साथ डी.जी. खेडुत समाज के प्रेसिडेंट रमेश पटेल (ओरमा) ने केंद्र और राज्य सरकारों की कई किसान विरोधी नीतियों का विरोध किया। उन्होंने किसानों की ओर से एक पिटीशन में कहा कि वर्तमान में राज्य सरकार किसानों की कीमती और उपजाऊ जमीन पर 440, 500, 765 और 800 चक्क के बड़े बिजली के टावर किसानों के खेतों से गुजार रही है। सरकार, प्रशासन और पुलिस सिस्टम की मिलीभगत से प्रभावित किसानों पर दबाव डालकर किसानों के खेतों में बिना उनकी इजाज़त के ये बिजली के टावर खड़े करने की कोशिश की जा रही है। इस स्थिति से पूरे दक्षिण गुजरात के किसानों में बहुत नाराज़गी और गुस्सा है। गुजरात किसान समाज ने केंद्र सरकार को दी गई अर्जी में 09 अलग-अलग मांगें रखी हैं कि इस मामले में दखल दिया जाए और सही कानून बनाए जाएं। किसान समाज ने देश के प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में अनुरोध किया है कि जब तक केंद्र या राज्य सरकार इन सभी मुद्दों पर कोई सही पॉलिसी या कानून नहीं बनाती, तब तक बिजली के टावर लाइन बिछाने के लिए ज़मीन लेने का सारा काम तुरंत रोक दिया जाए। इस असर को रोका जाए। अगर किसान समाज यह मांग नहीं मानता है, तो गांधी ने चिंध्य की तर्ज पर पूरे राज्य में आंदोलन जारी रखने की धमकी दी है।

पिटीशन में किसान कम्युनिटी की 09 अलग-अलग मांगें

किसान कम्युनिटी की 09 अलग-अलग मांगों में, कच्छ और गुजरात के दूसरे जिलों में रिन्यूएबल एनर्जी से 135 लक्ष्ङ बिजली बनाने के लिए कंपनियों को दिए गए लाइसेंस पर फिर से

विचार करना,बिजली पहुंचाने के लिए खेती की ज़मीन पर बड़े टावर लगाने के बजाय, अंडरग्राउंड केबल लाइन बिछाने की टेक्नोलॉजी अपनाना, बिजली टावर लगाने के लिए साल 1885 के ब्रिटिश राज के पुराने 'टेलीग्राफ एक्ट' का इस्तेमाल बंद करना और उसे रद्द करना, टावर लाइन का रूट सरकारी या बंजर ज़मीन से इस तरह तय करना जिससे उपजाऊ खेती की ज़मीन को कम से कम नुकसान हो, भारत सरकार के इलेक्ट्रिसिटी एक्ट-2003 के अलग-अलग सेक्शन जैसे 14,15, 16,68 और 164 में किसान-हितैषी बदलाव करना, लैंड एक्विजिशन एक्ट-2013 के नियमों के हिसाब से नियमों में बदलाव करना या बिजली टावर लगाने के लिए अलग से नया फेयर कानून बनाना, ब्लॉक नंबर और सर्वे नंबर की साफ जानकारी पब्लिक करना टावर लाइन लगाने से पहले जारी सरकारी नोटिफिकेशन में प्रभावित ज़मीन का ज़िक्र करना, बिजली लाइन का फ़ाइनल रूट तय करते समय उस इलाके की लोकल सेल्फ़-गवर्नमेंट संस्थाओं को भरोसे में लेना, नया क़ानून बनने तक प्रभावित किसानों को मुआवज़ा देना, गुजरात खेदूत समाज के सुझाए तीन ऑप्शन में से, (01) क्योंकि प्राइवेट कंपनियाँ कमर्शियल मुनाफ़ा कमा रही हैं, इसलिए किसानों को ज़मीन का मार्केट प्राइस के हिसाब से मुआवज़ा देना। (02) या किसानों को हर टावर/पिलर के लिए 50,000 रुपये महीने का किराया देना। (03) या प्रभावित किसान को हर टावर/पिलर के लिए 2 करोड़ रुपये एक बार में मुआवज़ा देना।

पॉवर ट्रांसमिशन के लिए करप्शन से खरीदी गई ज़मीन पर सबस्टेशन शुरू करने का माहौल बनाने की पॉलिटिकल हुक्मरानों की कोशिश

गुजरात खेडूत समाज किसान संघर्ष समिति के प्रेसिडेंट और गुजरात प्रदेश कांग्रेस किसान मोर्चा के प्रेसिडेंट जयेश पटेल (पाल) ने अपना गुस्सा ज़ाहिर करते हुए कहा कि, ओलपाड तालुका में करप्शन से खरीदी गई ज़मीन पर सबस्टेशन बनाने का कोई प्रोसेस अभी नहीं चल रहा है, इसके बावजूद प्राइवेट एजेंसियां ??किसानों को नोटिस देकर बिजली टावर लगाने की कोशिश कर रही हैं, जिससे सबस्टेशन करप्ट लोगों के हक में आने का माहौल बन रहा है, और आज इसका पर्दाफाश करने के लिए देश के प्राइम मिनिस्टर को एक पिटीशन भेजी गई है।

जयेश पटेल (डेलाड) एक बार फिर किसान समुदाय के बीच लौटे

ओलपाड में बिजली टावर लाइन के मुद्दे पर गुरुवार को किसान समुदाय की रैली में शामिल हुए जयेश पटेल (डेलाड) ने BJP सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, 'मैं पांच साल पहले किसानों के हितों और लंबित मुद्दों के लिए BJP में शामिल हुआ था। लेकिन BJP के राज में किसानों की कोई सुनवाई नहीं हो रही है।' सरकार सिर्फ उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने वाले फैसले लेती है, जिसे कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने दुख जताया कि BJP के नेताओं ने अपने निजी फायदे के लिए सरकार के हित में बिजली ट्रांसमिशन के लिए किसानों की जमीन ली है। वे किसी भी कीमत पर सरकार को वह जमीन नहीं देने वाले हैं। हालांकि, सुमुल डेयरी चुनाव के दौरान जयेश पटेल एक बार फिर किसान समुदाय के बीच लौट आए हैं। सुमुल डेयरी चुनाव ने जिले की राजनीति में काफी गर्मी पैदा कर दी है।

गलतफहमी हुई...बयान शिवराज सिंह या कार्तिकेय चौहान के बारे में नहीं था

-मानहानि मामले में राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में आवेदन देकर किया खेद व्यक्त

जबलपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आठ साल पुराने मानहानि मामले में केंद्रीय कृषि मंत्री और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह पर बयान देने के लिए खेद व्यक्त किया है। राहुल की तरफ से इस संबंध में कोर्ट में लिखित रूप से आवेदन दिया गया है। जबलपुर हाईकोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान राहुल गांधी की ओर से पेश वकील ने एक लिखित आवेदन दिया, जिसमें राहुल गांधी अपने बयान पर खेद जताया है। उनहोंने कहा कि यह बयान गलतफहमी में दिया गया था। हाईकोर्ट ने इस आवेदन पर कार्तिकेय से जवाब मांगा है और कहा है कि उनकी तरफ से लिखित प्रतिक्रिया कोर्ट में पेश की जाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में पहले से चल रहा है,

जहां राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज है। कोर्ट ने इस मामले में पहले ही समन भी जारी कर दिया था। यह मुकदमा शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय चौहान ने दाखिल किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने 2018 के चुनावी भाषण में पनामा पेपर्स लीक से जुड़े बयान में उनका नाम लिया था। इसी बयान को लेकर यह मानहानि का मामला दर्ज किया गया था। अब इस मामले पर अगली सुनवाई फिर से होगी।

राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ वकील ने कोर्ट को बताया कि जिस बयान के आधार पर मानहानि का मामला दर्ज किया गया है, वह मध्य प्रदेश के तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान या उनके बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान के बारे में नहीं था। उन्होंने कहा कि इस बयान को लेकर गलत समझ पैदा हुई है और इसे शिकायतकर्ता से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह मामला साल 2018 के विधानसभा चुनाव प्रचार का है, जब राहुल गांधी ने झाबुआ में एक जनसभा को संबोधित किया था। कार्तिकेय का आरोप है कि उस भाषण में राहुल गांधी ने पनामा पेपर्स का जिक्र करते हुए ऐसा बयान दिया था, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा। इस आरोप के आधार पर भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में उनके खिलाफ मानहानि का केस दर्ज किया गया था और कोर्ट ने समन जारी किया था।

भारतीय विमान के पाकिस्तान सीमा पार करने पर जांच तेज

-नई दिल्ली से उड़ा था विमान रास्ता भटक अमृतसर की जगह पहुंचा पाकिस्तान

-पाक एयर ट्रैफिक कंट्रोल की चेतावनी के बाद लौटा था, पायलट पर एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के खराब रिश्तों की वजह से आमतौर पर दोनों देशों ने विमानों के लिए हवाई क्षेत्र के दरवाजे बंद हैं, सोमवार रात दिल्ली से अमृतसर के लिए निकला एयर इंडिया का विमान एआई-321 अपने रास्ते से भटककर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में पहुंच गया। इसके बाद पाकिस्तान के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने इसे चेतावनी देकर वापस लौटने को कहा। इस मामले की जांच तेज हो गई है और संभावना जताई जा रही है कि पायलट पर एक्शन लिया जा सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एयर इंडिया का विमान ने सोमवार को रात नई दिल्ली से अमृतसर के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन रास्ता भटककर यह पाकिस्तान पहुंच गया। सूत्रों के मुताबिक पायलट को पाकिस्तान पहुंचने की जानकारी तब मिली, जब कंट्रोल सिस्टम पर पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी की चेतावनी आई। इसके बाद स्थानीय एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को दिल्ली लौटने का निर्देश दिया। इसके बाद विमान दिल्ली लौट आया।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक विमान में उड़ाने के दौरान नेवीगेशन सिस्टम में खराबी आ गई थी। इसलिए यह रास्ता भटक गया। एयरपोर्ट अधिकारी के मुताबिक विमान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में करीब डेढ़ मील तक अंदर चला गया था। उन्होंने इसे छोटी घटना बताते हुए कहा कि यह असामान्य नहीं है। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि पाकिस्तान से वापस आते समय विमान को अमृतसर में ही क्यों नहीं रोक इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वाप आते समय विमान स्टेबलाइज नहीं हो स था इसलिए इसे वापस भेज दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि पायलट व भारतीय सीमा के भीतर ही प्वाइंट पर चक्र लगाने के लिए कहा गया था, लेकिन पायल ने विमान को लगातार आगे बढ़ाना जारी र और फिर बाईं ओर मुड़ गया। इसकी वज से वह पाकिस्तान पहुंच गया। इस घटना सामने आने के बाद एयरलाइंस ने जांच आदेश दे दिए हैं। साथ ही पायलट को डयूटी रोस्टर से हटा दिया गया है। बता भारत और पाकिस्तान के बीच असामा रिश्तों की वजह से दोनों देशों के बीच हवाई संपर्क नहीं है। पहलगाम आतं हमले के बाद दोनों देशों ने हवाई क्षेत्र इस्तेमाल पर पाबंदी है, जिसकी वजह दोनों देशों के विमानों को लंबा रास्ता त करके जाना पड़ता है।

25 जून, 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय: सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। इमरजेंसी की 51वीं सालगिरह पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे देश के लिए काला अध्याय बताया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान देश में लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों को चोट पहुंचाई गई और लोकतंत्र की लड़ाई लड़ने वालों को यातनाएं सहनी पड़ीं। सीएम योगी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इमरजेंसी को याद किया। उन्होंने लिखा- 25 जून, 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह काला अध्याय है, जब आपातकाल थोप कर देश की संवैधानिक आत्मा को कुचलने की कोशिश की गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सत्ता के अहंकार में कांग्रेस द्वारा थोपे गए आपातकाल के अंधकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व नागरिक अधिकारों को गहरी चोट पहुंचाई। उस कठिन दौर में कठोर यातनाएं सहकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सभी महान लोकतंत्र सेनानियों को कोटिशः नमन।

वहीं यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पोस्ट मरें लिखा- भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून, 1975 वह काला दिन है, जब पीएम इंदिरा गांधी ने 'सत्ता के अहंकार' में चूर होकर देश पर आपातकाल थोपा था। इसके जरिए उन्होंने संविधान को अपने शिकंजे में कसकर जनता के मूलभूत अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर जमकर प्रहार किया। उन्हें गहरी चोट पहुंचाई। 'संविधान हत्या दिवस' हमें उस काले दौर की याद दिलाता है, जब असहमति की आवाज़ों को कुचला गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर पहरा बिठाया गया और लोकतंत्र सेनानियों को बेरहमी से जेलों की सलाख़ों के पीछे डाल दिया गया।

यह आपातकाल कांग्रेस की 'तानाशाही मानसिकता' का नतीजा था। लोकतंत्र की रक्षा के लिए तब की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अडिग रहकर संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों का साहस, त्याग और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। इस काले दौर का डटकर मुकाबला करने वाले उन सभी लोकतंत्र सेनानियों को बारंबार कोटि-कोटि नमन!

पैनासोनिक का मध्य प्रदेश प्लांट बंद होने की कगार पर

नई दिल्ली ।

मध्य प्रदेश के पीथमपुर में संचालित पैनासोनिक कंपनी का विनिर्माण संयंत्र वेस्ट मैनेजमेंट नियमों के बढ़ते अनुपालन खर्च के कारण गंभीर आर्थिक दबाव में बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार कंपनी को औद्योगिक अपशिष्ट के संग्रहण, उपचार और सुरक्षित निस्तारण पर भारी राशि खर्च करनी पड़ रही है। जिससे उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि हो रही है। प्रबंधन के सामने प्लांट के संचालन को लाभकारी बनाए रखना चुनौती बन गया है। बताया जा रहा है,यदि नियमों की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो कंपनी उत्पादन घटाने या संयंत्र बंद करने जैसे विकल्पों पर विचार कर सकती है। इस संभावित निर्णय से क्षेत्र में रोजगार और स्थानीय औद्योगिक गतिविधियों पर असर पड़ना तय है। हालांकि कंपनी की ओर से प्लांट बंद करने को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। कंपनी ने सरकार को जरूर परेशानी से अवगत करा दिया है। सरकार ने जल्द हस्तक्षेप नहीं किया तो कंपनी प्लांट बंद करने का निर्णय ले सकती है।

विवादों में डेटाल का विज्ञापन,चीन में बायकॉट की उठी मांग

नई दिल्ली ।

ब्रिटिश हाइजीन ब्रांड डेटॉल (डेटाल) को चीन में जारी इस विज्ञापन के कारण आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। इस विज्ञापन का मकसद टॉक्सिक पुरुषों (खराब सोच वाले पुरुषों) की आलोचना करना था, लेकिन इसके महिलाओं के लिए अपमानजनक माना गया। कंपनी ने विज्ञापन हटाते हुए सार्वजनिक माफी मांगी। मई के आखिर में जारी किए गए पांच मिनट के विज्ञापन में एक पुरुष अपनी गर्लफ्रेंड की तुलना अपनी पुरानी पार्टनर से करता है। कहानी में वह एक ऐसी महिला की तलाश की बात करता है जो उसके अनुसार साफ और अनछुई हो। वह यह भी कहता है कि भले ही वह स्वयं वर्जिन न हो, लेकिन उसकी भावी पत्नी का वर्जिन होना जरूरी है। विज्ञापन के अंत में उसकी नई गर्लफ्रेंड को उसकी सोच का पता चलता है। वह उसकी महिला-विरोधी मानसिकता की आलोचना करते हुए उससे रिश्ता खत्म कर देती है। इसके बाद एक वॉयसओवर में कहा जाता है कि टॉक्सिक पुरुष भी कीटाणुओं की तरह होते हैं, जिन्हें खत्म करने के लिए डेटॉल की जरूरत होती है।

ओडिशा में 50,000 करोड़ का मेगा समुद्री विस्तार, नया बंदरगाह और जहाज निर्माण क्लस्टर

राज्य की सामरिक स्थिति मजबूत होगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

नई दिल्ली ।

ओडिशा अपनी समुद्री क्षमता को अभूतपूर्व विस्तार देने की तैयारी में है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य लगभग 50,000 करोड़ रुपये के निवेश से गहरे समुद्र में एक नया बंदरगाह और एक जहाज निर्माण क्लस्टर विकसित करेगा। इस विशाल पहल का उद्देश्य भारत की पूर्वी तटरेखा पर ओडिशा की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करना, समुद्री सुरक्षा में योगदान देना और आर्थिक विकास को गति देना है। मुख्यमंत्री माझी ने बताया कि गंजम जिले के बहुदा में एक नए गहरे समुद्र बंदरगाह का विकास किया जा रहा है, जबकि केंद्रपाड़ा जिले में एक जहाज निर्माण क्लस्टर स्थापित किया जाएगा। उन्होंने समुद्री सुरक्षा और आर्थिक विकास के गहन संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि ये परियोजनाएं ओडिशा को भारत की उभरती हिंद-प्रशांत रणनीति के केंद्र में लाएंगी।

बहुदा में प्रस्तावित गहरे समुद्र बंदरगाह को 21,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से विकसित किया जाएगा। यह भारत के पूर्वी तट पर सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड बंदरगाह परियोजनाओं में से एक होगा, जिसकी माल ढुलाई क्षमता लगभग 15 करोड़ टन प्रति वर्ष होगी। यह खनिज समृद्ध ओडिशा और पड़ोसी राज्यों के लिए एक वैकल्पिक समुद्री मार्ग प्रदान करेगा, साथ ही दक्षिणी ओडिशा में लॉजिस्टिक्स पार्क और औद्योगिक क्लस्टरों को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही पारादीप के पास 24,700 करोड़ रुपये के निवेश से 12 लाख जीटी क्षमता वाला एक जहाज निर्माण और मरम्मत क्लस्टर स्थापित होगा। यह समुद्री औद्योगिक केंद्र जहाज निर्माण, मरम्मत डॉक और समुद्री उपकरण उत्पादन को बढ़ावा देगा। केंद्र और राज्य सरकारें दोनों ही इन परियोजनाओं के माध्यम से तटीय बुनियादी ढांचे, समुद्री रसद और जहाज निर्माण क्षमता को मजबूत करने पर केंद्रित हैं, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और राज्य के आर्थिक परिदृश्य में परिवर्तन आएगा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपय गुरुवार को 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.34 पर बंद हुआ।

आज सुबह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट से भी रुपया शुरुआती कारोबार में 31 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.24 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, डॉलर की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझान ने भी रुपये को समर्थन दिया। हालांकि, विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण रुपये की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.30 पर खुला। फिर मजबूत होकर 94.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 31 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को 21

पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.55 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 101.50 पर रहा।

एशियाई बाजारों में जोरदार तेजी

मुंबई ।

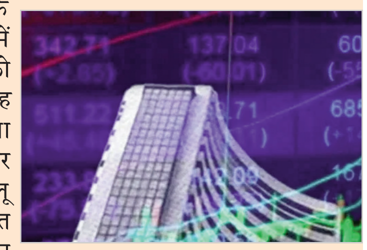

एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अधिकांश शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी देखने को मिली। इसकी बड़ी वजह अमेरिकी चिप निर्माता माइक्रान के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजे और चालू तिमाही के लिए मजबूत राजस्व अनुमान रहे। जापान का निक्कई 225 करीब 3.37 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 4.89 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। एशियाई कारोबार के दौरान एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 1.68 फीसदी और नेस्डेक 100 फ्यूचर्स 0.48 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहे थे। हालांकि बुधवार को अमेरिकी शेयर बाजार मिश्रित रुख के साथ बंद हुए। नेस्डेक कम्पो जिट 0.43 फीसदी और एसएंडपी 500 0.10 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि डाउ जोंस 0.35 फीसदी चढ़ा।

एमेजॉन साईओ एंडी जेसी भारत में, क्विक डिलीवरी पर कंपनी का जोर

नई दिल्ली ।

एमेजॉन के मुख्य कार्यकारी एंडी जेसी अपने पहले भारत दौरे पर हैं, जहां कंपनी ने देश के तेजी से बढ़ते क्विक-कॉमर्स बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अपनी अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी सेवा एमेजॉन नाउ का 300 से अधिक शहरों में विस्तार करने की घोषणा की है।

उनका यह दौरा भारतीय बाजार के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साल 2021 में जेफ बेजोस के उत्तराधिकारी बनने के बाद, एंडी जेसी अभी मुंबई में हैं। उम्मीद है कि वे सरकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के प्रमुखों से मुलाकात करेंगे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की भी संभावना है। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब एमेजॉन ब्लिंकइट, जेप्टो, स्विगी इंस्टामार्ट और फ्लिपकार्ट जैसे घरेलू क्विक-कॉमर्स प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रही है, जो अपने डार्क-स्टोर नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहे हैं।

इस प्रतिस्पर्धा का सीधा जवाब देते हुए एमेजॉन ने कहा है कि वह मिनटों में डिलीवरी वाला देश का सबसे बड़ा नेटवर्क बनाना चाहती है।

कंपनी के अनुसार, एमेजॉन नाउ एमेजॉन इंडिया के इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाली ई-कॉमर्स इकाई है, जिसके ऑर्डर हर तिमाही में दोगुने हुए हैं। एमेजॉन इंडिया के कंट्री मैनेजर समीर कुमार ने बताया कि प्राइम सदस्यों से इसे शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, जो अपनी खरीदारी तीन गुना बढ़ा देते हैं। भारत में एक प्रयोग के तौर पर शुरू की गई यह सेवा अब दुनिया भर के कई देशों में भी विस्तारित हो रही है।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 109,निफ्टी 34 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में आज दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी ही उतार-चढ़ाव बना रहने से दिन भर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 703 अंक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 24,100 के स्तर से नीचे फिसल गया। इसके पीछे एक कारण मुनाफावसूली भी माना जा रहा है। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 109 अंक की बढ़त के साथ ही 77,100 पर और 50 अंक वाला एनएसई निफ्टी 34 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 24,056 पर बंद हुआ।

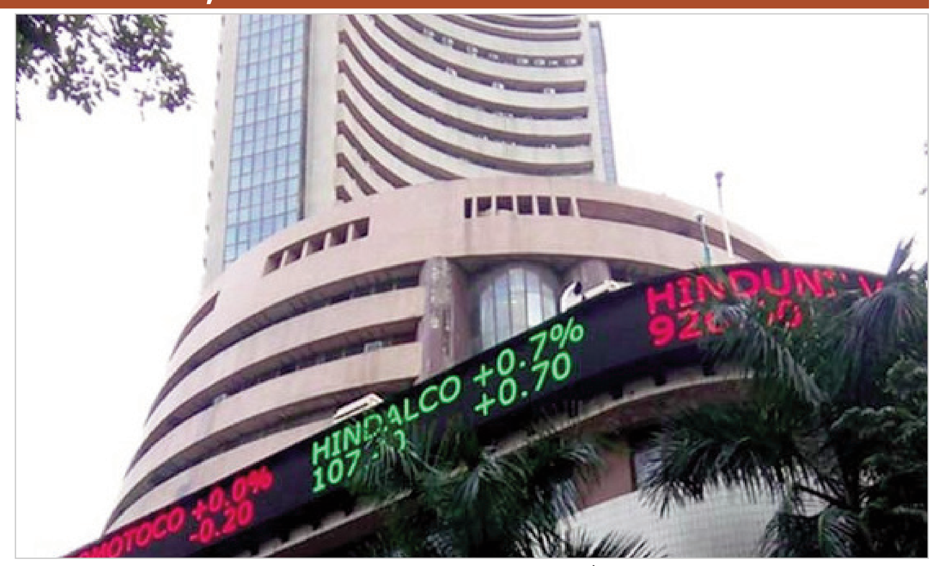

आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दोनों ही बेंचमार्क इंडेक्स लगातार ऊपर की तरफ जाने लगे। यह तेजी दोपहर तक ही रही इसके बाद बाजार गिरने लगा। बाजार बंद होने तक सेंसेक्स करीब 703 अंक नीचे आ गय। वहीं निफ्टी 24,125 के स्तर पर खुला। बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों का प्रदर्शन खराब रहा। निफ्टी मिडकैप में 0.55 फीसदी की गिरावट देखी गई और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.47 फीसदी की गिरावट रही। निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा तेजी इंटरग्लोब में देखने को मिल। वहीं इसके अलावा मैक्स हेल्थकेयर और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरो में भी तेजी रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा नुकसान ओएनजीसी को हुआ जिसमें 2.88 फीसदी की गिरावट देखी गई। इसके अलाव पावर ग्रिड , हिंडाल्को के अलाव टेक महिंद्रा में भी गिरावट रही।

सेवा क्षेत्र की आर्थिक सेहत मापने को नया सूचकांक आधार वर्ष 2024-25 तय

पहला डेटा जुलाई 2026 में; औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की तर्ज पर करेगा काम

नई दिल्ली ।

देश के तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्र की आर्थिक सेहत का आकलन करने के लिए सांख्यिकी मंत्रालय एक नया संकेतक पेश करने जा रहा है। सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) नामक यह सूचकांक, जिसका आधार वर्ष 2024-25 होगा, हर महीने जारी किया जाएगा। यह घोषणा मंत्रालय ने बुधवार को अक्सर पूछे जाने वाले सवालों की एक सूची में की। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल 2026 के आंकड़ों के लिए पहला आईएसपी 14 जुलाई, 2026 को घोषित किया जाएगा। इसके बाद के आंकड़े हर महीने की 29 तारीख (अवकाश होने पर अगले कामकाजी दिन) को जारी किए जाएंगे।

मंत्रालय ने कहा कि यह सूचकांक औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की तर्ज पर सेवा क्षेत्र में अल्पकालिक आर्थिक वृद्धि और बदलावों को मापने वाला एक महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक संकेतक होगा। आईएसपी को तैयार करने के तौर-तरीके मई 2025 में गठित

नीति आयोग की देबजानी घोष की अध्यक्षता वाली एक तकनीकी परामर्श समिति के साथ विचार-विमर्श के बाद तय किए गए हैं। इस सूचकांक में थोक-खुदरा व्यापार, परिवहन, बैंकिंग, बीमा, दूरसंचार, होटल, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं जैसे कई प्रमुख उप-क्षेत्र शामिल होंगे। स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं को निगमित सेवा क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के बाद आईएसपी ढांचे में शामिल करने का प्रस्ताव है।

बदलेंगे पेन के नियम छोटे लेनदेन में राहत, बड़े पर सख्ती

विित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने को सरकार का नया कदम, उच्च-मूल्य लेनदेन में पेन अनिवार्य

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग जल्द ही पैन कार्ड नियमों में अहम बदलाव लागू करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य वित्तीय प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना और कर चोरी पर अंकुश लगाना है। इन नए नियमों के तहत, वित्तीय लेनदेन को छोटे और बड़े दो हिस्सों में बांटा गया है, जिसके अनुसार पेन की अनिवार्यता निर्धारित होगी। अब छोटे बैंकिंग लेनदेन, सीमित नकद भुगतान और कम मूल्य की खरीद जैसी रोजमर्रा की गतिविधियों के लिए पेन कार्ड तुरंत जरूरी नहीं होगा, पर इनका रिकॉर्ड रखा जाएगा। वहीं, वार्षिक 10 लाख रुपये से अधिक नकद जमा/निकासी, 50,000 रुपये से अधिक म्यूचुअल फंड निवेश, 2 लाख से अधिक की नकद खरीदारी (जैसे आभूषण), 45 लाख से अधिक की संपत्ति खरीद और क्रेडिट कार्ड आवेदन जैसे बड़े लेनदेन के लिए पेन अनिवार्य रहेगा।

प्रमुख शहरों में कार्यालय परिसरों की पट्टा मांग में मामूली गिरावट

अप्रैल-जून तिमाही में कुल मांग 2 फीसदी घटकर 1.74 करोड़ वर्ग फुट हुई

नई दिल्ली ।

देश के शीर्ष सात शहरों में कार्यालय परिसरों को पट्टे पर लेने की सकल मांग अप्रैल-जून तिमाही के दौरान दो प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ 1.74 करोड़ वर्ग फुट रह गई। एक संपत्ति परामर्शदाता द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछली तिमाही के मजबूत प्रदर्शन के बाद यह नरमी देखी गई है। हालांकि, इस दौरान विभिन्न शहरों में मांग के रुझान काफी अलग-अलग रहे। रिपोर्ट बताती है कि अप्रैल-जून 2025 (संशोधित- अप्रैल-जून 2024) में पिछले वर्ष की समान अवधि के 1.78 करोड़ वर्ग फुट की तुलना में यह गिरावट दर्ज की गई। बेंगलुरु, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और हैदराबाद में कार्यालय स्थानों की मांग में वृद्धि हुई, जबकि मुंबई, पुणे, चेन्नई और कोलकाता में गिरावट दर्ज की गई। बेंगलुरु में सकल पट्टा मांग आठ प्रतिशत बढ़कर 52 लाख वर्ग फुट हो गई।

दिल्ली-एनसीआर में यह 23 प्रतिशत बढ़कर 27 लाख वर्ग फुट और हैदराबाद में 19 प्रतिशत बढ़कर 38 लाख वर्ग फुट पर पहुंच गई। इसके विपरीत, मुंबई में पट्टा मांग 29 प्रतिशत घटकर 20 लाख वर्ग फुट रह गई। चेन्नई में 23 प्रतिशत की गिरावट के साथ यह 20 लाख वर्ग फुट, पुणे में 25 प्रतिशत घटकर 12 लाख वर्ग फुट और कोलकाता में 17 प्रतिशत की कमी के साथ पांच लाख वर्ग फुट रही।

वैश्विक विमानन केंद्र बनेगा भारत

छह और शहरों में हब-एंड-स्पोक उड़ानें शुरू होंगी

वाराणसी ।

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत को वैश्विक विमानन केंद्र बनाने के उद्देश्य से अगले छह सप्ताह में छह और शहरों में हब-एंड-स्पोक (एचएंडएस) मॉडल के तहत उड़ान सेवाएं शुरू होंगी। वाराणसी से इस मॉडल की पहली उड़ान सेवा शुरू की गई, जिसका लक्ष्य छोटे-मझोले शहरों को अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से निर्बाध रूप से जोड़ना है। इस व्यवस्था में, छोटे हवाई अड्डों (स्पोक) से यात्री बड़े हब हवाई अड्डों जैसे दिल्ली के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक पहुंचेंगे। नायडू ने वाराणसी हवाई अड्डे पर पहली 'हब-एंड-स्पोक' उड़ान (एआई1111) का शुभारंभ किया। यह उड़ान सुबह 9:30 बजे वाराणसी से रवाना हुई, जिसके यात्री दिल्ली के रास्ते दुबई, कोलंबो, जेद्दा, रियाद और फुकेत सहित नौ विदेशी गंतव्यों के लिए यात्रा करेंगे। एयर इंडिया इन सेवाओं को ईजी कनेक्ट उड़ानें

कह रही है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने बताया कि इनका विस्तार अमृतसर, अहमदाबाद, कोच्चि, गोवा, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों तक होगा। इन उड़ानों से यात्रियों को अपने प्रस्थान हवाई अड्डे पर ही सामान जमा करने और आव्रजन प्रक्रिया पूरी करने की सुविधा मिलेगी। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह मॉडल छोटे शहरों को लाभ देगा और रोजगार, निवेश के अवसर पैदा करेगा।

स्टीमहाउस इंडिया ने आईपीओ से पहले जुटाए 50 करोड़ रुपये

नई दिल्ली ।

औद्योगिक भाप उपयोगिता सेवाएं प्रदान करने वाली स्टीमहाउस इंडिया लिमिटेड ने अपने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले निवेशक मधुसूदन केला समर्थित कोषों और निवेशाय संभव फंड से करीब 50 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने गुरुवार को जारी सार्वजनिक सूचना में बताया कि उसने 73 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 68,49,315 शेयर आवंटित किए हैं, जिससे निजी नियोजन के जरिये कुल 49.99 करोड़ रुपये जुटाए गए।इस लेनदेन के तहत सिंगुलैरिटी लार्ज वैल्यू फंड-3 ने 47.94 लाख शेयर के लिए 34.99 करोड़ रुपये का निवेश किया। वहीं सिंगुलैरिटी इक्विटी फंड-1 ने 6.85 लाख इक्विटी शेयर खरीदकर पांच करोड़ रुपये का निवेश किया। निवेशाय संभव फंड ने 9.99 करोड़ रुपये का निवेश किया, जिसके बदले उसे 13.7 लाख इक्विटी शेयर आवंटित किए गए।पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियमों के अनुसार, आईपीओ के तहत प्रस्तावित नए शेयर निर्गम का आकार आईपीओ पूर्व नियोजन से जुटाई गई राशि के बराबर कम कर दिया जाएगा।सूरत स्थित कंपनी ने अपने प्रस्तावित आईपीओ के लिए अद्यतन दस्तावेज दिसंबर में सेबी के पास दाखिल किए थे।

अद्यतन मसौदा दस्तावेजों के अनुसार, आईपीओ में 345 करोड़ रुपये के नए शेयर और 80 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी अपने मौजूदा ऋण का एक हिस्सा चुकाने, अंकलेश्वर एवं पनोली स्थित संयंत्रों की क्षमता बढ़ाने, दहेज विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में नई भाप उत्पादन इकाई स्थापित करने तथा सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने में करेगी। नए नियमों में एक और बड़ा बदलाव किया गया है। पहले इस्तेमाल होने वाला फार्म 60 अब समाप्त कर दिया गया है और उसकी जगह फार्म 97 लागू किया गया है। हालांकि यह फॉर्म सभी जगह मान्य नहीं होगा। खासकर बड़े और हाई-वैल्यू ट्रांजैक्शन में पेन देना ही जरूरी होगा फार्म 97 की अनुमति नहीं मिलेगी।

पहले से आसान हो जाएंगे क्योंकि पेन की जरूरत कम होगी। लेकिन बड़े खर्च, निवेश और खरीदारी में अब अधिक सख्ती देखने को मिलेगी। बिना पेन के बड़ी डील करना मुश्किल हो जाएगा।

जिससे वित्तीय सिस्टम अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनने की उम्मीद है।

एसएंडपी ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर में कमी का अनुमान जताया

कमजोर मानसून, ऊर्जा संकट और वैश्विक सुस्ती से जीडीपी 6.6 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर में कमी का अनुमान लगाया है। अपनी ताजा रिपोर्ट में एसएंडपी ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र पर बढ़ते दबाव, कमजोर मानसून और वैश्विक अर्थव्यवस्था की सुस्त रफ्तार के कारण देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.6 फीसदी रह सकती है, जबकि महंगाई बढ़कर 5.1 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है।

बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है।

एसएंडपी की रिपोर्ट बताती है कि भारत की अर्थव्यवस्था ने पहले 7.7 फीसदी और 7.1 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की थी, लेकिन अब यह रफ्तार धीमी होगी।

अल-नीनो के कारण सामान्य से 43 फीसदी कम मानसूनी बारिश ने कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा दिया है।

भारत अपनी कच्चे तेल की 88 फीसदी जरूरत आयात करता है; पश्चिम एशिया में तनाव से अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें बढ़ने से देश का आयात बिल और औद्योगिक लागतें बढ़ी हैं। बढ़ते उर्वरक मूल्य भी खाद्य उत्पादन और महंगाई पर असर डालेंगे। एसएंडपी का अनुमान है कि उपभोक्ता महंगाई दर 5.1 फीसदी तक पहुंच सकती है। यदि महंगाई उम्मीद से अधिक बढ़ती है, तो आरबीआई को वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियों और निवेश पर भी असर पड़ेगा।

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है।

अपने आहार पर करें फोकस आंखें रहेंगी अच्छी

आंखें यकीनन व्यक्ति के शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है। छोटी सी आंखों की मदद से आप इतने बड़े संसार को देख पाते हैं। लेकिन आज के समय में जब लोग अपना ज्यादातर समय स्क्रीन पर बिताते हैं तो उसके कारण आंखों को काफी नुकसान पहुंचता है। यही कारण है कि बेहद कम उम्र में ही लोगों की आंखों पर चश्मा लग जाता है। लेकिन अगर आप लंबे समय तक अपनी आंखों की रोशनी को यूं ही बनाए रखना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप अपने आहार पर भी फोकस करें। तो चलिए आज हम आपको उन आहार के बारे में बता रहे हैं जो आपकी आंखों के लिए काफी अच्छा है-

कच्ची लाल शिमला मिर्च

शिमलामिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। यह आपकी आंखों की रक्तवाहिकाओं के लिए अच्छा है। वहीं लाल शिमलामिर्च से आपको विटामिन ए और विटामिन ई भी प्राप्त होता है, जो आपकी आंखों को तंदरूस्त बनाने में मदद करता है।

सूरजमुखी के बीज और नट्स

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। इतना ही नहीं, यह मोतियाबिंद को रोकने में भी मददगार है। वैसे आप नट्स के साथ-साथ हेजलनट्स, मूंगफली और पीनटबटर का सेवन करके भी विटामिन ई पर्याप्त मात्रा में पा सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

केल, पालक व अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन सी और ई की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं, इनमें कैरोटिनॉयड्स ल्यूटिन और जैक्सैंथिन भी होता है। साथ ही इनमें पाया जाने वाला विटामिन ए लंबे समय में आंखों की बीमारियों से भी व्यक्ति की रक्षा करता है।

सैल्मन

आपकी आंखों के रेटिना को सही काम करने के लिए दो प्रकार के ओमेगा-3 फैटी एसिड की आवश्यकता होती है- डीएचए और ईपीए। आप फैटी फिश, जैसे सैल्मन, ट्यूना और ट्राउट व अन्य कई सी-फूड में इसे पा सकते हैं। वहीं इन फैटी एसिड के कम होने पर लोगों को डाई आंखों की समस्या का सामना करना पड़ता है।

शकरकंद में बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो वास्तव में विटामिन ए का ही एक रूप है। यह आपके नाइट विजन को बेहतर बनाता है। वहीं एक शकरकंद से आपको दैनिक आवश्यकता की आधे से ज्यादा विटामिन सी की प्राप्ति होती है, वहीं इसमें कुछ मात्रा में विटामिन ई भी पाया जाता है। वैसे शकरकंद के अलावा गाजर, कैंटालूप, आम और खुबानी में भी बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है।

लंच या डिनर से आधा घंटा पहले खाएं सलाद

सलाद लगभग हर जगह खाई जाती है। हां इसके रूप अलग-अलग हो सकते हैं। कहीं उबालकर तो कहीं भूनकर. हमारे यहां सलाद को ताजा सब्जियों जैसे खीरा, टमाटर, मूली, गाजर और कच्ची प्याज आदि से तैयार किया जाता है। क्योंकि यह सलाद कच्चा होता है और प्याज के अलावा ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें अलग से खाया जा सकता है। इसलिए हमारे यहां भोजन के साथ सलाद खाने को वर्जित माना गया है। ये और बात है कि यंग जनरेशन को अपनी ही परंपराओं को बारे में जरा कम पता है!

सलाद खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। यह बात हम सभी जानते हैं। इसलिए फलों से लेकर सब्जियों और स्प्राउट्स की सलाद हमारे यहां खूब खाई जाती है। जबकि कुछ लोग या कहिए कि सलाद के शौकीन ज्यादातर लोग अपने शरीर को सलाद का पूरा पोषण नहीं दे पाते। क्योंकि उन्हें सलाद खाने का सही तरीका ही नहीं पता है.

सलाद खाने का सही समय

सलाद हमेशा ही भोजन से पहले खानी चाहिए। जबकि लगभग 90 प्रतिशत लोग सलाद का सेवन खाने के साथ करते हैं। इससे उनके शरीर को सलाद का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बल्कि कई बार डायजेशन से संबंधित समस्याएं हो जाती है।

इतनी देर पहले खाएं

जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलेगा और ओवर इटिंग से छुटकारा भी।

वेट रहता है कंट्रोल

सलाद अगर सही तरीके से खाई जाए तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखती है और पेट साफ करने में मदद करती है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकती है और हमें ओवर ईटिंग से भी बचाती है। जिससे हमारा वजन नियंत्रित रहता है।

सलाद के तरीके

आमतौर पर सलाद दो तरीके से बनाई जाती है। पहला तरीका का कच्चा सलाद, जिसमें आप फल और सब्जियों को काटकर मिक्स करते हैं और मसाला छिड़ककर सैलेड तैयार कर लेते हैं। जबकि दूसरा तरीका है वॉइल करके सैलेड तैयार करना। इसमें सब्जियों को उबालकर उनका पानी अलग करके सलाद तैयार किया जाता है। लेकिन आप कोई-सी भी सलाद खाए आपको इसे फुल मील के साथ नहीं खाना है।

क्यों ना खाएं भोजन संग सलाद

सलाद चाहे जैसे भी बनाई गई हो। अगर यह फलों या सब्जियों से तैयार की गई है तो आमतौर पर इनकी प्रकृति ठंडी होती है (हम यहां किसी रेसिपी विशेष की बात नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हर तरह के भोजन को एक साथ डिस्क्राइब या कंपेयर नहीं किया जा सकता) जबकि पका हुआ भोजन गर्म होता है। ऐसे में ठंडे गर्म का संगम, सिर्फ शरीर ही नहीं दांतों को भी हानि पहुंचाता है।

पाचन में अधिक समय

सलाद तापमान में ठंडी होती है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है। क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।

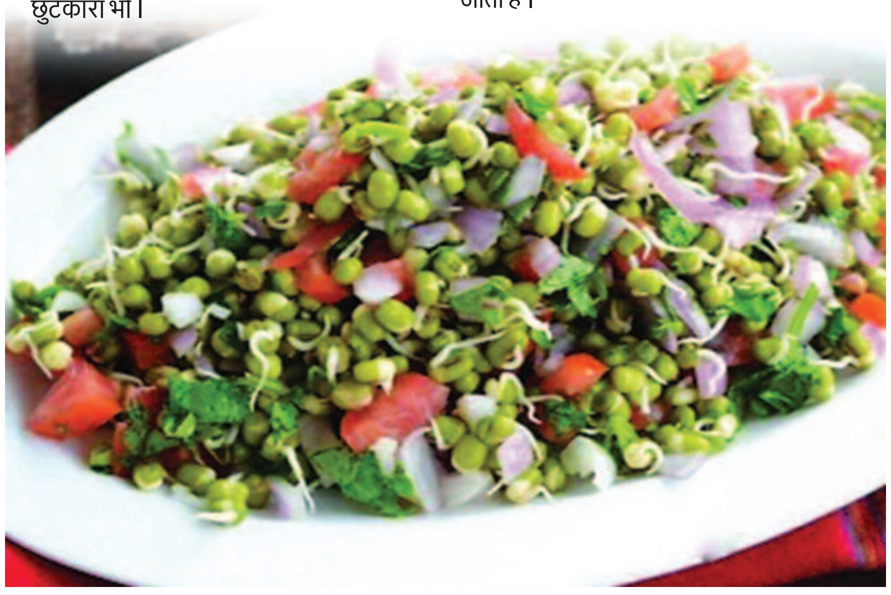

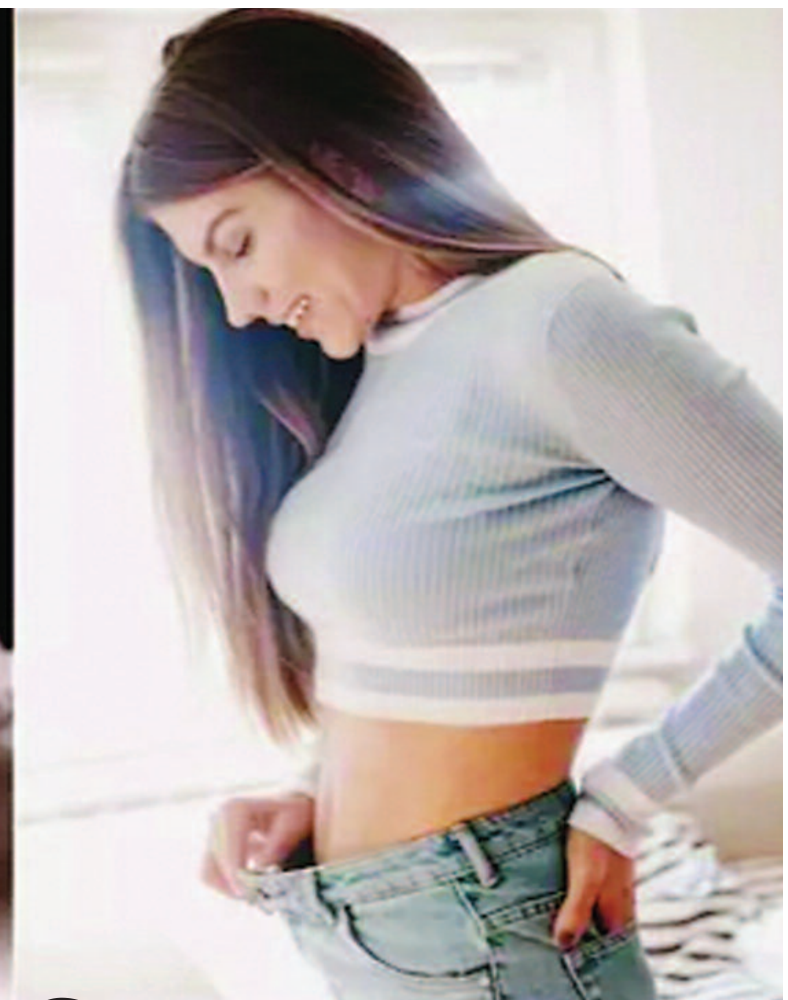

पेट और कमर की बढ़ी चर्बी को अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है। इसे रोज दूध के साथ पीने से जल्द ही लाभ मिलेगा। इसे पावडर के रूप में या फिर कैप्सूल के रूप में लिया जा सकता है।

अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है मोटापा

दूध में 1 चम्मच अश्वगंधा मिला कर पीने से दूर हो जाता है मोटापा, जानें कैसे करता है कामजड़ी बूटियों का आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इनमें कई प्रकार के औषधीय गुण पाये जाते हैं जो बीमारियों को ठीक करने में मदद करती हैं और शरीर को निरोगी बनाए रखती हैं। अश्वगंधा एक ऐसी ही जड़ी बूटी है जो न सिर्फ स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करती है बल्कि वजन घटाने में भी बहुत प्रभावी होती है। अश्वगंधा का उपयोग न सिर्फ आयुर्वेद बल्कि यूनानी, सिद्ध, अफ्रीकन और होमियोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता है। अश्वगंधा अनिद्रा, चिंता, डिप्रेशन, यौन समस्याएं, कमजोरी और अर्थराइटिस जैसे रोगों को इलाज में उपयोगी है। इसके अलावा अतिरिक्त फैट को बर्न करने में भी अश्वगंधा बहुत फायदेमंद हैं। आइये जानते हैं वजन घटाने में अश्वगंधा के फायदे। तो अगर आप नेचुरल तरीके से वजन घटाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको अश्वगंधा का प्रयोग जरूर करना चाहिये.

अश्वगंधा का सेवन कैसे करें

वैसे आपको बाजार में अश्वगंधा कैप्सूल के रूप में मिल जाएगा। लेकिन अश्वगंधा पाउडर अधिक फायदेमंद होता है। इसे लेने का तरीका बेहद आसान है। एक गिलास गुनगुने दूध में एक चम्मच अश्वगंधा पावडर और शहद मिलाकर रोजाना सेवन करने से मेटाबोलिज्म और पाचन बेहतर होता है। आप चाहें तो इसका टेस्ट बढ़ाने के लिये इसमें इलायची पावडर मिक्स कर सकते हैं। इससे मेटाबॉलजिम तो बढ़ेगा ही साथ में पाचन भी मजबूत रहेगा।

सुस्त पड़े मेटाबॉलिज्म को बढ़ाए

अश्वगंधा हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करती है, जिससे शरीर में खाना अच्छी तरह से हजम होता है और मेटाबोलिज्म बढ़ता है। यह फैट को जल्दी जल्दी बर्न करने में मदद करती है। अगर आप घंटो जिम में एक्सरसाइज करते हैं और स्लो मेटाबॉलिज्म की वजह से मोटापा कम नहीं हो पा रहा है तो आज से ही अश्वगंधा लेना शुरू कर दें। इससे कम समय में ही मोटापा कम हो जाता है।

स्ट्रेस दूर कर घटाए मोटापा

स्ट्रेस या कोर्टिंसोल हार्मोन बढ़ने से मोटापा भी बहुत तेजी से बढ़ता है। नियमित रूप से अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इस हार्मोन को कम करने में मदद मिलती है। कोर्टिंसोल बढ़ने की वजह से इंसान को बार बार भूख भी लगती है, जिससे मोटापा बढ़ता है। तनाव से मुक्ति मिलते ही पेट की चर्बी घटने लगती है।

मांसपेशियां बनाने में

अश्वगंधा में ऐसे कई तत्व पाये जाते हैं जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। मसल्स मास बढ़ने से शरीर पर चर्बी नहीं जमती और वजन नियंत्रित रहता है।

इम्यूनिटी बढ़ा कर घटाए मोटापा

अश्वगंधा में एंटी बैक्टीरियल गुण होता है जो शरीर की सूजन को कम करता है। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है जिसके कारण शरीर पर अतिरिक्त वसा जमा नहीं होती है और वजन नियंत्रित रहता है। यही नहीं अगर शरीर में सूजन है तो यह उसको भी कम करती है क्योंकि इसमें एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

वर्कआउट के लिये बढ़ाती है एनर्जी लेवल

अश्वगंधा एड्रिनल ग्लैंड और कोर्टिसोल लेवल को नियंत्रित करता है जिससे तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है। इससे शरीर की एनर्जी बढ़ती है और थकान दूर होती है। ऐसे में जब आप भारी वर्कआउट करते हैं तो अश्वगंधा शरीर को एनर्जी से भर देता है। यही नहीं अश्वगंधा आयरन से भरपूर होता है जो ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है

अच्छी नींद लाए

रात को अगर आप अधूरी नींद लेते हैं तो न तो आपको मोटापा घटेगा और ऊपर से शरीर को तनाव, उच्च रक्त चाप जैसी बीमारियां और घेर लेंगी। रात में सोते वक्त आपका शरीर हारमोन्स को संतुलित करता है और स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ने से रोकता है। इससे मोटापा कम करने में मदद मिलेगी।

ध्यान रखें अश्वगंधा का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अत्यधिक सेवन से न सिर्फ उल्टियां हो सकती हैं बल्कि पेट गड़बड़ हो सकता है। लो ब्लड प्रेशर वाले लोग इसे न खाएं। नींद न आने पर अश्वगंधा का इस्तेमाल कुछ हद तक सही है, लेकिन नींद बुलाने के लिए इसका नियमित सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है। इस प्रकार औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण अश्वगंधा बीमारियों को दूर करने के अलावा वजन कम करने में भी बहुत फायदेमंद है। नियमित एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर का सेवन करने से जल्दी की फर्क नजर आता है।

आज होगा वैभव का डेब्यू!

अभिषेक-सैमसन में कौन होगा बाहर? टीम इंडिया की प्लेइंग-11 पर बड़ा सस्पेंस

02 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेंगे भारत व आयरलैंड

लंदन, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 के सफल अभियान के बाद भारतीय टीम अब आयरलैंड के खिलाफ बेलफास्ट में दो मैचों की टी20 सीरीज खेलने उतरेगी। इस सीरीज के साथ श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में टीम एक नए अध्याय की शुरुआत करेगी। हालांकि, कप्तानी से ज्यादा चर्चा इस बात की है कि क्या 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिलेगा। भारत-आयरलैंड के बीच पहला टी20 26 जून को और दूसरा टी20 28 जून को खेला जाएगा। दोनों मैच शाम छह बजे से शुरू होंगे।

वैभव सूर्यवंशी पर पूरे देशभर की टिकी हैं निगाहें...

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से धमाका करते हुए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। इसके बाद हाल ही में श्रीलंका में हुई इंडिया-ए त्रिकोणीय सीरीज में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। इस टूर्नामेंट में उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों में 94 रन की पारी खेली और लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया। यही वजह है कि उनके भारतीय टीम में डेब्यू को लेकर उत्सुकता लगातार बढ़ रही है।

जगह बनाना आसान नहीं

वैभव को सीधे प्लेइंग-11 में शामिल करना टीम प्रबंधन के लिए आसान फैसला नहीं होगा। भारत के पास पहले से ही संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा जैसी सफल ओपनिंग जोड़ी मौजूद है। टी20 विश्व कप में सैमसन ने शुरुआत में बेंच पर बैठने के बाद वापसी की और टूर्नामेंट के अंत में तीन यादगार पारियां खेलकर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बने। दूसरी ओर अभिषेक शर्मा का विश्व कप अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने लगातार तीन शून्य से शुरुआत की, लेकिन अंत में 21 गेंदों पर 52 रन की तेज पारी खेलकर लय हासिल कर ली। 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से वह फुल मेंबर देशों के खिलाड़ियों में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

किसकी जगह खेलेंगे

अगर सूर्यवंशी को मौका दिया जाता है तो भारत को अपनी बैटिंग ऑर्डर में बदलाव करना पड़ सकता है। टीम में ईशान किशन भी मौजूद हैं, जबकि श्रेयस अय्यर के नंबर-चार पर बल्लेबाजी करने की उम्मीद है। ऐसे में सूर्यवंशी के आने पर सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन में से केवल दो खिलाड़ियों के लिए ही जगह बच सकती है इसका मतलब यह हो सकता है कि किसी मौजूदा खिलाड़ी को अपनी बल्लेबाजी स्थिति बदलनी पड़े या फिर प्लेइंग-11 से बाहर बैठना पड़े। टी20 विश्व कप जीतने के तुरंत बाद ऐसा बदलाव कठोर लग सकता है, लेकिन टीम में जगह के लिए प्रतिस्पर्धा का स्तर यही दिखाता है। सूर्यकुमार यादव का कप्तानी और टीम दोनों से बाहर होना भी यह संकेत देता है कि चयनकर्ता कठिन फैसले लेने से पीछे नहीं हट रहे हैं।

क्या सैमसन को लोअर ऑर्डर में खेलना पड़ेगा?

कागज पर देखें तो संजू सैमसन को नंबर-छह पर उतारना सबसे आसान समाधान नजर आता है। सैमसन पहले भी टी20 क्रिकेट में नंबर-चार और नंबर-पांच पर बल्लेबाजी कर चुके हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय टीम में ये दोनों स्थान लगभग तय माने जा रहे हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर के नंबर-चार और उपकप्तान तिलक वर्मा के नंबर-पांच पर खेलने की संभावना सबसे अधिक है। ऐसी स्थिति में सैमसन के लिए नंबर-छह का विकल्प बचता है। हालांकि यहां एक नई चुनौती सामने आती है। टी20 क्रिकेट में यह स्थान आमतौर पर ऐसे खिलाड़ी के लिए रखा जाता है जो बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी योगदान दे सके। शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और सूर्यांश शेडगे जैसे खिलाड़ी इसी भूमिका के प्रमुख दावेदार हैं। अगर भारत सैमसन को नंबर-छह पर खिलाने का फैसला करता है, तो टीम संयोजन पर उसका असर पड़ सकता है। ऐसे में टीम को एक अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प की कमी महसूस हो सकती है, जिसका असर संतुलन पर पड़ सकता है। यह भी हो सकता है कि एक टी20 में वैभव को बैठाया जाए।

न्यूजीलैंड के बड़े खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर

नॉटिंघम। इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड को चोट के कारण दो बड़े झटके लगे हैं। स्ट्राइक बॉलर मैट हेनरी और मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स टीम से बाहर हो गए हैं। टीम ने बताया कि पिछले हफ्ते ओवल में न्यूजीलैंड की दूसरे टेस्ट में जीत के दौरान 11 विकेट लेने वाले हेनरी को उस मैच के दौरान पिंडली (छ्द्युद्र) में खिंचाव आ गया था और वे अभी तक ठीक नहीं हो पाए हैं। ओवल में पहली पारी में अहम शतक लगाने वाले फिलिप्स साइड स्ट्रेन (पसलियों के पास की मांसपेशियों में खिंचाव) के कारण बाहर हो गए हैं।

यूएस ओपन बैडमिंटन

किदांबी श्रीकांत दूसरे दौर में

नई दिल्ली। पूर्व विश्व नंबर-1 भारतीय शटलर किदांबी श्रीकांत ने यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहले दौर में भारत के ही दयानंद सनीथ को सीधे गेमों में 21-14, 21-12 से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। महज 30 मिनट में मिली इस जीत के साथ 33 वर्षीय श्रीकांत ने अगले दौर का टिकट कटाया, जहां उनका सामना मलेशिया के स्टार खिलाड़ी ली जी जिया से होगा।

लक्ष्य सेन के टूर्नामेंट से ऐन वक्त पर हटने के बाद किदांबी श्रीकांत भारतीय एकल खिलाड़ियों में सबसे मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। ऐसे में उनसे टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें बढ़ गई हैं।पुरुष एकल में रौनक चौहान ने भी अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। उन्होंने हमवतन शंकर सुब्रमण्यम को 23-21, 21-16 से हराया। रौनक ने मुख्य ड्रॉ में पहुंचने के लिए पहले दो क्वालिफाइंग मुकाबले भी जीते थे और अब उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है।

साई सुदर्शन ने श्रीलंका-ए के खिलाफ शतक बनाया

गॉल। इंडिया-ए के ओपनर साई सुदर्शन ने गॉल में श्रीलंका-ए के खिलाफ खेले जा रहे पहले अनऑफिसियल टेस्ट में शतक जड़ दिया। उन्होंने 19 चौके की मदद से 175 गेंद पर 132 रन बनाए। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का नौवां शतक है।साई के शतक की बदौलत भारत ने पहली पारी में 4 विकेट खोकर 218 रन बना लिए हैं। कप्तान ध्रुव जुरेल और शेख रशीद क्रीज पर हैं। आयुष पांडे 25, देवदत्त पडिक्कल 12 और ऋतुराज गायकवाड़ ने 22 रन बनाए। इस समय पहले दिन का दूसरा सेशन चल रहा है। इस मैच से पहले तक साई सुदर्शन ने 40 फर्स्ट क्लास मैचों की 68 पारियों में 2672 रन बनाए थे। उन्होंने 8 शतक और 10 अर्धशतकों लगाए थे। उनका औसत 39.29 का रहा है। उनका बेस्ट स्कोर 213 रन रहा है।इंडिया-ए के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टॉस के दौरान उन्होंने कहा कि हम बड़ा स्कोर बनाकर श्रीलंका-ए पर दबाव बनाना चाहते हैं। इंडिया-ए को साई सुदर्शन और आयुष पांडे ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 138 गेंद में 78 रन जोड़े। इसके बाद साई ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ तीसरे विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी की। इससे टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचा।

स्विट्ज़रलैंड-कनाडा अंतिम-32 में पहुंचे

वैंकूवर/सिएटल। एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप बी के अंतिम मुकाबलों के बाद नॉकआउट चरण की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। वैंकूवर में खेले गए मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि सिएटल में बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से मात देकर अगले दौर में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत कर लिया। तीन मैचों के बाद स्विट्जरलैंड सात अंकों के साथ ग्रुप बी में पहले स्थान पर रहा, कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा और दोनों टीमों ने सीधे अंतिम-32 में जगह बना ली। वहीं, बोस्निया भी चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा और अब सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होकर आगे बढ़ने की उम्मीद कर रहा है। कतर सिर्फ एक अंक के साथ चौथे स्थान पर रहा और टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

बोस्निया ने जीत से जीवित रखीं नॉकआउट की उम्मीद

स्विट्ज़रलैंड ने कनाडा को हराकर ग्रुप में मारी बाजी

वैंकूवर के बीसी प्लेस स्टेडियम में खेले गए ग्रुप बी के निर्णायक मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराकर ग्रुप विजेता बनने का गौरव हासिल किया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और 45 मिनट का खेल गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ। कनाडा और स्विट्जरलैंड दोनों ने मौके बनाए, लेकिन किसी भी टीम को सफलता नहीं मिली।

दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्जरलैंड ने मैच का रुख बदल दिया। 46वें मिनट में रूबेन वर्गास ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 57वें मिनट में 20 वर्षीय जोहान मंजाम्बी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरा गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। मंजाम्बी ने पूरे मैच में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और स्विस आक्रमण की धुरी बने रहे। कनाडा ने हार नहीं मानी और 76वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी प्रॉमिस डेविड ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। अंतिम मिनटों में कनाडा ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया, लेकिन स्विस रक्षा पंक्ति ने कोई और मौका नहीं दिया। आखिरकार स्विट्जरलैंड ने 2-1 की जीत दर्ज कर सात अंकों के साथ ग्रुप बी में पहला स्थान हासिल कर लिया। कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट चरण में पहुंच गया।

बोस्निया ने कतर को हराकर जिंदा रखीं नॉकआउट की उम्मीदें

सिएटल स्टेडियम में खेले गए दूसरे मुकाबले में बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी मजबूत कर दी। मैच के पहले हाफ में बोस्निया ने आक्रामक शुरुआत की और 29वें मिनट में 18 वर्षीय केरिम अलाजबेगोविच ने बॉक्स के बाहर से शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। बोस्निया की बढ़त 34वें मिनट में दोगुनी हो गई जब कतर के सुल्तान अलब्राके ने एडिन जेको के क्रॉस को क्लियर करने के प्रयास में अपनी ही टीम के गोलपोस्ट में गेंद पहुंचा दी। हालांकि कतर ने वापसी की कोशिश की और 42वें मिनट में अनुभवी हसन अलहायदोस ने गोल कर अंतर 2-1 कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ में कतर ने बराबरी के लिए जोर लगाया और कुछ अच्छे मौके भी बनाए, लेकिन बोस्निया ने संयम बनाए रखा। मैच के 80वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी एर्मिन माहमिक के डिफ्लेक्टेड शॉट ने कतर की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस गोल के साथ बोस्निया ने 3-1 की निर्णायक जीत सुनिश्चित कर ली। इस जीत के साथ बोस्निया के भी चार अंक हो गए, लेकिन गोल अंतर और अन्य मानकों के कारण टीम तीसरे स्थान पर रही। अब उसकी निगाहें अन्य समूहों के परिणामों पर टिकी रहेंगी, क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में शामिल होकर अंतिम-32 में जगह बना सकती है।

ग्रुप-बी का हाल

ग्रुप बी से स्विट्जरलैंड ने सात अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर सीधे अंतिम-32 में प्रवेश किया। कनाडा चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट चरण में पहुंच गया। बोस्निया-हर्जेगोविना ने अंतिम मैच जीतकर अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है और अब वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों की सूची में जगह बनाने की कोशिश करेगा। वहीं कतर का अभियान एक अंक के साथ समाप्त हो गया।

फीफा विश्वकप के बीच नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन पर गिरी गाज!

लॉजेन। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल (फीफा) ने तीसरे पक्ष के दखल से जुड़े फीफा नियमों के उल्लंघन के कारण ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह फैसला नेपाली फुटबॉल के गवर्नेंस को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद के बाद आया है। इससे पहले, नेपाल की नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल ने एएनएफए को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया था। हालांकि बाद में उस फैसले को वापस ले लिया गया था। फीफा ने अपने बयान में कहा कि काउंसिल के ब्यूरो ने फीफा नियमों के आर्टिकल 14 पैराग्राफ 1(आई) और 3 के तहत तीसरे पक्ष के दखल से जुड़े नियमों के उल्लंघन के कारण ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए) को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला किया है।

फीफा के सर्कुलर के मुताबिक, 24 जून 2026 से एएनएफए ने फीफा नियमों के आर्टिकल 13 में दिए गए सभी सदस्यता अधिकार अगले आदेश तक खो दिए हैं। इसके चलते अब एएनएफए के प्रतिनिधि और क्लब टीमें तब तक किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकेंगी, जब तक उनका निलंबन वापस नहीं लिया जाता।

इस निलंबन का मतलब है कि नेपाल की राष्ट्रीय टीमें और क्लब अब फीफा और एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) द्वारा आयोजित किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इसके साथ ही ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए), उसके सदस्य संगठनों और अधिकारियों को फीफा औरएएफसी की वित्तीय सहायता भी नहीं मिलेगी।

फीफा ने यह भी स्पष्ट किया है कि निलंबन के दौरान एएनएफए और इसके किसी भी सदस्य या अधिकारी को फीफा और एएफसी के किसी भी विकास कार्यक्रम, कोर्स या प्रशिक्षण में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, सभी संबंधित पक्षों को यह भी निर्देश दिया गया है कि जब तक एएनएफए पर निलंबन लागू है, तब तक उनके साथ या उनकी टीमों के साथ किसी भी प्रकार का खेल संबंध (स्पोर्टिंग कॉन्टैक्ट) न रखा जाए।

नेमार की वापसी अफ्रीका ने रचा इतिहास

मोरक्को-ब्राजील नॉकआउट में

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्वकप 2026 का 14वां दिन रोमांच से भरपूर रहा। ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर नॉकआउट में जगह बनाई, जबकि नेमार ने चोट से वापसी करते हुए टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेला। मोरक्को ने हैती के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 4-2 से जीत दर्ज की। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने कनाडा को हराकर ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को 3-1 से हराकर अगले दौर की उम्मीदें मजबूत कर लीं। वहीं, ग्रुप-ए में दक्षिण अफ्रीका ने दक्षिण कोरिया को हराकर इतिहास रच दिया और विश्वकप के इतिहास में पहली बार नॉकआउट में जगह बनाई। वहीं, मेक्सिको से हारकर चेकिया विश्वकप से बाहर हो चुका है।

ग्रुप चरण के आखिरी दौर में एक साथ हो रहे मुकाबले

फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप चरण के अंतिम दौर में अब एक ही समय पर दो मुकाबले खेले जा रहे हैं। फीफा ने ग्रुप स्टेज के आखिरी दौर में एक ग्रुप के दोनों मुकाबलों को एक साथ शुरू कराया है ताकि कोई भी टीम दूसरे मैच के परिणाम का फायदा न उठा सके।पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया। स्टार विंगर विनीशियस जूनियर ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। विनीशियस ने मैच के सातवें मिनट में पहला गोल किया और फिर हाफ टाइम से ठीक पहले दूसरा गोल दाग दिया। उनके साथ मैथियस कुन्हा ने भी एक गोल किया। इस मुकाबले की सबसे बड़ी खबर नेमार की वापसी रही। पिंडली की चोट के कारण शुरुआती दो मैच नहीं खेल पाने वाले नेमार 76वें मिनट में मैदान पर उतरे। स्टेडियम में मौजूद ब्राजीलियाई प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। ब्राजील ने ग्रुप-सी में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि स्कॉटलैंड के लिए अब फिर ग्रुप चरण से आगे बढ़ने की राह कठिन हो गया है।

मोरक्को से हारकर हैती के सपनों पर फेरा पानी

मोरक्को ने हैती को 4-2 से हराकर ग्रुप-सी में दूसरे स्थान के साथ नॉकआउट दौर में जगह बना ली। हैती ने मुकाबले में दो बार बढ़त हासिल की थी। लेनी जोसेफ ने 10वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को आगे कर दिया। इसके बाद अचरफ हाकिमी ने 39वें मिनट में बराबरी दिलाई, लेकिन कुछ ही मिनट बाद विल्सन इसिडोर ने फिर हैती को बढ़त दिला दी। हालांकि मोरक्को ने हार नहीं मानी। इस्माइल सैबारी ने हाफ टाइम से पहले स्कोर 2-2 कर दिया। इसके बाद स्थानापन्न खिलाड़ी सूफियान रहीमी ने 78वें मिनट में निर्णायक गोल किया और 89वें मिनट में गेस्सीम यासीन ने चौथा गोल दागकर हैती की उम्मीदें समाप्त कर दीं। कतर विश्वकप 2022 की सेमीफाइनलिस्ट मोरक्को टीम ने एक बार फिर साबित किया कि वह इस बार भी लंबी दौड़ तय करने की क्षमता रखती है।

न्यूक्लियर बम जैसी कहानी मिलेगी तभी मैं 'गदर 3' बनाऊंगा

फिल्ममेकर अनिल शर्मा का कहना है कि जैसे ही उनके हाथ 'गदर: एक प्रेम कथा' की स्क्रिप्ट आई, उन्हें उसी वक्त एहसास हो गया था कि यह फिल्म भारत की सबसे बड़ी हिट बन सकती है। 25 साल बाद, कई रिकॉर्ड बनाने और एक हिट फ्रेंचाइज बनने के बाद भी अनिल शर्मा खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि यह फिल्म आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

इंटरव्यू में अनिल शर्मा ने फिल्म को याद करते हुए कहा, 'जिस दिन फिल्म के राइटर शक्तिमान तलवार ने मुझे इसकी कहानी सुनाई, उसी दिन मुझे समझ आ गया था कि यह भारत की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन सकती है, और ऐसा हुआ भी। 'मदर इंडिया', 'मुगल-ए-आजम' और 'शोले' मेरी पसंदीदा फिल्में रही हैं, और मैंने कोशिश की कि यह फिल्म भी उसी लेवल की बने। यह फिल्म टॉप फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई। ब्लॉकबस्टर कमाई के अलावा, इस फिल्म को करीब 10 करोड़ दर्शकों ने देखा, जो आज तक कोई फिल्म हासिल नहीं कर पाई। यहां तक कि 'गदर 2' का फुटफॉल भी इसका आधा ही था।'

लगान से टक्कर पर फिल्ममेकर का बयान

रिलीज के दिन 'लगान' से टक्कर पर वह कहते हैं, 'आज हम कहते हैं कि 'लगान' से मुकाबला था, लेकिन उस समय ऐसा कुछ नहीं था। उस दौर में दो-तीन बड़ी फिल्में एक साथ रिलीज होती थीं और सभी अच्छा चलती थीं। लोग एक फिल्म देखने के बाद दूसरी फिल्म भी देखने जाते थे। वो मार्केटिंग का नहीं, दिल का दौर था।' कास्टिंग को लेकर अनिल शर्मा कहते हैं, 'लोग पूछते हैं कि क्या कोई और विकल्प था, लेकिन सनी देओल, अमरीश पुरी या बाकी कलाकारों के लिए हमारे पास दूसरा कोई विकल्प था ही नहीं।'

क्या 'गदर 3' बनेगी

गदर 3 बनने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'जब उत्कर्ष बड़ा हुआ तो लोग कहने लगे कि जीते की कहानी लाओ। लेकिन मेरे लिए अगर 'गदर' एक बम थी, तो 'गदर 2' के लिए मुझे एटम बम जैसी कहानी चाहिए थी, और उसने इतिहास बना दिया। अब अगर मुझे न्यूक्लियर बम जैसी कहानी मिलेगी, तभी मैं 'गदर 3' बनाऊंगा। हम इसकी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं और अगर सब सही रहा तो अगले साल इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है।' बता दें कि पहले पार्ट में सनी देओल, अमीषा पटेल और अमरीश पुरी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म 15 जून 2001 को आमिर खान की 'लगान' के साथ रिलीज हुई थी।

मानवी गगरू ने सुनाया करियर के शुरुआत का किस्सा

मुझे 'कंप्रोमाइज' का मतलब ही समझ नहीं आया

अभिनेत्री मानवी गगरू ने हाल ही में मनोरंजन जगत में नए कलाकार के तौर पर अपने कुछ अजीब और असहज अनुभवों के बारे में बात की है। उन्होंने वह अनुभव याद किए, जब उन्हें इशारों-इशारों में अजीब ऑफर दिए गए। साथ ही कास्टिंग से जुड़ी अजीब शब्दावली का भी जिक्र किया, जो शुरुआत में उनकी समझ में नहीं आई थी। उन्होंने बताया कि एक आउटसाइडर होने के नाते सिनेमा में आगे बढ़ना उनके लिए सीखने वाली प्रक्रिया रही।

मानवी ने बताई करियर की अजीब घटना

हाल ही में मानवी ने 'टू गर्ल्स एंड टू कप्स' शो में बताया कि करियर की शुरुआत में उनके साथ एक बहुत अजीब घटना हुई थी। उन्हें एक प्रोजेक्ट के लिए 'एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइजट का ऑफर देने वाला मैसेज मिला। उन्होंने कहा, 'यह मेरे करियर के शुरुआत की बात है, इसलिए मैंने जवाब में पूछा कि 'कॉम्प्रोमाइज?' दरअसल, मुझे इसका मतलब नहीं पता था'। मानवी ने माना कि शुरू में उन्हें इस शब्द का मतलब समझ नहीं आया था और उन्होंने वह मैसेज एक ऐसे कास्टिंग डायरेक्टर को भी दिखाया जिन पर उन्हें भरोसा था।

मैसेज भेजने वाले की हिम्मत ने हैरान किया

मानवी ने कहा, 'मैंने इसे एक कास्टिंग डायरेक्टर को दिखाया, जो मेरे लिए एक मेंटर की तरह थे। उन्होंने कहा, बस उसे डिलीट करो, ब्लॉक करो'। अभिनेत्री को सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से हुई कि मैसेज भेजने वाले ने इतनी हिम्मत दिखाई कि ऐसा ऑफर भी लिखकर भेजा। उन्होंने कहा, 'मैं हैरान रह गई, यार। लोग आमतौर पर सोचते हैं कि कोई सबूत नहीं होना चाहिए। वे फोन पर बातें करते हैं, ताकि कोई उनकी शिकायत न कर सके। लेकिन यहां तो टेक्स्ट में ही एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइज की बात कही गई थी'। बता दें कि मानवी गगरू चर्चित अभिनेत्री हैं। उन्होंने टीवीएफ पिचर्स, टीवीएफ ट्रिपलिंग और फोर मोर शॉट्स प्लीज जैसी सीरीज में काम किया है। इसके अलावा वे 'नो वन किल्ड जेसिका', 'पीके', 'तू है मेरा संडे' और 'उजड़ा चमन' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

नए स्टार्स के साथ ऐसा ही होता है

वह किस्सा याद कर मानवी को हंसी आ गई कि उन्होंने उस मैसेज का मतलब कितनी मासूमियत से समझा था। उन्होंने कहा, 'मुझे पहले लगा कि 'कॉम्प्रोमाइज' का मतलब है कि बजट में कॉम्प्रोमाइज करेंगे या नहीं। मुझे लगा शायद यह कोई फाइनेंशियल बात है। जैसे जीएसटी, पता है न? एक लाख रुपये प्लस जीएसटी, शायद कुछ कॉम्प्लिमेंट्री भी हो। साथ में कॉम्प्रोमाइज। मुझे पता नहीं था'। अभिनेत्री ने कहा कि जो लोग नए-नए इंडस्ट्री में आते हैं और वहां की भाषा समझने की कोशिश करते हैं, उनके साथ ऐसी गलतफहमियां होना आम बात है। मानवी के मुताबिक, 'जो लोग फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते उनके साथ ऐसा ही होता है।

बॉक्स ऑफिस हिट के बिना इंडस्ट्री गंभीरता से नहीं लेती

'स्त्री' और 'स्त्री 2' की सफलता के बाद अब ऑडियंस को इस हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी के अगले भाग का इंतजार है। 'स्त्री' में जना का किरदार निभाने वाले अभिषेक बनर्जी भी फ्रेंचाइजी के अगले भाग का इंतजार कर रहे हैं। अमर उजाला से खास बातचीत में अभिषेक ने कहा, 'यह फिल्म बननी भी चाहिए। मुझे पूरी उम्मीद है कि यह सिलसिला आगे चलता रहेगा।'

फ्रेंचाइजी को चाहिए नई और युवा एनर्जी

फ्रेंचाइजी की कास्टिंग को लेकर पूछे गए सवाल पर अभिनेता ने कहा, 'जहां तक कास्ट की बात है, फिलहाल तो मेरी यही दुआ है कि अगले कुछ साल तक यही टीम (राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक) बनी रहे। लेकिन आखिरकार हर चीज का एक समय होता है। किसी भी इंडस्ट्री में, चाहे आप किसी भी मुकाम पर हों, एक समय ऐसा आता है जब नई पीढ़ी को आगे आने के लिए जगह देनी पड़ती है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस तरह की फिल्मों में एक खास तरह की यंग एनर्जी की जरूरत होती है। अगर हम 55 या 60 साल की उम्र में भी वही किरदार निभाते रहें तो ऑडियंस को उतना मजा नहीं आएगा इसलिए जब तक हम उस किरदार की ताजगी और एनर्जी को बनाए रख सकते हैं, तब तक जरूर इसका हिस्सा बने रहना चाहेंगे। हां, जिस दिन हमारे निर्माता या निर्देशक को लगेगा कि अब किसी नई एनर्जी की जरूरत है, तो वह फैसला भी हमें स्वीकार करना होगा। यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।'

फ्रेंचाइजी के अगले भाग को लेकर अभिषेक ने कहा, 'इसका इंतजार मैं भी उतना ही कर रहा हूं जितना ऑडियंस कर रही है। उम्मीद है कि 2028 तक फैंस को 'स्त्री' की एक नई पेशकश देखने को मिल जाएगी। फिलहाल तो यही कहूंगा कि यह यूनिवर्स लगातार बड़ा और मजबूत होता जा रहा है, इसका अगला भाग 'शक्ति शालिनी' भी अभी बन रहा है।' बातचीत के दौरान अभिषेक ने यह भी माना कि यह फिल्म उनके करियर की सबसे अहम फिल्मों में से एक रही है। उनके मुताबिक, इसकी सफलता के बाद इंडस्ट्री में उन्हें देखने का नजरिया बदल गया। अभिनेता ने कहा, 'मुझे लगता है कि 'स्त्री' मेरे करियर की सबसे बड़ी गेम चेंजर रही। जब यह फिल्म आई और उसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की, तब चीजें बदलनी शुरू हुईं। मेरा मानना है कि हमारी इंडस्ट्री में जब तक आपकी फिल्में पैसा नहीं कमातीं, तब तक आपको उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता। टैलेंट अपनी जगह है, लेकिन आखिर में बॉक्स ऑफिस और बिजनेस भी बहुत मायने रखता है। हम सब यह बात जानते हैं।'

नयनतारा ने सामंथा की 'मां इंटी बंगारम' की सफलता का मनाया जश्न

सामंथा रुथ प्रभु अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'मा इंटी बंगारम' की सफलता का जश्न मना रही हैं। एक्शन कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। नयनतारा ने फिल्म की सफलता को लेकर सामंथा को बधाई दी है। उन्होंने पूरी टीम को प्यार और सफलता की शुभकामनाएं देते हुए एक प्यारा संदेश भी लिखा है।

फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की सफलता को देखते हुए साउथ अभिनेत्री नयनतारा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक खास पोस्टर शेयर किया। उन्होंने सामंथा को 'सैम' कहकर बधाई दी और लिखा कि वह इस सफलता की हकदार हैं। उन्होंने पूरी टीम को भी शुभकामनाएं दीं।

बॉक्स ऑफिस पर दो दिनों की कमाई

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की नई तेलुगु फिल्म 'मां इंटी बंगारम' सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है।

'मां इंटी बंगारम' एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, जिसे नंदिनी रेड्डी ने निर्देशित किया है। फिल्म 18 जून, 2026 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 'यशोदा', 'घाटी' और 'द गर्लफ्रेंड' के पहले दिन के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। फिल्म में सामंथा के साथ गुलशन देवैया और दिगंथ मंचले भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े उठाएंगे मिलावटखोरी का मुद्दा

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अगली फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की पहली झलक सामने आ गई है, जिसके बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। 'द इंडिया स्टोरी' फिल्म खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित है और एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा पेश करने वाली है। पोस्टर में श्रेयस तलपड़े एक बीमार छोटी बच्ची को गोद में उठाए नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में बॉम्बे हाई कोर्ट दिखाया गया है। साथ ही एक कीटनाशक (पेस्टिसाइड) का सिलेंडर गवाह के बॉक्स में रखा हुआ नजर आता है, जो इस बात का इशारा करता है कि फिल्म में कानूनी लड़ाई अहम भूमिका निभाएगी। यह पोस्टर साफ दिखाता है कि फिल्म खाने में मिलावट के खतरनाक असर को दिखाएगी और बताएगी कि यह समस्या देश के लाखों परिवारों को कैसे प्रभावित करती है। फिल्म का मकसद लोगों को इस गंभीर मुद्दे के प्रति जागरूक करना है, जो अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है और इसे सागर बी शिंदे ने लिखा और प्रोड्यूस किया है। फिल्म में भारत के एक बड़े लेकिन कम चर्चा में रहने वाले पब्लिक हेल्थ इश्यू को दिखाया जाएगा।

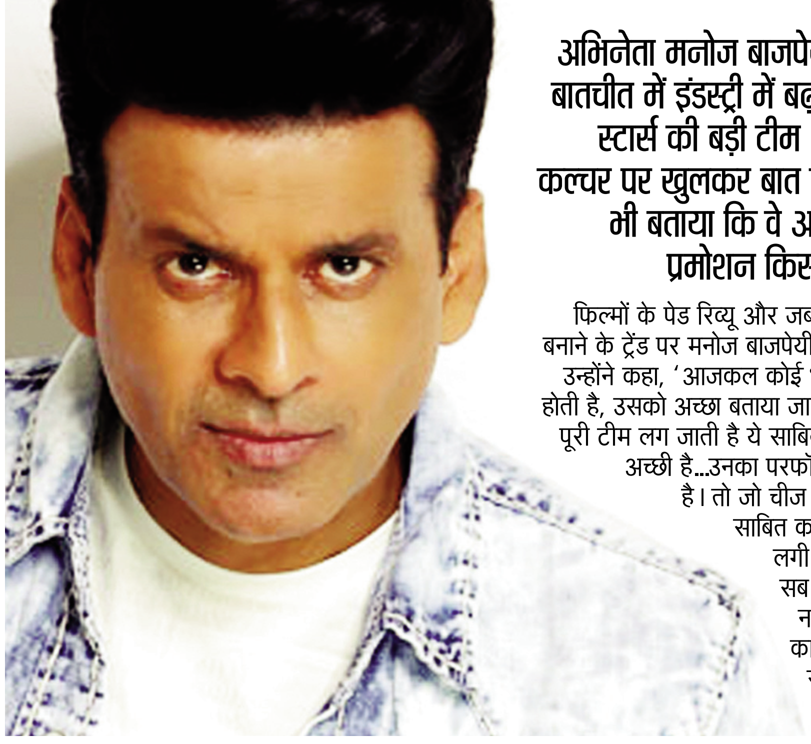

मनोज बाजपेयी ने सिनेमा के बदलते कल्चर पर उठाए सवाल

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में बातचीत में इंडस्ट्री में बढ़ते पेड रिव्यू ट्रेंड, स्टार्स की बड़ी टीम और बदलते वर्क कल्चर पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वे अपनी फिल्मों का प्रमोशन किस तरह करते हैं?

फिल्मों के पेड रिव्यू और जबरदस्ती अच्छा माहौल बनाने के ट्रेंड पर मनोज बाजपेयी ने बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा, 'आजकल कोई भी फिल्म जो बुरी भी होती है, उसको अच्छा बताया जाता है। उस एक्टर की पूरी टीम लग जाती है ये साबित करने में कि फिल्म अच्छी है...उनका परफॉर्मेंस बहुत कमाल का है। तो जो चीज बुरी है, उसको अच्छा साबित करने के लिए पूरी टीम लगी रहती है जी। और ये सब मैंने भी पढ़ा है, देखा नहीं। मैं जिस तरह का काम करता हूं, उसमें ये सब तो होता नहीं है।'

मेरे फैसले मैं खुद लेता हूं

आज कई कलाकारों के फैसले उनकी टीम तय करती है। लेकिन मनोज कहते हैं कि उन्होंने हमेशा अपने फैसले खुद लिए हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ तो ऐसा नहीं है। मैं अपने फैसले खुद लेता हूं। स्क्रिप्ट पढ़ता हूं या फिर उसका नरेशन लेता हूं। ज्यादातर मैं स्क्रिप्ट पढ़ना पसंद करता हूं। आखिर में फैसला मेरा ही होता है।' मनोज बाजपेयी ने कहा कि काम के दौरान वह अपनी निजी टीम को सेट से दूर रखते हैं और इसे डिसिप्लिन का हिस्सा मानते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप मेरे सेट पर आकर देखें, तो आपको मेरी टीम का कोई आदमी आसपास दिखाई नहीं देगा। मीडिया इंटरैक्शन के दौरान भी आप देख रहे हैं- प्रोडक्शन के लोग हैं, कैमरा टीम है, लेकिन मेरी टीम का कोई सदस्य यहां मौजूद नहीं है, क्योंकि हमने एक डिसिप्लिन बनाया हुआ है।' आगे उन्होंने कहा, 'जब हम काम कर रहे होते हैं, मेरा स्टाफ उस दायरे से बाहर रहता है। वहां कैमरा है, डायरेक्टर है, मेरे साथ दूसरे कलाकार हैं। वो एक अलग जोन होता है। उसमें मेरा बॉय, असिस्टेंट या मेकअप मैन तभी आएगा जब उसे बुलाया जाएगा। उनका काम कहीं और है, इस स्पेस में नहीं।'

मुझे बड़ी टीम के साथ चलने की जरूरत नहीं पड़ती

जहां कई कलाकार बड़े सपोर्ट सिस्टम के साथ चलते हैं, वहीं मनोज का कहना है कि उन्हें इसकी जरूरत महसूस नहीं होती। उन्होंने कहा, 'अब हर किसी को अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने की आजादी है। मैं किसी को जज नहीं करता। जो बात आप कर रही हैं, उसके बारे में मैं कभी-कभी पढ़ लेता हूं, लेकिन वो दुनिया मेरे लिए काफी अनजान है। हो सकता है किसी अभिनेता को इतने सपोर्ट सिस्टम की जरूरत हो, मुझे नहीं है। मैं अपने लिए काफी हूं। मेरा कॉस्ट्यूम, मेरा मेकअप, बहुत सारी चीजें मैं खुद संभाल लेता हूं।' कई बार हेयर स्टाइलिस्ट भी साथ नहीं ले जाता मनोज का कहना है कि वह फिल्मों में दिखावे के बजाय जरूरत के हिसाब से चीजें तय करते हैं।

मैं जरूरत के हिसाब से काम करता हूं

अभिनेता ने कहा कि वह ज्यादातर छोटी और मीडियम बजट की फिल्मों में काम करते रहे हैं, इसलिए हर चीज जरूरत देखकर तय करते हैं। उन्होंने कहा, 'सच्चाई ये है कि मैं ज्यादातर छोटी या मीडियम बजट की फिल्में करता रहा हूं। इसलिए मैं हर चीज फिल्म की जरूरत के हिसाब से तय करता हूं। जो लोग बड़ी फिल्मों में काम करते हैं, उनके तरीके अलग हो सकते हैं। वहां अगर मेकर्स उस पूरे सेटअप की इजाजत देता है, तो फिर बाद में उसे शिकायत करने का भी कोई हक नहीं है।'

मैं सिर्फ अपनी फिल्मों का प्रमोशन करता हूं, बाकी चीजों में नहीं पड़ता

मनोज कहते हैं कि वह अपनी फिल्मों का प्रमोशन जरूर करते हैं, लेकिन चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने में यकीन नहीं रखते। उन्होंने कहा, 'हम अपनी फिल्मों को प्रमोट करते हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग हमारी फिल्म को लेकर जागरूक हों। उसके बाद फिर हम अगली फिल्म में चले जाते हैं। और मैं इस बात पर यकीन करता हूं कि जो होगा, वो होगा। अपना काम शिद्दत से कीजिए, क्योंकि आपके भाग्य का कोई कुछ नहीं ले जा सकता।'

संक्षिप्त समाचार

भारतीय-बांग्लादेशी मजदूरों का हंगामा: महीनों से नहीं मिला वेतन, रोजमर्रा का खर्च चलाना भी मुश्किल

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में काम कर रहे भारत और बांग्लादेश के करीब 400 प्रवासी मजदूर इन

दिनों मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं। इन मजदूरों का आरोप है कि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिसके कारण उनके सामने रोजमर्रा का खर्च चलाना भी चुनौती बन गया है। यह मामला तब सामने आया जब करीब 100 मजदूरों ने सिंगापुर के श्रम मंत्रालय से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद मंत्रालय ने केपीए इंजीनियरिंग और एसके इंडस्ट्रीज नाम की दो कंपनियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी। जांच शुरू होने के बाद और भी मजदूर सामने आए, जिससे प्रभावित कर्मचारियों की संख्या बढ़कर लगभग 400 तक पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक, दोनों कंपनियों का संचालन एक ही डायरेक्टर से जुड़ा हुआ है। यह भी सामने आया है कि वह कई अन्य कंपनियों से भी संबद्ध है। इस बीच, कंपनियों के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका पक्ष सामने नहीं आ सका। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि मजदूरों को खाना उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने भी भुगतान न मिलने के कारण सप्लाई रोक दी है। ऐसे में कई मजदूरों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया। राहत की बात यह है कि प्रवासी मजदूरों के लिए काम करने वाले कुछ गैर-सरकारी संगठन आगे आए हैं और प्रभावित श्रमिकों को भोजन व अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। माइग्रेंट वर्कर्स सेंटर ने 300 से ज्यादा मजदूरों से मुलाकात कर उन्हें मदद का भरोसा दिया है। वहीं, अधिकारियों ने मजदूरों को सलाह दी है कि वेतन विवाद के निपटारे तक वे नई नौकरी तलाश सकते हैं। इसके लिए उन्हें विशेष पास भी दिया जा सकता है, जिससे वे कानूनी रूप से सिंगापुर में रह सकें।

जर्मनी में रेल सेवाएं ठप, संचार प्रणाली में आई खराबी; स्टेशनों पर फंसे हजारों यात्री

बर्लिन, एजेंसी। संचार प्रणाली में आई तकनीकी खराबी के कारण मंगलवार देर रात जर्मनी की

रेल सेवाएं ठप हो गईं। इसके चलते देशभर में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेनें रुक जाने से कई यात्री विभिन्न स्टेशनों पर फंस गए। अपने गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश कर रहे यात्रियों की स्टेशन सूचना केंद्रों पर लंबी कतारें देखी गईं, जहां वे आगे की यात्रा के बारे में जानकारी लेने पहुंचे थे। जर्मनी की प्रमुख राष्ट्रीय रेल कंपनी डॉयचे बान ने बताया कि जीएसएम-आर डिजिटल संचार प्रणाली में देशव्यापी समस्या आने के कारण सभी ट्रेनों को स्टेशनों पर रोक दिया गया। यह प्रणाली रेलवे नेटवर्क के भीतर आंतरिक संचार के लिए इस्तेमाल की जाती है। डॉयचे बान ने आधी रात जारी बयान में कहा कि समस्या की वजह का पता लगा लिया गया है, लेकिन यह नहीं बताया कि खराबी किस कारण हुई। कंपनी ने कहा, 'तकनीशियन समाधान निकालने के लिए गहनता से काम कर रहे हैं।' कंपनी ने कहा कि प्रभावित यात्रियों को टैक्सी और होटल वाउचर उपलब्ध कराए जाएंगे। जहां संभव होगा, वहां स्टेशनों पर खड़ी ट्रेनों को यात्रियों के बैठने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। कंपनी ने स्थिति के लिए खेद भी जताया। खराबी की सूचना मिलने के करीब दो घंटे बाद नेटवर्क के कुछ हिस्सों में ट्रेन सेवाएं फिर से शुरू हो गईं। बर्लिन के कम्यूटर रेल नेटवर्क ने कहा कि ट्रेनें चल रही हैं, लेकिन यात्रियों को अभी भी देरी और रद्द होने की आशंका के लिए तैयार रहना चाहिए। पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी जर्मनी के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय रेल सेवाएं संचालित करने वाली डीबी रेजियो मिट्टे ने भी बताया कि सेवाएं बहाल कर दी गई हैं।

गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में कूदे 40 लोग सभी की डूबने से मौत

लंदन , एजेंसी। यूरोप में जारी भीषण गर्मी अब जानलेवा साबित हो रही है। फ्रांस समेत कई यूरोपीय देशों में हीटवेव के चलते अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच एक चौंकाने वाली रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्मी से राहत पाने के लिए नदी में उतरे करीब 40 लोगों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में अधिकांश युवा बताए जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भीषण गर्मी से परेशान होकर कई लोग असुरक्षित और प्रतिबंधित क्षेत्रों में नदी में नहाने के लिए उतर गए थे। हालांकि, तेज बहाव और सुरक्षा इंतजामों की कमी के कारण ये लोग हादसे का शिकार हो गए। विशेषज्ञ इसे यूरोप में चल रही भीषण गर्मी के खतरनाक प्रभावों का संकेत मान रहे हैं।

सबसे गर्म रात के बाद बुलाई गई आपात बैठक

फ्रांस में रिकॉर्ड स्तर की गर्म रात दर्ज किए जाने के बाद मंगलवार को सरकार ने आपातकालीन बैठक बुलाई। बैठक में लोगों को गर्मी से बचाव और सुरक्षा उपायों को लेकर कई दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक के बाद फ्रांसीसी मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने

कहा कि डूबने से जान गंवाने वालों में अधिकांश युवा थे। उन्होंने इन मौतों को ÷दुखद आपदा÷ बताते हुए कहा कि ये लोग उस संकट के पहले शिकार हैं, जिसका सामना पूरा देश कर रहा है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि हीटवेव के दौरान किसी भी प्रतिबंधित या असुरक्षित जल क्षेत्र में तैराकी करने से बचें। गर्मी का कहर केवल जल दुर्घटनाओं तक सीमित नहीं रहा। दक्षिण-पूर्वी फ्रांस के कारपेंट्रास इलाके में दो और चार वर्ष की उम्र के दो बच्चों की मौत की सबसे संभावित वजह हीट स्ट्रोक बताई गई है। दोनों बच्चे अपने घर के बाहर खड़ी कार में बेहोश पाए गए थे। इसके अलावा, बोर्डो क्षेत्र में गर्मी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 80 से 95 वर्ष आयु वर्ग के तीन बुजुर्गों की भी मौत हो गई। 1947 के बाद सबसे गर्म रात दर्ज

फ्रांस की मौसम एजेंसी ने बताया कि सोमवार और मंगलवार की रात 1947 से रिकॉर्ड रखे जाने के बाद की सबसे गर्म रात साबित हुई। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, देश का औसत तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 2019 में बने पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। हीटवेव की वजह से बोर्डो, पोइटियर्स समेत कई शहरों में तापमान ने नए रिकॉर्ड बना दिए। बढ़ती गर्मी से बिजली आपूर्ति और सार्वजनिक सेवाओं पर भी भारी दबाव देखने को मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मौसम विभाग ने फ्रांस के 54 शहरों में हीटवेव अलर्ट जारी किया है।

नीरव मोदी को बड़ा झटका: ब्रिटिश कोर्ट का आदेश- बैंक फ्रॉड मामले में 100 करोड़ से अधिक भुगतान करना होगा

लंदन, एजेंसी। भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को ब्रिटिश कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब नीरव मोदी को बैंक फ्रॉड मामले में 100 करोड़ से अधिक भुगतान करना होगा। हाईकोर्ट के न्यायाधीश साइमन टिंकलर ने नीरव को व्यक्तिगत गारंटी के तहत देनदार ठहराया। खबरों के मुताबिक नीरव पर 4.1 मिलियन डॉलर (लगभग 38.9 करोड़

रुपये) की मूल राशि बकाया है। बैंक इसमें निर्धारित ब्याज भी जोड़ेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक मंगलवार को (ब्रिटिश टाइम) हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान नीरव या उनके वकील ने अपने बचाव में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। नीरव ने तर्क दिया था कि गारंटी लागू करने योग्य नहीं थी। उसने बैंक से वैध मांगें कभी प्राप्त नहीं की थीं। बैंक ऑफ इंडिया ने जुलाई 2012 में नीरव की कंपनी फायरस्टार डायमंड एफजेडई को दुबई में कर्ज दिया था। नीरव ने 3 अगस्त 2013 को इसकी व्यक्तिगत गारंटी दी थी। 2018 की शुरुआत में, जब नीरव द्वारा पंजाब नेशनल बैंक में कथित धोखाधड़ी की खबर फैली, तो बैंक ऑफ इंडिया ने कर्ज वापस मांगने का फैसला किया। मार्च और अप्रैल 2018 में फायरस्टार और नीरव को भेजे गए नोटिस का जवाब नहीं मिला। 8 मार्च 2024 को बैंक ऑफ इंडिया ने 4.1 मिलियन डॉलर की मूल राशि और ब्याज के लिए सारांश निर्णय प्राप्त किया। बैंक ने अक्तूबर 2025 में नीरव को एक और मांग भेजी। न्यायाधीश टिंकलर ने कहा कि फरवरी 2018 से फायरस्टार समूह की हर कंपनी प्रभावित हुई थी। न्यायाधीश टिंकलर ने बताया कि 17 फरवरी 2018 को नीरव ने बैंक को ईमेल भेजा था। इसमें उसने मीडिया की हलचल से संचालन बंद होने की बात कही थी। उसने समूह की बैंकों को बकाया चुकाने में असमर्थता भी बताई थी। नीरव ने अप्रैल 2018 और अक्तूबर 2025 की मांगें मिलने से इन्कार किया।

कैलिफोर्निया की लाइब्रेरी में 18 साल के लड़के ने की अंधाधुंध गोलीबारी, 2 की मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया से एक बेहद दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां चिको शहर की एक पब्लिक लाइब्रेरी में 18 साल के एक सिरफिरे लड़के ने पूरी प्लानिंग के साथ अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस खौफनाक हमले में एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई है। राहत की बात यह रही कि अमेरिकी पुलिस ने सूचना मिलने के महज 4 मिनट के भीतर ही जान की बाजी लगाकर शूटर को जिंदा दबोच लिया जिससे लाइब्रेरी के अंदर

मौजूद दर्जनों अन्य लोगों की जान बच गई। अधिकारियों के अनुसार संदिग्ध ने लाइब्रेरी के मुख्य प्रवेश द्वार पर एक व्यक्ति को गोली मार दी और फिर इमारत के भीतर घुसकर एक महिला की भी गोली मारकर हत्या कर दी। चिको के पुलिस प्रमुख बिली एल्ड्रिज ने बताया कि सोमवार शाम ब्यूट काउंटी लाइब्रेरी की चिको शाखा से संबंधित आपातकालीन फोन कॉल में गोलियों की आवाजें और लोगों की चीखें सुनाई दे रही थीं। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के दो मिनट के भीतर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। एल्ड्रिज ने जान-माल के और नुकसान को रोकने पर पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए कहा, पहली आपातकालीन कॉल मिलने से लेकर संदिग्ध को हिरासत में लेने तक की पूरी कार्रवाई चार मिनट से भी कम समय में पूरी हो गई।

पुरुषों के बर्ताव से परेशान होकर खुद से ही रचा ली शादी, फिर 1 साल बाद हो गई बोर

रियो डी जनेरियो , एजेंसी। रिलेशनशिप में बार-बार धोखा खाने और पुरुषों के बर्ताव से परेशान होकर खुद से शादी (करने वाली लंदन की एक मशहूर मॉडल अब एक नए कारण से सुर्खियों में हैं। मर्दों से तंग आकर खुद को अपना जीवनसाथी बनाने वाली 36 वर्षीय ब्राजीलियन इन्फ्लुएंसर सुलेन कैरी ने शादी के ठीक एक साल बाद अब खुद से ही तलाक ले लिया है। सुलेन का कहना है कि वह खुद के साथ इस रिश्ते को निभाते-निभाते इतनी थक गई और बोर हो गई कि अब उन्हें खुद से ही ब्रेकअप करना पड़ा।

बता दें कि पिछले साल सुलेन कैरी की इस अनोखी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। पुरुषों के साथ बेहद कड़वे अनुभवों के बाद सुलेन ने फैसला किया था कि वह किसी और के भरोसे रहने के बजाय खुद को ही अपनी सोलमेट बनाएगी। उन्होंने लंदन में एक शानदार पार्टी रखी, सफेद वेडिंग गाउन पहना, केक काटा और खुद से हमेशा प्यार करने का वादा किया। शादी के बाद सुलेन खुद ही अकेले डेट पर जाती थीं, खुद को महंगे तोहफे देती थीं और अपनी खुशियां खुद तय करती थीं। शादी के 12 महीनों बाद सुलेन ने

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बेहद चौंकाने वाली पोस्ट शेयर की जिसने इंटरनेट पर नई बहस छेड़ दी है। सुलेन ने लिखा कि शुरुआत में सब कुछ बहुत अच्छा और आज़ाद था लेकिन धीरे-धीरे खुद के साथ चौबीसों घंटे रहना एक दबाव बनने लगा। वह अंदर से बेहद अकेलापन महसूस करने लगीं।

मॉडल ने अपनी पोस्ट में कुबूल किया, मैं खुद से शादी करके खुश थी लेकिन अब मुझे लगता है कि मैं खुद को ही एग्जॉस्ट (मानसिक रूप से थका) कर रही हूं। मुझ पर खुद को हमेशा परफेक्ट रखने का इतना प्रेशर था कि मैं खुद को भी सहन नहीं कर पा रही थी। सुलेन के इस सेल्फ-डिवोर्स की खबर आते ही सोशल मीडिया यूजर्स दो गुटों में बंट गए हैं। कुछ लोग इसे केवल सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स बटोरने का एक पब्लिसिटी स्टंट बता रहे हैं जबकि कुछ यूजर्स मजे लेते हुए लिख रहे हैं- जब मैडम से खुद का साथ सहन नहीं हो रहा, तो वो किसी और पुरुष को कैसे झेल पातीं? वहीं रिलेशनशिप एक्सपर्ट्स और मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि सोलोगैमी यानी खुद से शादी करना आत्म-सम्मान के लिहाज से एक अच्छा विचार लग सकता है लेकिन लंबे समय तक इंसानी स्वभाव अकेले नहीं रह सकता। इंसान एक सामाजिक प्राणी है। किसी भी रिश्ते में जो भावनात्मक सपोर्ट और सुख-दुख साझा करने के लिए दूसरे पार्टनर की जरूरत होती है वह इंसान खुद अकेले रहकर कभी पूरी नहीं कर सकता।

27 वर्षीय भारतीय महिला ने जीता फ्री लग्जरी अपार्टमेंट

दुबई , एजेंसी। दुबई में रहने वाली 27 वर्षीय भारतीय महिला की किस्मत उस समय चमक गई जब उसने एक शॉपिंग कैंपेन के जरिए मुफ्त में एक स्टूडियो अपार्टमेंट जीत लिया। केरल मूल की आयशा अमीर इस विशेष आवासीय अभियान की पहली विजेता बनी हैं, जिसे दुबई में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए शुरू किया गया है।

जानकारी के अनुसार, आयशा ने शहर में खरीदारी के दौरान एक लकी ड्रॉ में हिस्सा लिया था। इस अभियान के तहत ग्राहकों को भाग लेने वाले स्टोर्स से कम से कम 500 दिरहम की खरीदारी करनी होती है। इसके बाद त्क्र कोड स्कैन कर खरीदारी की रसीद अपलोड करनी होती है, जिससे उनका नाम ड्रॉ में शामिल हो जाता है।

आयशा ने बताया कि उन्हें इस अभियान की जानकारी उनके पति ने दी थी। उन्होंने मॉल और सोशल मीडिया पर इसके विज्ञापन देखे थे, जिसके बाद आयशा ने भी इसमें हिस्सा लेने का फैसला किया। जब उन्हें जीत की सूचना देने के लिए फोन आया तो शुरुआत में उन्हें विश्वास नहीं हुआ। उन्हें लगा कि शायद कोई धोखाधड़ी करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि बाद में आयोजकों की ओर से आधिकारिक ईमेल और जरूरी जानकारी मिलने के बाद उन्हें यकीन हुआ कि उन्होंने वास्तव में एक लग्जरी स्टूडियो अपार्टमेंट जीत लिया है। आयशा और उनके पति पिछले साल विवाह बंधन में बंधे थे और भविष्य में अपना घर खरीदने की योजना बना रहे थे। लेकिन इस साल क्षेत्रीय परिस्थितियों और अनिश्चितताओं के कारण उन्होंने फिलहाल अपना फैसला टाल दिया था। ऐसे में

मुफ्त अपार्टमेंट जीतना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा साबित हुआ। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग दूसरों को बड़े इनाम जीतते हुए देखते हैं और सोचते हैं कि ऐसा उनके साथ कभी नहीं होगा। लेकिन उनकी जीत यह साबित करती है कि कभी-कभी किस्मत अप्रत्याशित तरीके से भी दरवाजा खटखटा सकती है। इस अभियान के तहत कुल 12 अपार्टमेंट विजेताओं को दिए जाएंगे। अगस्त के अंत तक हर सप्ताह नए विजेताओं की घोषणा की जाएगी। इस पहल में करीब 1,000 ब्रांड और 4,000 से अधिक रिटेल आउटलेट शामिल हैं। आयोजकों का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ खरीदारी को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि दुबई के निवासियों और ग्राहकों को खास अनुभव देना भी है। सरल प्रक्रिया और आकर्षक इनामों के कारण यह कैंपेन लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

ग्रीन कार्ड धारकों की बढ़ीं मुश्किलें, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला- अपराध किया तो मिलेगा देश निकाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक अहम फैसला दिया, जिससे अमेरिका में रहने वाले ग्रीन कार्ड धारकों की परेशानी बढ़ना तय है। दरअसल इस फैसले के बाद अगर कोई ग्रीन कार्ड

धारक नैतिक पतन से जुड़ा अपराध करता है तो उसे स्थायी नागरिक होने के बाद भी अमेरिका से निर्वासित किया जा सकेगा। अमेरिका के सीमा सुरक्षा अधिकारियों को अब ऐसे लोगों को अमेरिका से निकालना आसान होगा। अमेरिकी न्यायाधीश क्लेरेंस थॉमस ने फैसले में कहा कि आव्रजन अधिकारियों को अब स्पष्ट सबूतों की जरूरत नहीं होगी और अगर उन्हें लगता है कि अपराध हुआ है तो भी वे कार्रवाई कर सकते हैं। जज ने कहा कि अप्रवासन और नेशनलिटी एक्ट में सबूतों की जरूरत की बात नहीं है। दरअसल एक याचिकाकर्ता मुक चोइ लाउ ने अपनी याचिका में बताया कि वह चीनी नागरिक है, लेकिन उसके पास अमेरिका में स्थायी निवास के लिए ग्रीन कार्ड है। ट्रेडमार्क में जालसाजी के आरोप में लाउ को साल 2012 में चीन से लौटते समय न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रवेश नहीं दिया गया था। हालांकि उस समय उन्हें सशर्त प्रवेश की मंजूरी दी गई। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लाउ ने बाद में जाली नोट बनाने के आरोपों को भी स्वीकार किया। जिसके बाद उसे देश से निर्वासित करने का

मिसाइलों के दम पर बचा ईरान

राष्ट्रपति पेजेशकियन बोले- यूएस के साथ समझौते में शामिल नहीं हमारा मिसाइल कार्यक्रम

इस्लामाबाद, एजेंसी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि ईरान का मिसाइल कार्यक्रम अमेरिका के साथ हुए 14 सूत्रीय समझौते का हिस्सा नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी मिसाइलों को लेकर ऐसा कोई समझौता नहीं होगा। पेजेशकियन ने यह बात पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक मीडिया वार्ता के दौरान कही। राष्ट्रपति ने अपने देश के मिसाइल कार्यक्रम का पुरजोर बचाव किया। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें ईरान की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी हैं। उनके मुताबिक, अगर ईरान के पास ये मिसाइलें नहीं होतीं, तो इस्रायल और अमेरिका अब तक ईरान को पूरी तरह बर्बाद कर चुके होते। उन्होंने मिसाइल क्षमता और अमेरिका के साथ हुए समझौते के बीच किसी भी तरह के जुड़ाव को सिरे से खारिज कर दिया। पेजेशकियन इन दिनों पाकिस्तान के दौरे पर हैं। वहां वे पाकिस्तानी नेताओं के साथ आपसी संबंधों और क्षेत्र के हालातों पर चर्चा कर रहे हैं। यह बयान स्विट्जरलैंड में हुई तकनीकी बातचीत के खत्म होने के बाद आया है। इस 14 सूत्रीय समझौते का मुख्य उद्देश्य इलाके में जारी तनाव और दुश्मनी को खत्म करना है। पिछले हफ्ते ही अमेरिका ने इस समझौते का आधिकारिक मसौदा सबके सामने रखा था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, इस समझौते में कई अहम बातें शामिल हैं। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का प्रावधान है। साथ ही ईरान पर लगी कुछ आर्थिक पाबंदियों को कम करने की बात भी कही गई है। समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भविष्य में तकनीकी बातचीत करने की रूपरेखा भी तैयार की गई है।

हालांकि, इस आधिकारिक दस्तावेज में ईरान के मिसाइल कार्यक्रम पर किसी भी तरह की रोक का जिक्र नहीं है। इसमें हथियारों से जुड़ी सिर्फ एक ही शर्त है।

रूस से तेल-कोयले की सप्लाई के लिए भारत का नया दांव, चेन्नई-व्लादिवोस्तोक कॉरिडोर बना नई लाइफलाइन

मास्को , एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होरमुज़ जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक श्रृंखलाओं पर दबाव बढ़ गया है। ऐसे समय में भारत और रूस के बीच विकसित किया गया ईस्टर्न मैरीटाइम कॉरिडोर भारत के लिए एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक व्यापार मार्ग के रूप में उभर रहा है। यह समुद्री मार्ग भारत के चेन्नई बंदरगाह को रूस के सुदूर पूर्व में स्थित व्लादिवोस्तोक बंदरगाह से जोड़ता है और इसे आर्थिक तथा सामरिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत ने वर्ष 2024 में इस मार्ग को सक्रिय किया था, जब लाल सागर क्षेत्र में हमास-इजरायल संघर्ष के प्रभाव के चलते यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय जहाजों को निशाना बनाया जा रहा था। अब अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनाव

तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में संभावित व्यवधान ने इस समुद्री गलियारे की उपयोगिता को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईएमसी के जरिए रूस से भारत आने वाले जहाजों का ट्रांजिट समय लगभग 24 दिन रह जाता है, जबकि पारंपरिक स्वेज नहर मार्ग से यही यात्रा 40 दिनों से अधिक समय ले सकती है।इससे भारत को रूस से कच्चा तेल, कोकिंग कोल और अन्य महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों की तेज और अपेक्षाकृत कम लागत वाली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलती है।भारत की इस्पात और ऊर्जा जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में रूस से निर्बाध आपूर्ति बनाए रखना रणनीतिक आवश्यकता बन गया है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो ईएमसी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता इससे रूस से आने वाले कच्चे माल और ऊर्जा संसाधनों को भारतीय बंदरगाहों से देश के विभिन्न हिस्सों तक तेज़ी और कम लागत में पहुंचाना संभव होगा। यह समुद्री गलियारा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के अनुरूप भी माना जा रहा है। इसके माध्यम से भारत पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ अपनी आर्थिक और सामरिक भागीदारी मजबूत कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की भारत की व्यापक रणनीति का भी हिस्सा है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.